THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 274 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष शु.11 2080 शनिवार, 23 दिसंबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

कोरोना से जयपुर में बच्चा संक्रमित

देशभर में 24 घंटे में 640 नए केस, केरल में सबसे ज्यादा 265 मामले, 1 की मौत

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कोरोना का जेएन.1 वैरिएंट भारत में तेजी से फैल रहा है। पिछले 24 घंटे में देशभर में कोरोना के 640 मामले दर्ज किए गए हैं। एक शख्स की मौत हुई है। हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक, देश में एक्टिव मामलों की संख्या 2 हजार 997 हो गई है। एक दिन पहले यह आंकड़ा 2 हजार 669 था।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अकेले केरल में 2 हजार 606 एक्टिव मामले हैं। यह देश में सबसे ज्यादा है। यहां 21 दिसंबर को कोरोना के 265 नए मामले सामने आए हैं। एक मरीज की मौत भी हुई है। राजस्थान के जयपुर में एक महीने का बच्चा कोरोना पॉजिटिव मिला है। उसका इलाज चल रहा है।

कर्नाटक में कोविड के 105, महाराष्ट्र में 53 और गुजरात में 32 मामले हैं। यूपी के नोएडा में कई महीनों के बाद एक पॉजिटिव मरीज मिला है। डॉक्टर ने बताया कि 54 साल का मरीज हाल ही में नेपाल गया था। वह हरियाणा के गुरुग्राम में काम करता है।

गुजरात में 8 साल का बच्चा पॉजिटिव :

गुजरात में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 9 नए मामले सामने आए हैं। इस तरह राज्य में कुल सक्रिय मामलों की संख्या 32 हो गई है। अहमदाबाद में गुरुवार को एक ही दिन कोरोना के 6 मरीज सामने आए हैं, जिनमें चार पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं।

संसद सुरक्षा चूक मामला ललित 5 जनवरी तक रिमांड पर

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद की सुरक्षा में हुई चूक मामले में दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 5वें आरोपी ललित झा की पुलिस रिमांड 5 जनवरी तक बढ़ा दी है। इससे पहले कोर्ट ने 21 दिसंबर को 4 अन्य आरोपियों सागर शर्मा, नीलम, मनोरंजन डी और अमोल शिंदे की पुलिस हिरासत 15 दिन के लिए बढ़ा दी थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मामले में 6 आरोपियों का साइकोलॉजिकल टेस्ट होगा। इसमें आरोपियों का बर्ताव, आदतें और रूटीन की जांच होगी। ये टेस्ट सीबीआई की फोरेंसिक लैब और दिल्ली के रोहिणी स्थित फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) में किया जाएगा। 21 दिसंबर को एक आरोपी को लैब लाया गया था। अब एक-एक करके बाकी आरोपियों को भी टेस्ट के लिए लाया जाएगा।

टेस्ट क्रेशचन-आंसर फॉर्मेट में होगा :

साइकोलॉजिकल टेस्ट प्रश्न-उत्तर फॉर्मेट में होगा। यह तीन घंटे चलेगा। इसमें ये जाना जाएगा कि संसद में घुसपैठ करने का इन सभी लोगों का मकसद क्या था।

रेसलर बजरंग पूनिया ने पद्मश्री लौटाया

पीएम के घर के बाहर फुटपाथ पर रखा अवॉर्ड कहा- अब इस सम्मान के बोझ तले नहीं जी सकता

रेवाड़ी, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। रेसलर बजरंग पूनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सोशल मीडिया के जरिए चिट्ठी लिखकर पद्मश्री अवॉर्ड लौटाने का ऐलान किया है। बजरंग पूनिया ने लिखा कि मैं अपना पद्मश्री पुरस्कार प्रधानमंत्री जी को वापस लौटा रहा हूं। कहने के लिए बस मेरा यह पत्र है।

इस चिट्ठी में बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) पर बृजभूषण के करीबी संजय सिंह की जीत का विरोध जताया है। बजरंग अवॉर्ड लौटाने प्रधानमंत्री आवास पर गए थे, लेकिन अंदर जाने की परमिशन नहीं मिली तो उन्होंने अवॉर्ड वहीं फुटपाथ पर रख दिया।

बजरंग ने खुद को 'असम्मानित पहलवान' बताते हुए कहा कि महिला पहलवानों के अपमान के बाद वे ऐसी सम्मानित जिंदगी नहीं जी पाएंगे, इसलिए अपना सम्मान लौटा रहे हैं। अब वह इस सम्मान के बोझ तले नहीं जी सकते। बजरंग पूनिया को 12 मार्च 2019 को पद्मश्री पुरस्कार मिला था।

बजरंग पूनिया ने प्रधानमंत्री को लिखा, आपकी देश सेवा की इस भारी व्यस्तता के बीच आपका ध्यान हमारी कुश्ती पर दिलवाना चाहता हूं।

>14

संसद भवन-अयोध्या में बड़े धमाकों की धमकी

युवती का फोन हैक कर जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम में आया मैसेज, हमलावरों के पास आरडीएक्स और हथियार

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर कंट्रोल रूम के वॉट्सऐप नंबर पर आए एक मैसेज ने तीन राज्यों में हड़कंप मचा दिया। इसमें लिखा था कि जयपुर, दिल्ली में संसद भवन-राष्ट्रपति भवन और अयोध्या में राम मंदिर पर आने वाले 7 दिनों में बड़े धमाके होंगे। इस मैसेज मिलने के बाद से ही राजस्थान पुलिस, दिल्ली और यूपी पुलिस को अलर्ट कर जांच में जुट गई। जयपुर पुलिस ने नंबर ट्रैक किया तो एक युवती का निकला।

हलांकि इस लड़की ने ऐसा मैसेज करने से इनकार कर दिया। जांच करने पर पता चला कि मोबाइल को किसी ने हैक कर लिया था और उसने मैसेज पुलिस को भेजा है। जांच में मैसेज भेजने वाला युवती का ही दोस्त निकला। इसके बाद जयपुर पुलिस ने एटीएस-एसओजी, दिल्ली पुलिस और यूपी पुलिस को घटना की जानकारी दी।

गुरुवार दोपहर 11 बजे जयपुर कंट्रोल रूम के वॉट्सऐप नंबर पर मैसेज आया था। इसमें लिखा था- मुझे कुछ बदमाशों ने बंधक बना रखा है। इन बदमाशों के पास आरडीएक्स और हथियार हैं। ये लोग पाकिस्तान से जुड़े हुए हैं। आने वाले सात दिनों में ये देश में चार जगह पर धमाके करने वाले हैं। इसमें में जयपुर में एक, दिल्ली में दो और यूपी में एक जगह पर ब्लास्ट की जानकारी दी गई।

>14

सांसदों के सस्पेंशन पर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

राहुल बोले- 2-3 युवा संसद में घुसे तो भाजपा सांसद भाग लिए, देश भक्तों की हवा निकल गई

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद से 146 विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ शुक्रवार को इंडिया के नेता जंतर-मंतर पर जुटे। प्रदर्शन का नाम सेव डेमोक्रेसी प्रोटेस्ट (लोकतंत्र बचाओ प्रदर्शन) दिया गया। प्रदर्शन में लेफ्ट पार्टियां, डीएमके, एनसीपी (शरद पवार गुट), सपा, नेशनल कॉन्फ्रेंस, टीएमसी, जेएमएम, आरजेडी समेत अन्य दल थे।

संसद में सुरक्षा चूक पर राहुल गांधी ने कहा कि जो लोग खुद के देशभक्त होने का दावा करते हैं, उनकी हवा निकल गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी-शाह ने संविधान, डेमोक्रेसी को खत्म करने का प्लान बनाया है।

राहुल बोले- जो लोग संसद में घुसे, वो अंदर कैसे आए :

राहुल ने कहा, कुछ दिन पहले संसद भवन में दो-तीन युवा कूदकर अंदर आ गए।

उन्हें कूदते हुए हम सबने देखा। वे अंदर आए, उन्होंने थोड़ा धुआं फैलाया, भाजपा के सभी सांसद भाग गए... जो अपने आप को देश भक्त कहते हैं उनकी हवा निकल गई थी।

उन्होंने कहा, मैंने किसी से कहा कि देश में कहीं भी एक छोटा सा सर्वे करो कि देश के युवा मोबाइल (इंस्टाग्राम, फेसबुक, ट्विटर) पर कितना समय बिताते हैं। जवाब मिला- साढ़े सात घंटे। नरेंद्र मोदी की सरकार में देश का युवा साढ़े सात घंटे सेलफोन पर रहता है, क्योंकि उसके पास रोजगार नहीं है। ये हिंदुस्तान की सच्ची हालत है। इसी के चलते वो युवा संसद में कूदकर आए।

मीडिया में ये बात नहीं आई कि देश में बेरोजगारी है। मीडिया ने कहा कि पार्लियामेंट के बाहर सांसद लोग बैठे थे, वहां पर राहुल गांधी ने वीडियो ले लिया। मतलब इन्होंने ये नहीं कहा कि 150 सांसदों को पार्लियामेंट के बाहर कर दिया, ये सवाल मीडिया ने नहीं उठाया कि क्यों किया, कैसे किया।

आप नेता संजय सिंह की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने कथित शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। यह आदेश विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने सुनाया। राउज एवेन्यू कोर्ट ने 12 दिसंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सिंह का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर ने पहले तर्क दिया था कि ईडी ने सिंह की गिरफ्तारी से पहले उनसे पूछताछ नहीं की थी।

लोकसभा चुनाव से पहले ईसी की नई गाइडलाइन

इलेक्शन कैंपेन में दिव्यांगों को लंगड़ा-गूंगा नहीं कह सकेंगी पार्टियां, उल्लंघन किया तो 5 साल की जेल

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों के लिए गाइडलाइन जारी की है। आयोग ने पार्टियों को इलेक्शन कैंपेन में दिव्यांगों के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल न करने के निर्देश दिए हैं।

आयोग ने पार्टियों से कहा- दिव्यांगों के लिए गूंगा, पागल, सिरफिरा, अंधा, काना, बहरा, लंगड़ा, लूला, अपाहिज जैसे शब्दों का इस्तेमाल न किया जाए। कैंपेन के दौरान नेताओं की स्पीच, सोशल मीडिया पोस्ट, विज्ञापन और प्रेस रिलीज में ऐसे शब्दों को इस्तेमाल न हों। अगर इसका उल्लंघन हुआ तो दिव्यांगजन अधिकार एक्ट, 2016 के सेक्शन 92 के तहत 5 साल तक की जेल हो सकती है।

दिव्यांगों के लिए वोट फ्रॉम होम की सुविधा :

चुनाव आयोग ने बीते कुछ समय से दिव्यांगों का वोट प्रतिशत बढ़ाने की कई कोशिशें की हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 से दिव्यांगों के लिए खास सुविधा शुरू हुई है। इसमें 40 प्रतिशत से ज्यादा दिव्यांग लोग घर से वोट डाल सकते थे। इसके लिए उन्हें चुनाव का नोटिफिकेशन जारी होने के 5 दिन के अंदर एक फॉर्म भरना होता था।

चंद्रयान 3 की लैंडिंग के चार महीने बाद गुड न्यूज

इसरो के लिए बड़ी सफलता; हर भारतीय को होगा गर्व

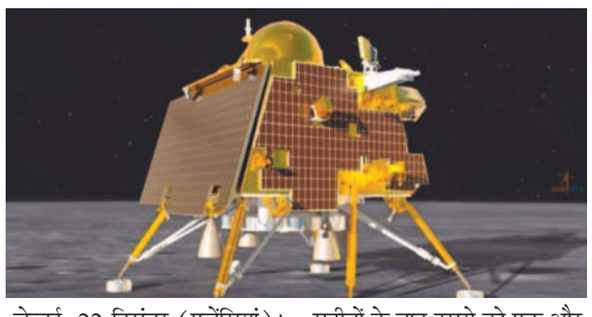

चेन्नई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के तीसरे मून मिशन चंद्रयान-3 ने चार महीने पहले चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक लैंड करके इतिहास रच दिया था। भारत दुनिया का पहला ऐसा देश बना था, जिसने अपना यान चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड करवाया हो। अब चार महीनों के बाद इसरो को एक और गुड न्यूज मिली है। दरअसल, इसरो को चंद्रयान-3 मिशन के लिए प्रतिष्ठित अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह जानने के बाद हर भारतीय जरूर गर्व महसूस करेंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को उसके सफल चंद्रयान-3 मिशन के लिए आइसलैंड के हुसाविक में स्थित 'एक्सप्लोरेशन म्यूजियम' ने '2023 लीफ एरिक्सन लूनर प्राइज' से सम्मानित किया है। रेकजाविक स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए बताया कि यह पुरस्कार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास अंतरिक्ष यान की पहली 'सॉफ्ट-लैंडिंग' और ''चंद्रमा संबंधी खोज को आगे बढ़ाने एवं आकाशीय रहस्यों को समझने में योगदान देने में इसरो के अदम्य जज्बे'' की सम्मान प्रदान करता है। इसरो के अध्यक्ष एस। सोमनाथ ने इस पुरस्कार के लिए चुने जाने पर धन्यवाद देते हुए एक वीडियो संदेश भेजा और भारत की अंतरिक्ष एजेंसी की ओर से राजदूत बी श्याम ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। 'लीफ एरिक्सन पुरस्कार' एक्सप्लोरेशन म्यूजियम द्वारा 2015 से दिया जाने वाला एक वार्षिक सम्मान है। इसका नाम खोजकर्ता लीफ एरिक्सन के नाम पर रखा गया है जिन्हें क्रिस्टोफर कोलंबस की यात्रा से लगभग चार शताब्दी पहले महाद्वीपीय अमेरिका पर पैर रखने वाला पहला यूरोपीय माना जाता है। चंद्रयान-3 चंद्रमा पर भारत का तीसरा मिशन था और यह चंद्रमा की सतह पर 'सॉफ्ट-लैंडिंग' करने का उसका दूसरा प्रयास था। इसरो 'विक्रम' लैंडर को चंद्रमा की सतह पर पहुंचाने और रोबोटिक रोवर 'प्रज्ञान' को उतारने में कामयाब रहा।

'संसद की बहस में जाति को बीच में लाना निराशाजनक'

धनखड़ की मिमिक्री मामले पर चिदंबरम का पलटवार

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद द्वारा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की नकल किए जाने के मामले में सियासत गरमा गई है। सभापति के अपमान के विरोध में भाजपा लगातार विपक्षियों पर निशाना साध रही है। हालांकि, इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने इस बात पर अफसोस जताया कि संसद में महत्वपूर्ण विषय पर हो रही बहस में जाति को बीच में लाया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि यह बेहद निराशाजनक है कि संसद में गंभीर बहस के दौरान जाति का उल्लेख किया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने लोगों से 21वीं सदी में छोटी सोच से आगे बढ़ने का आग्रह किया।

यह है मामला

गौरतलब है, 19 दिसंबर को विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस के निलंबित सांसद कल्याण बनर्जी उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल करते दिखे थे। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी बनर्जी का वीडियो बनाते दिखाई दिए थे। इस पर राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने तृणमूल सांसद की आलोचना की थी। नाराज धनखड़ ने कहा था कि यह शर्मनाक, हास्यास्पद, अस्वीकार्य है कि एक सांसद मजाक उड़ा रहा है और दूसरा सांसद उस घटना की वीडियोग्राफी कर रहा है। उन्होंने सदन में मौजूद पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम से कहा था कि आप कल्पना कीजिए कि मेरे मन में क्या चल रहा होगा यह देखकर कि जब सभापति का मजाक उड़ाया जा रहा था तो आपके नेता इसका वीडियो बना रहे थे। धनखड़ ने कहा था, 'मुझे परवाह नहीं है कि आप जगदीप धनखड़ का कितना अपमान करते हैं। पर मैं भारत के उपराष्ट्रपति, किसानों और अपने समुदाय का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकता।'

यह निराशाजनक है

इस बयान पर चिदंबरम ने कहा कि यह निराशाजनक है कि एक महत्वपूर्ण विषय पर हो रही बहस में 'जाति' को बीच में लाया जाता है। यह भी निराशाजनक है कि किसी व्यक्ति के 'जन्म स्थान' का इस्तेमाल व्यक्ति की आलोचना करने के लिए एक तर्क के रूप में किया जाता है।

मुझे याद नहीं कि किसी ने..

चिदंबरम ने कहा, 'मुझे याद नहीं कि किसी ने महात्मा गांधी या सरदार वल्लभभाई पटेल की जाति या सीएफ एंड्रयूज या एनी बेसेंट के जन्म स्थान के बारे में पूछा हो। क्या हम इन छोटी बातों से आगे बढ़ सकते हैं और 21वीं सदी में मानवता के मानदंडों और मूल्यों को अपना सकते हैं।'

संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा का बयान दर्ज

प्रल्हाद जोशी ने कहा -कानून अपना काम करेगा

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले की जांच के तहत भाजपा के लोकसभा सदस्य प्रताप सिम्हा का बयान दर्ज किया गया है। जोशी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 13 दिसंबर के सुरक्षा उल्लंघन के मामले में जांच चल रही है और रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर को जो प्रदर्शनकारी लोकसभा कक्ष में घुस गए थे और धुआं उड़ाया था, वे सिम्हा के कार्यालय द्वारा जारी किए गए पास पर संसद में दाखिल हुए थे। सिम्हा मैसूर से दो बार के लोकसभा सदस्य हैं।

बंगलुरु में हेयर ड्रायर में लगी आग, फर्नीचर जलकर खाक

बेंगलुरु, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बंगलुरु में एक पीजी मालिक ने आग लगने से फर्नीचर के नुकसान को लेकर शुक्रवार को एक सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना बेंगलुरु के इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी पुलिस स्टेशन से सामने आई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना तब हुई जब एक सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल शांभवी दफ्तर जाने की जल्दी में थी और हेअर ड्रायर से अपने बाल सुखा रही थी। बाल सुखाते समय बिजली के शॉर्ट सर्किट से हेयर ड्रायर में आग लग गई।

बंगाल में क्यों ममता से नाखुश हैं सरकारी कर्मचारी, आखिर क्या है उनकी मांग?

कोलकाता, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बराबर महंगाई भत्ता जारी करने की मांग को लेकर पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार के कर्मचारियों के एक संगठन ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय 'नबन्ना' के पास तीन दिवसीय धरना-प्रदर्शन शुरू किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार के कर्मचारियों को अगले साल जनवरी से चार प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई भत्ता (डीए) देने की घोषणा की थी। कर्मचारी संगठन 'संग्रामी जौथा मंच' के सदस्य हाथों में तख्तियां और पोस्टर लिए मुख्यमंत्री कार्यालय के पास धरने पर बैठे और उन्होंने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बराबर डीए जारी करने की मांग को लेकर नारे लगाए।

संग्रामी जौथा मंच के सदस्यों ने क्या किया दावा

संग्रामी जौथा मंच के सदस्यों ने दावा किया कि मुख्यमंत्री द्वारा राज्य सरकार के कर्मचारियों को अतिरिक्त चार प्रतिशत डीए की घोषणा के बाद भी राज्य सरकार और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के डीए के बीच 36 फीसदी अंतर रहेगा।

प्रदर्शन की मिली सशर्त अनुमति

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को संगठन को शुक्रवार से तीन दिन के लिए हावड़ा शहर में राज्य सचिवालय के पास नबन्ना बस टर्मिनल पर प्रदर्शन करने की सशर्त अनुमति दी थी। न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा ने याचिकाकर्ताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए अपने वचन का पालन करने का निर्देश दिया कि इससे यातायात में कोई व्यवधान न हो या बड़े पैमाने पर जनता को कोई असुविधा न पहुंचे। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता धरना प्रदर्शन में भाग लेने वाले व्यक्तियों की संख्या 300 तक सीमित रखने पर भी सहमत हुए हैं।अदालत ने निर्देश दिया कि हावड़ा के पुलिस आयुक्त शहर में सभी प्रदर्शनों के लिए पुलिस की वेबसाइट पर पहले से उपलब्ध प्रतिबंधों के अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के हकदार होंगे।

पंजाब के सभी स्कूलों में 24 दिसंबर से शुरू होंगी सर्दियों की छुट्टियां, 31 दिसंबर तक बंद रहेंगे स्कूल

चंडीगढ़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग की तरफ से सर्दियों की छुट्टियों का एलान कर दिया गया है। विभाग की तरफ से शुक्रवार को जारी किए गए आदेशों के अनुसार पंजाब के सभी सरकारी, प्राइवेट, एडेड और मान्यता प्राप्त स्कूलों में सर्दियों के मौसम को देखते हुए 24 दिसंबर 2023 से लेकर 31 दिसंबर 2023 तक छुट्टियां की जा रही हैं। शिक्षा विभाग की तरफ से इन आदेशों को पूर्ण रूप से लागू करवाने के लिए अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है ताकि किसी भी प्राइवेट स्कूल द्वारा इन आदेशों का उल्लंघन न किया जाए।

बीजेपी एमएलए रामदुलार गोंड की विधायकी जाना तय

हाईकोर्ट से नहीं मिली फौरी राहत, अब 25 जनवरी को सुनवाई

सोनभद्र, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। नाबालिग से रेप के मामले में दोषी करार दिए गए बीजेपी विधायक रामदुलार गोंड की याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए निचली अदालत के रिकार्ड तलब किए। कोर्ट ने यूपी सरकार व विपक्षियों से जवाब तलब भी किया। विपक्षियों को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा गया। मामले की अगली सुनवाई 25 जनवरी को होगी। विधायक रामदुलार गोंड की अर्जी पर 25 जनवरी को फ्रेश केस के तौर पर ही सुनवाई होगी। सोनभद्र की स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट के फैसले के खिलाफ विधायक रामदुलार ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की है। सजा को रद्द किए जाने की गुहार लगाई गई है। अदालत का फैसला आने तक सजा पर रोक लगाए जाने और जमानत पर जेल से रिहा किए जाने की भी अपील की गई है। सोनभद्र की स्पेशल कोर्ट ने 15 दिसंबर को विधायक रामदुलार को 25 साल की कैद और 10 लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई थी। रामदुलार गोंड सोनभद्र की दुद्धी विधानसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर विधायक चुने गए थे। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच में मामले की सुनवाई हुई। हाईकोर्ट में एमपी एमएलए कोर्ट के जज राजवीर सिंह के नहीं बैठने पर जस्टिस मयंक कुमार जैन की कोर्ट में मुकदमा ट्रांसफर हुआ था। विधायक रामदुलार के खिलाफ 2014 में रेप और पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। हाईकोर्ट से आज फौरी राहत नहीं मिलने पर अब विधायक की सदस्यता रद्द होना लगभग तय है।

ठाणे में तीन करोड़ रुपये मूल्य की एंबरग्रीस बरामद, दो लोग गिरफ्तार

ठाणे, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन करोड़ रुपये मूल्य की एंबरग्रीस बरामद की। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एंबरग्रीस व्हेल मछली की उल्टी होती है जिसका इस्तेमाल मंहगे परफ्यूम बनने में किया जाता है और इसलिए यह ऊंचे दामों में बिकती है। वागले एस्टेट पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किरनकुमार कबाड़ी ने कहा कि सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति तस्करी का कुछ सामान बेचने के लिए उनके अधिकार क्षेत्र वाले एक होटल के पास आएंगे। पुलिस ने दोनों को उक्त स्थान से पकड़ लिया और उनके पास से तीन करोड़ रुपये मूल्य की एंबरग्रीस बरामद की। ये दोनों व्यक्ति पड़ोसी तटीय रायगढ़ जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

इस साल सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुए 49 हजार से अधिक मामले

52 ,191 मामलों में सुनाया गया फैसला

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के न्याय तंत्र में 3 करोड़ से अधिक मामले फैसले का इंतजार कर रहे हैं। कई मामले तो आजादी के समय से अदालतों में दाखिल और फैसले की बाह जोट रहे हैं। भारतीय न्याय तंत्र के बारे में कहा जाता है कि एक बार आपका मामला कोर्ट-कचहरी में पहुंच गया तो आप जिन्दगी भर यहां के चक्कर लगाएंगे। हालांकि वर्तमान समय में यह तस्वीर बदलती हुई दिख रही है। इसका एक नमूना साल 2023 में देखने को मिला है। साल 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने 52,191 मामलों का निपटारा किया है, जिनमें पूर्ववर्ती राज्य जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधान खत्म करने के केंद्र के फैसले को मंजूरी देने वाली ऐतिहासिक व्यवस्था तथा समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देने से इनकार करना शामिल है। शीर्ष अदालत द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, निपटाए गए मामलों की संख्या पूरे वर्ष के दौरान इसकी रजिस्ट्री में दायर किए गए 49,191 मामलों से 3,000 अधिक रही।

साल में दर्ज मामलों से अधिक हुए निपटारे

न्यायालय की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, एक और उपलब्धि में, भारत के उच्चतम न्यायालय ने एक जनवरी, 2023 से 15 दिसंबर, 2023 तक 52,191 मामलों का निपटारा किया। इनमें 45,642 विविध मामले और लगभग 6,549 नियमित मामले शामिल हैं।'' विज्ञप्ति में कहा गया है ''वर्ष 2023 में कुल 49,191 मामले पंजीकृत हुए और 52,191 का निपटारा किया गया। इससे पता चलता है कि इस वर्ष उच्चतम न्यायालय ने 2023 के दौरान दर्ज मामलों की तुलना में अधिक मामलों का निपटान किया।''

आईसीएमआईएस से हुआ बड़ा बदलाव

वर्ष 2017 में आईसीएमआईएस (इंटीग्रेटेड केस मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम) लागू होने के बाद से, 2023 में सर्वाधिक मामलों का निपटारा किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने मामलों को दाखिल करने और सूचीबद्ध करने के लिए आवश्यक समय-सीमा को दुरुस्त किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है ''उनके कार्यकाल में, मामलों को सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया में उल्लेखनीय बदलाव आया। मामले के सत्यापन के बाद सूचीबद्ध होने तथा दाखिल करने तक का समय 10 दिन से घटाकर सात से पांच दिन कर दिया गया है।''इसमें कहा गया है ''इसके अतिरिक्त, उच्चतम न्यायालय ने मामलों की अधिक संख्या को देखते हुए विभिन्न कदम उठाए जिससे कानूनी विवादों के समाधान में तेजी आई। मामलों की विशिष्ट श्रेणियों को देखते हुए निपटारे के लिए विशेष पीठों का गठन किया गया, जिससे अधिक विशिष्ट और कुशल न्याय प्रक्रिया को बढ़ावा मिला।''

'पीएम मोदी ने राम मंदिर मामले में उत्तर प्रदेश और देश को बड़े संकट में डाल दिया'

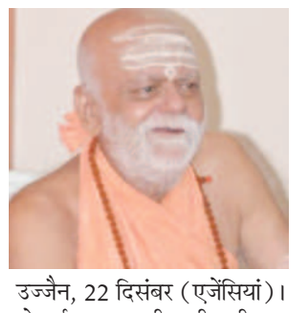

उज्जैन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। गोवर्द्धनमठ पुरी पीठाधीश्वर श्रीमदजगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानन्द सरस्वती महाराज ने धार्मिक नगरी उज्जैन में तीन दिवस के लिए धर्म सभा करने पधारे हैं। यहां उन्होंने पहले दिन कहा कि राम मंदिर निर्माण मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश को एक बड़े खतरे में डाल दिया है। क्योंकि अयोध्या में इन दिनों पूरे देश से अच्छी नंबर वन मस्जिद बनाने की तैयारी की जा रही है और ये आने वाली पीढ़ी के लिए बहुत बड़ा खतरा साबित होगी। पुरी शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती जी प्रश्नोत्तरी के माध्यम से धर्म चर्चा कर रहे थे। राम मंदिर निर्माण के परिणाम के पर एक सवाल का जबाव देते हुए शंकराचार्य जी ने कहा, कोर्ट ने ये कैसा न्याय किया कि आपका अधिकार तो नहीं बनता। लेकिन उपहार स्वरुप मस्जिद निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन दे रहे हैं। यह शब्द न्यायालय के नहीं, लेकिन राजनीति की भाषा जरूर हो सकती है। शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर मौके का श्रेय प्राप्त करने में माहिर हैं। राम मंदिर मामले में भी श्रेय लेने की जल्दबाजी में गलत निर्णय हुआ। सरकार ने मस्जिद बनाने की बात कहकर मामला और उलझाया है। मुस्लिम पक्ष ने धैर्य रखा, चुप रहकर मंदिर निर्माण का नक्शा व अन्य जानकारी लेने के बाद देश की सबसे बड़ी मस्जिद बनाने की तैयारी कर ली है। अब वे आसपास और जमीनें खरीद रहे हैं और बड़े स्तर पर मस्जिद निर्माण की तैयारी कर रहे हैं। कुटनीतिक मामले में मुस्लिमों से नेहरु से लेकर मोदी जी तक पछाड़ खा गए। शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद जी ने कहा, तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव भी इस समस्या का हल मंदिर-मस्जिद अलग-अलग कर निकाल चुके थे। उन्होंने इस तरह के समझौते पर उनके हस्ताक्षर के प्रयास भी किए थे। लेकिन उन्होंने हस्ताक्षर से इनकार कर दिया था कि ये न्याय नहीं है। पहले ये सरकारी स्तर पर हो रहा था, अब इसे न्यायालीन रूप में लाया गया है। लेकिन इस फैसले ने न सिर्फ उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश को एक बड़े संकट में डाल दिया है।

मुंबई में पॉलीकैब इंडिया से जुड़े 50 ठिकानों पर आयकर विभाग ने मारे छापे

मुंबई, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने जांच शाखा ने शुक्रवार को मुंबई में पॉलीकैब इंडिया से जुड़े लगभग 50 ठिकानों पर तलाशी ली। जानकारी के अनुसार, फर्म से जुड़े शीर्ष प्रबंधन के आवासों और कार्यालयों पर भी छापेमारी की जा रही है। पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड देश में तारों और केबलों का सबसे बड़ा निर्माता है। कंपनी का व्यवसाय संचालन पूरे भारत में होते है। उनके देश के कई शहरों में 15 से अधिक ऑफिस हैं और बहुत सारी जगहों पर उन्होंने गोदाम बना रखा है। आयकर विभाग के छापे के पीछे की वजह क्या है इसके बारे में अभी पता नहीं चल सका है। सितंबर में कंपनी का मुनाफा 59 फीसदी बढ़कर 426 करोड़ रुपये हो गया। 11 दिसंबर को, पॉलीकैब का बाजार पूंजीकरण हैवेल्स इंडिया को पीछे छोड़ते हुए 85,000 करोड़ रुपये के करीब था। वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में पॉलीकैब का एबिटा मार्जिन सालाना आधार पर 43 प्रतिशत बढ़कर 608।9 करोड़ रुपये हो गया था और एबिटा मार्जिन सालाना आधार पर 160 बीपीएस सुधरकर 14।4 प्रतिशत हो गया था। शेयर बाजार को देखें तो जैसे ही यह खबर आम हुई कि आयकर विभाग ने पॉलीकैब के 50 ठिकानों पर छापा मारा है तो उसके शेयर अचानक नीचे गिरने शुरू हो गये।

पॉलीकैब इंडिया तारों और केबलों और फास्ट मूविंग इलेक्ट्रिकल सामान (एफएमईजी) को बनाकर बेचने का काम करती है। पॉलीकैब इंडिया के मुनाफे को देखते हुए जब उनसे इसके पीछे की वजह जानी गई तो उन्होंने इसका श्रेय अपने प्रोडक्ट्स को दिया। उनका कहना है कि उन्होंने बाजार में बेहतरीन प्रॉडक्ट लॉन्च किये हैं जो काफी किफायती और टिकाऊ हैं। जिसके कारण बाजार में उसकी मांग काफी ज्यादा है।

'रिपीट ऑफ पुलवामा, वोट मांगने की राजनीति'

कश्मीर में जवानों की शहादत पर संजय राउत ने उठाए सवाल

पुंछ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकी हमले में चार जवानों की शहादत पर विपक्ष हमलावर हो गया है। शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत ने आरोप लगाया है कि जवानों पर हमले की भनक तक सरकार को नहीं लग रही है। उन्होंने इस घटना को रिपीट ऑफ पुलवामा करार दिया है। शुक्रवार (22 दिसंबर) को संजय राउत ने कहा, कश्मीर में हमारे जवानों पर हमला हो रहा है। सरकार को खबर भी नहीं है।

क्या सरकार पुलवामा जैसी घटना पर फिर वोट मांगना चाहती है?

संजय राउत ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार आतंकी हमले की घटनाओं पर वोट बटोरना चाहती है। उन्होंने कहा है, पूंछ में जो हमला हुआ है वह रिपीट आफ पुलवामा है। क्या सरकार फिर पुलवामा जैसे घटना पर वोट मांगना चाहती है। अगर आपने 370 को हटाया है तो देखिये क्या हो रहा है। आप देखिये दो महीने में कितने जवानों की शहादत हुई, सरकार क्या कर रही है?

सवाल करेंगे तो देश से निकाल देंगे

केंद्र सरकार पर विपक्षी सांसदों के निलंबन का आधार बनाकर भी संजय राउत ने हमला बोला। उन्होंने आतंकी हमले को भी उसी से जोड़ते हुए कहा है, हम पूंछ के बारे में सवाल करेंगें तो हमें देश से निकाला जायेगा।

दिल्ली में होगा महाराष्ट्र की सीट शेयरिंग पर फैसला

इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के बीच तकरार को लेकर भी उन्होंने महत्वपूर्ण टिप्पणी की। खासतौर पर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में विवाद को लेकर कहा, बहन जी के बारे में इंडिया एलायंस में चर्चा हुई है। सपा और बसपा में विवाद है। यूपी में हम सबको साथ लड़ना चाहिये तो नतीजे कुछ और होंगे। महाराष्ट्र के बारे में रुख स्पष्ट करते हुए संजय ने कहा, महाराष्ट्र का शीट शेयरिंग दिल्ली में होगा और दो घंटे में पूरा हो जाएगा। लगभग सीट शेयरिंग की बात बन चुकी है।

कुछ ही दिनों में शहीद हुए हैं 19 सुरक्षाकर्मी

आपको बता दें कि आतंकवादियों द्वारा सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर किए गए हमले में चार सैनिक शहीद हो गए और तीन अन्य घायल हो गए। राजौरी, पुंछ और रियासी जिलों में इस साल मुठभेड़ों में अब तक 19 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए हैं और 28 आतंकवादी मारे गए हैं। इन मुठभेड़ों में कुल 54 लोग मारे गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले अक्टूबर 2021 में वन क्षेत्र में आतंकवादियों के दो अलग-अलग हमलों में नौ सैनिक शहीद हो गए थे। चमरेर में 11 अक्टूबर को एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) सहित पांच सैन्यकर्मी शहीद हुए थे, जबकि 14 अक्टूबर को एक निकटवर्ती जंगल में एक जेसीओ और तीन सैनिकों ने जान गंवाई थी।

यह कैसी नसबंदी है भाई फिर गर्भवती हो गई महिला

हाईकोर्ट ने गर्भपात के लिए दिए मेडिकल टेस्ट के आदेश

जबलपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में बालाघाट जिला निवासी आदिवासी महिला ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर गर्भपात की अनुमति मांगी है। याचिका में कहा गया था कि नसबंदी के बावजूद भी वह गर्भवती हो गई है। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट जस्टिस विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने गर्भपात जांच के लिए मेडिकल हॉस्पिटल जबलपुर में डॉक्टरों की कमेटी गठित करने के आदेश जारी किए हैं। याचिकाकर्ता महिला की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि शासन की योजना के तहत उसने स्वेच्छा से नसबंदी करवाई थी। नसबंदी के बावजूद भी वह गर्भवती हो गई। उसके गर्भ में लगभग पांच महीने का भ्रूण है। याचिका में कहा, पूर्व में उसके दो बच्चे हैं। तीसरी संतान उत्पन्न होने के कारण वह सरकारी की विभिन्न योजनाओं का लाभ पाने से वंचित हो जाएगी। नसबंदी होने के बाद भी वह गर्भवती हुई है। याचिका में कहा गया था कि मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के तहत वह गर्भपात नहीं करवा सकती है। क्योंकि उसके गर्भ में 24 सप्ताह से अधिक का भ्रूण है। याचिका में राहत चाही गई थी कि उसे गर्भपात की अनुमति प्रदान की जाए। गर्भपात की अनुमति नहीं मिलने की स्थिति में तीसरी संतान होने के कारण उसे सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जाए। नसबंदी फेल होने के कारण उत्पन्न संतान की जिम्मेदारी का निर्धारण किया जाए।

याचिका की सुनवाई के बाद एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि गर्भपात के लिए महिला की मेडिकल जांच करवाई जाए। मेडिकल अस्पताल जबलपुर के डीन महिला की जांच के लिए विशेष डॉक्टरों की समित गठित करें। याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता हैरी बमोरिया ने पैरवी की।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

प्रत्येक कार्य अपने समय पर होता है, जैसे पौधों में फूल और फल अपने समय पर आते हैं !

दक्षिण मध्य रेलवे के पास समर्पित कार्यबल : अरुण कुमार जैन

77 कर्मचारियों व अधिकारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार * 36 प्रदर्शन दक्षता शील्ड प्रभागों और विभागों को प्रदान की गईं

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने शुक्रवार को रेल निलयम ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में 68 वां रेलवे सप्ताह मनाया। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे और उन्होंने कार्यक्रम के दौरान मंडलों और विभागों को क्षेत्रीय दक्षता शील्ड और अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यक्तिगत विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर आर. धनंजयुलु, अतिरिक्त महाप्रबंधक, अरविंद मालखेड़े, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, ए. श्रीधर, उप महाप्रबंधक, प्रमुख विभागों के प्रमुख, मंडल रेल प्रबंधक, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए अरुण कुमार जैन ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनके समर्पण और सराहनीय प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022-23 एससीआर के इतिहास में महत्वपूर्ण वर्षों में से एक रहा है, जिसमें क्षेत्र ने नए मील के पत्थर हासिल किए हैं और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित किए हैं। कुछ उपलब्धियों के बारे में साझा करते हुए, महाप्रबंधक ने कहा कि एससीआर ने अपने रेल नेटवर्क में 383.85 किलोमीटर का चौंका देने वाला ट्रैक जोड़ा है, जिससे कई नए क्षेत्रों को पहली बार रेल कनेक्टिविटी प्रदान की गई है। उन्होंने कहा, 'मिशन विद्युतीकरण' को प्राप्त करने की दिशा में, ज़ोन ने 2022-23 के दौरान रिकॉर्ड 1,017 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया, जो एससीआर के इतिहास में किसी एकल वित्तीय में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि है। उन्होंने कहा कि ज़ोन ने अपने नेटवर्क पर क्षमता बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि जोन में स्वर्णिम चतुर्भुज स्वर्ण विकर्ण के साथ-साथ उच्च घनत्व वाले सभी मार्गों पर अधिकतम गति 130 किमी प्रति घंटे तक बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, ज़ोन प्रमुख यार्डों को संशोधित करके, इंटरमीडिएट सिग्नल बनाकर, लंबे लूप चालू करके और स्थायी गति प्रतिबंधों को हटाकर अपने नेटवर्क पर भीड़भाड़ को लगातार कम कर रहा है। इसके अलावा, जनरल ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान एससीआर की कमाई रुपये तक पहुंच गई है। 21,635.49, 131.854 मिलियन टन का अपना सर्वश्रेष्ठ माल लदान और 13,051.09 करोड़ रुपये का आरंभिक माल राजस्व हासिल किया है। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने कहा कि सुरक्षा और सुरक्षा पर एससीआर का ध्यान 80 मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग को खत्म करने, 78 आरयूबी व सीमित ऊंचाई वाले सबवे के निर्माण और 449 किलोमीटर के ट्रैक नवीनीकरण कार्यों को पूरा करने में स्पष्ट है। उन्होंने कहा, हमारे आरपीएफ कर्मियों ने रेल यात्रियों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वर्ष के दौरान कई अभियान चलाए, जिनमें लगभग 1,200 भागे हुए और बेसहारा बच्चों को बचाना भी उल्लेखनीय है। विकास के मोर्चे पर, महाप्रबंधक ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के हिस्से के रूप में, पूरे क्षेत्र में 119 रेलवे स्टेशनों का लगभग रु। की अनुमानित लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। 7,000 करोड़. इन स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं, सौंदर्यपूर्ण आंतरिक सज्जा, सुदर अग्रभाग और हमारे नए युग के रेल यात्रियों की आकांक्षाओं के अनुरूप कई सुविधाएं होंगी।

सिकंदराबाद और विजयवाड़ा डिवीजनों को दिया शील्ड

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएम की सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन दक्षता शील्ड संयुक्त रूप से सिकंदराबाद और विजयवाड़ा डिवीजनों को प्रदान की गई। अरुण कुमार जैन द्वारा संयुक्त रूप से सिकंदराबाद और विजयवाड़ा डिवीजनों को महाप्रबंधक की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शील्ड प्रदान की गई। शील्ड भरतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल और ए. नरेंद्र पाटिल, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल ने प्राप्त की। महाप्रबंधक ने ज़ोन के विभिन्न प्रभागों और कार्यशालाओं को अन्य 35 ज़ोनल स्तरीय दक्षता शील्ड भी प्रदान कीं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है। सिकंदराबाद मंडल: संचालन और रनिंग रूम के लिए जीएम की शील्ड प्राप्त हुई, ट्रैक मशीनों का सर्वोत्तम उपयोग (संयुक्त रूप से), सर्वश्रेष्ठ ट्रैक शील्ड (संयुक्त रूप से), सिविल इंजीनियरिंग शील्ड, पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग शील्ड, मैकेनिकल शील्ड (संयुक्त रूप से), शिकायत निवारण मशीनरी शील्ड; एचआरडी (कार्मिक) शील्ड, हिंदी (राजबाशा) शील्ड, सर्वोत्तम रखरखाव वाली एमआरवी शील्ड (संयुक्त रूप से) और स्क्रैप डिस्पोजल शील्ड। हैदराबाद डिवीजन इलेक्ट्रिकल जनरल सर्विसेज शील्ड प्राप्त हुई, लेवल क्रॉसिंग के उन्मूलन के लिए सर्वोत्तम प्रभाग, सर्वोत्तम विद्यालय, सर्वश्रेष्ठ डिवीजन और इनोवेशन शील्ड के लिए रेल मदद शील्ड। विजयवाड़ा मंडल वित्त शील्ड प्राप्त, वाणिज्यिक शील्ड, सर्वश्रेष्ठ डीजल व इलेक्ट्रिक लोको शेड (संयुक्त रूप से), वर्क्स शील्ड, ब्रिजेज शील्ड, सर्वोत्तम रखरखाव वाला डेमू, मेमू, ईएमयू शेड, मैकेनिकल शील्ड (संयुक्त रूप से), सर्वोत्तम लोडिंग प्रयास शील्ड, ऑपरेटिंग शील्ड और सिग्नल एवं दूरसंचार शील्ड। गुंतकल मंडल: स्वच्छता (स्टेशन) के लिए महाप्रबंधक की शील्ड प्राप्त हुई; सर्वश्रेष्ठ डीजल/इलेक्ट्रिक लोको शेड (संयुक्त रूप से), ट्रैक मशीनों का सर्वोत्तम उपयोग (संयुक्त रूप से), सर्वश्रेष्ठ ट्रैक शील्ड (संयुक्त रूप से), सर्वोत्तम रखरखाव वाली लंबी दूरी की ट्रेन और सर्वश्रेष्ठ रखरखाव वाली एआरटी शील्ड। गुटूर डिवीजन: ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन शील्ड प्राप्त हुई; सुरक्षा शील्ड और सर्वोत्तम रखरखाव वाली एमआरवी शील्ड (संयुक्त रूप से)। सेंट्रल हॉस्पिटल, लालागुड़ा: मेडिकल शील्ड प्राप्त हुई। मैकेनिकल - वर्कशॉप शील्ड - तिरूपति कैरिज रिपेयर शॉप बेस्ट स्टोर्स डिपो शील्ड- मैकेनिकल और जनरल स्टोर्स, रायनपाडु और जनरल एंड सिग्नल डिपो, मेट्टुगुडा (संयुक्त रूप से)। सर्वेक्षण और निर्माण शील्ड -डिप्टी सीई/निर्माण/काजीपेट 68 वें रेलवे सप्ताह समारोह के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके सराहनीय योगदान के लिए 77 व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए गए।

ध्यान भटकाने वाला गिरोह का खुलासा, तीन गिरफ्तार

गिरोह में निलंबित वन अधिकारी भी शामिल

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने एलबी नगर पुलिस के साथ मिलकर डुप्लिकेट करेंसी नोटों (मनोरंजन बैंक नोट) को असली नोटों से बदलने के बहाने लोगों का ध्यान भटकाकर उन्हें धोखा देने के आरोप में तीन सदस्यीय गिरोह को पकड़ा। अधिकारियों ने 500 मूल्यवर्ग के मूल करेंसी नोट जब्त किए। 60 लाख रुपये मूल्य के नकली नोट और अन्य सामग्री गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में आदिलाबाद जिले के एक निलंबित वन अधिकारी मोहम्मद बहाउद्दीन उर्फ जावेद (53), निज़ामाबाद जिले के एक टैक्सी चालक जंपानी एंडरसन (37) और एम.किशन (27) निर्मल जिले का एक टैक्सी ड्राइवर शामिल है। राचकोंडा की सीपी जी. सुधीर बाबू के अनुसार बहाउद्दीन को 2014 में सेवा से निलंबित कर दिया गया था, एक रियाल्टार बन गया और अन्य संदिग्धों के सहयोग से लोगों का ध्यान भटकाकर उन्हें धोखा दे रहा है। गिरोह ने भोले-भाले लोगों की पहचान की, उन्हें यह कहकर लालच दिया कि वे असली मुद्रा के बदले 1:3 के अनुपात में नकली मुद्रा नोट उपलब्ध कराएंगे। बाद में, गिरोह के सदस्यों में से एक खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उस परिसर पर छापा मारता है जहां विनिमय किया जाता है और नकदी ले जाता है। गुरुवार को तीनों ने बेगम बाजार की एक दुकान से नकली नोट खरीदे और एक निर्दोष व्यक्ति को फंसा लिया। इन्हें एलबी नगर में वाहन चेकिंग के दौरान पकड़ा गया। बहाउद्दीन पहले तेलंगाना और महाराष्ट्र में इसी तरह के मामलों में शामिल था।

सीईओ ने मतदान में जागरूकता लाने वाले विजेताओं को पुरस्कार दिया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोकतंत्र के मूल्य और मतदान में भाग लेने के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के एक हिस्से के रूप में, सीईओ, तेलंगाना कई कार्यक्रम आयोजित किया। इन्हीं में से एक क्रिएटॉन के तहत छात्रों और जनता के अन्य वर्गों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन करना था। विकास राज, सीईओ और सुश्री मनीषा साबू, अध्यक्ष, एचवाईएसईए ने शुक्रवार को सीईओ के कार्यालय में आयोजित एक बैठक में विजेताओं को चेक प्रदान किए। 12 विजेताओं को चेक प्रदान किए गए, जिनमें से 4 ने प्रथम पुरस्कार जीता, प्रत्येक को 20,000 रुपये मिले और 8 को दूसरा पुरस्कार मिला, जिनमें से प्रत्येक को 10,000 रुपये मिले। क्रिएटॉन-2 द्वारा स्वीप के तहत पिछले अक्टूबर में दो चरणों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। पहले चरण का उद्देश्य पात्र मतदान करने वाली आबादी को बड़ी संख्या में अपने नाम और विवरण दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित करना था, जबकि दूसरे चरण का उद्देश्य उन्हें मतदान के दिन बिना चूके अपने वोट का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इनका संचालन सीईओ और एचवाईएसईए द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। (वीडियो) श्रेणी में, एम.ए.जवाद, वदई विजय, राकेश कोनपाकला, ओमर उस्मान अली, श्रीरामुला भवानी और वामशी मुथ्यापु ने जीत हासिल की और इन्फो-ग्राफिक श्रेणी में, संदीप जक्कुला, वड्डेपल्ली वेंकटेश, वाजिद उल्लाह खान, शिरिषा, डेंचनाला अरुण और मल्लेश ने जीत हासिल की। यासरला ने फोटो श्रेणी के लिए 459 प्रविष्टियों और वीडियो श्रेणी के लिए 132 प्रविष्टियों में से पुरस्कार जीते। शेषा राव, कार्यकारी निदेशक, सुश्री नीरजा, निदेशक, सुश्री शांति, एसोसिएट निदेशक और सुश्री राधिका, सहायक एचवाईएसईए से प्रबंधक, टीएसवी रमन, सीईओ और कोड तंत्रा से सोनू सिंह टीम लीड, श्रीकांत सिन्हा, टीएसके से सीईओ, सरफराज अहमद, संयुक्त सीईओ कार्यालय से सीईओ आज की क्रिएटॉन-2 बैठक में शामिल हुए।

बहुमंजिला इमारत में आग लगी, पुलिस ने बचाई परिवार की जान

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल की समय पर प्रतिक्रिया और सतर्कता ने शुक्रवार को पंजागुट्टा में एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने से एक परिवार की जान बचा ली। सूत्र ने बताया कि यह घटना तब हुई जब अपार्टमेंट परिसर की छठी मंजिल पर एक पेंट हाउस में आग लग गई। कम से कम छह लोगों का परिवार आग में फंस गया था और पड़ोसी उनकी मदद करने की कोशिश कर रहे थे। हैदराबाद पुलिस की समय पर प्रतिक्रिया से 16 लोगों की जान

बच गई। सूचना मिलने पर पंजागुट्टा ट्रैफिक पुलिस के एक कांस्टेबल श्रवण कुमार और अन्य लोग मौके पर पहुंचे और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है।

सीपीएम भाजपा सरकार की तानाशाही कार्रवाइयों से नाराज

सूर्यापेट, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम जिला सचिव मल्लू नागार्जुन रेड्डी, जिला कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता चाकिलम राजेश्वर राव, सीपीआई जिला सचिव बेजवाड़ा वेंकटेश्वरलू, सीपीआई-एमएल न्यू डेमोक्रेसी जिला सचिव मंदारी डेविड कुमार, सीपीआई-एमएल प्रजा पांडा जिला नेता पेरला नागय्या कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने सांसदों को निलंबित कर तानाशाहीपूर्ण कार्रवाई की है। समिति के जिला अध्यक्ष गटला रामाशंकर और दलित महासभा के राज्य नेता नराबोइना वेंकट यादव ने उन पर आरोप लगाया है। शुक्रवार को इंडिया अलायंस के आह्वान के तहत कांग्रेस, सीपीएम, सीपीआई, न्यू डेमोक्रेसी, प्रजापंडा, तेलंगाना जन समिति और दलित महासभा ने सूर्यापेट जिले में नए बस स्टैंड के पास विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र का पुतला जलाया। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने संसद में हाल ही में हुई धुआं बम घटना पर व्यापक चर्चा की मांग की। हमले के दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि जब संसद ही सुरक्षित नहीं रहेगी तो आम लोगों की सुरक्षा कैसे होगी. उन्होंने भाजपा सरकार पर स्वस्थ जवाब दिए बिना विपक्षी दलों को चुप कराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बीजेपी के रवैये पर सवाल उठा रहे 146 सांसदों के निलंबन की सभी पार्टियों ने कड़ी निंदा की. उन्होंने कहा कि संसद में भाजपा के अत्याचारपूर्ण व्यवहार के खिलाफ पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहा है, जैसा देश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। यह निश्चित है कि अपने हठधर्मी और जनविरोधी प्रशासन को जारी रखने वाली भाजपा सरकार आगामी संसदीय चुनावों में सत्ता से बाहर हो जायेगी।

केटीआर आज सरकार के श्वेत पत्रों पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देंगे

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री के तारक रामाराव राज्य सरकार द्वारा जारी श्वेत पत्रों पर एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देंगे। केटीआर ने अपने ट्विटर अकाउंट पर कहा कि बीआरएस पार्टी के शासन के तहत तेलंगाना राज्य सभी क्षेत्रों में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि पल्ले प्रगति से लेकर टीएस आईपीएएसएस तक हर योजना ने लोगों को कई विकास और कल्याणकारी लाभ प्रदान किए हैं। उन्होंने कहा कि कई विकास परियोजनाओं ने गांवों और कस्बों का चेहरा बदल दिया है और कहा कि कई कल्याणकारी योजनाओं से नवजात शिशु से लेकर बुजुर्गों तक को काफी फायदा हुआ है।

केटीआर ने ट्विटर पर घोषणा की कि वह शनिवार सुबह 11 बजे तेलंगाना भवन में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देंगे। केटीआर ने एक ट्वीट में कहा, ''हमने बिना किसी भेदभाव के दिन-रात पसीना बहाकर तेलंगाना का निर्माण किया है। अगर तेलंगाना की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया गया, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'' उन्होंने चेतावनी दी कि वह किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेंगे। तेलंगाना को एक विफल राज्य के रूप में दिखाने के लिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि राज्य, जो सभी क्षेत्रों में सबसे आगे है, को नजरअंदाज किया गया, तो इसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे तेलंगाना का चेहरा बताएंगे। केटीआर ने कहा राज्य द्वारा बनाई गई संपत्ति का अनावरण उनके द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की साढ़े नौ साल की प्रगति देश के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय है।

कांग्रेस सरकार भविष्य की योजनाओं पर श्वेत पत्र जारी करें : बीआरएस

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता डॉ दासोजू श्रवण ने शुक्रवार को मांग की कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी तेलंगाना राज्य और उसके समुदायों के कल्याण के लिए भविष्य की विकास योजनाओं की रूपरेखा बताते हुए एक श्वेत पत्र जारी करें। मुख्यमंत्री को लिखे एक खुले पत्र में, डॉ. श्रवण ने पिछली बीआरएस सरकार को बदनाम करने के उद्देश्य से श्वेत पत्र जारी करने के लिए विधानसभा सत्रों पर करोड़ों रुपये खर्च करने की आवश्यकता पर सवाल उठाया। यदि श्वेत पत्र जारी करने के पीछे कांग्रेस सरकार की मंशा लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना थी, तो प्रेस कॉन्फ्रेंस और प्रासंगिक दस्तावेजों को जारी करने से सार्वजनिक जागरूकता का समान स्तर हासिल किया जा सकता था।

कार-ऑटो की टक्कर में चार की मौत

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रकाशम जिले में शुक्रवार को कार-ऑटो की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान माबू, अभिनय (10), वेंकटेश्वरलु, नागेश्वर के रूप में हुई है। घायल को इलाज के लिए मार्कापुरम सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

एमएलसी कविता ने सिंगरेणी कार्यकर्ताओं से टीबीजीकेएस के लिए वोट करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कोयला खदान श्रमिक संघ (टीबीजीकेएस) सिंगरेनी मान्यता समिति का चुनाव लड़ेगा। संघ की मानद अध्यक्ष और एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने शुक्रवार को एक बयान में कहा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने स्वाभिमान के बारे में सोचें और टीबीजीकेएस एसोसिएशन को वोट दें। उन्होंने याद दिलाया कि केसीआर सरकार ने सिंगारेनिन के विकास और कंपनी को लाभदायक बनाने और श्रमिकों के कल्याण के लिए अथक प्रयास किया था। उन्होंने दोहराया कि केसीआर ने सिंगरेनी कंपनी की रक्षा की है और कहा कि टीबीजीकेएस ने श्रमिकों के अधिकारों को सुरक्षित किया है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से टीबीजीकेएस के चुनाव चिह्न तीर पर वोट कर भारी बहुमत से जीत सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान, केसीआर ने लगभग 20,000 आश्रितों को नौकरियां दीं और युवाओं को रोजगार प्रदान किया। उन्होंने कहा, "केसीआर को अनुकपा नियुक्तियों के माध्यम से सिंगरेनी में महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने का श्रेय दिया जाता है, जो कोल इंडिया में भी उपलब्ध नहीं हैं।" "तेलंगाना के गठन के समय, मुनाफे में श्रमिकों की हिस्सेदारी केवल 18 प्रतिशत थी, जिसे बीआरएस प्रमुख केसीआर ने बढ़ाकर 32 प्रतिशत कर दिया, जिससे श्रमिकों के परिवारों को महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ मिला है।

इसके अलावा, श्रमिकों के माता-पिता को कॉर्पोरेट अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्रदान की गई है और जो अपना घर बना रहे हैं उन्हें 10 लाख रुपये दिए गए हैं। कविता ने बताया कि केसीआर ने संस्थान को 10 लाख रुपये तक के ऋण पर ब्याज का भुगतान स्वयं करने और आईआईटी और आईआईएम जैसे संस्थानों में पढ़ने वाले श्रमिकों के बच्चों के लिए शुल्क प्रतिपूर्ति लागू करने जैसे क्रांतिकारी श्रमिक कल्याण निर्णय लिए थे। उन्होंने बीआरएस पार्टी के सहयोगी संगठन टीबीजीकेएस, जिसने श्रमिकों के लिए अभूतपूर्व कल्याण कार्यक्रम चलाकर सिंगरेनी को कठिनाइयों से बचाया है, को भारी बहुमत से चुनाव जीतने का आह्वान किया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि यदि टीबीकेएस जीतता है, तभी श्रमिकों को न्याय मिलेगा और उन्होंने कहा कि टीबीजीकेएस एकमात्र संगठन है जो श्रमिकों के पक्ष में खड़ा है। उन्होंने कहा कि वे समुदाय के नेतृत्व की जिम्मेदारियों में युवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। कविता ने कहा कि उन्होंने पिछले दस वर्षों में एक भी हड़ताल किए बिना सभी कार्यों और मांगों को पूरा किया है।

ख्वाजागुड़ा लेक रोड पर भीषण दुर्घटना, एक की मौत

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को रायदुर्गम में खाजागुडा लेक रोड पर एक कार के अनियंत्रित होकर सड़क के मध्य भाग में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण यह दुर्घटना हुई। अभी तक पहचान नहीं हो पाई है कि दुर्घटना के समय पीड़ित और घायल सभी युवा रायदुर्गम की ओर जा रहे थे। पुलिस को संदेह है कि ड्राइवर काफी तेजी से गाड़ी चला रहा था। उसने स्टीयरिंग व्हील से नियंत्रण खो दिया और सड़क के मध्य में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसी गति के साथ, कार सड़क के मध्य भाग पर उछल गई और पलटने से पहले एक स्ट्रीट लैंप पोल से टकरा गई। ड्राइवर को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एक अधिकारी ने कहा कि तीन अन्य लोगों को गंभीर चोटें आईं और उनका इलाज किया जा रहा है। रायदुर्गम पुलिस जांच कर रही है।

प्रजावाणी में दो हजार से अधिक आवेदन

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को महात्मा ज्योतिबा पूले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में 2202 आवेदन प्राप्त हुए। प्रजा भवन के अधिकारियों ने बताया कि आज आयोजित अधिकांश प्रजा वाणी में 40 प्रतिशत डबल बेडरूम, 30 प्रतिशत पेंशन से संबंधित थे, जबकि बाकी नौकरियों और राजस्व समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन थे।

हत्या के मामले में किशोर सहित सात लोग गिरफ्तार

आरोपियों के पास से चार चाकू, तीन वाहन व चार मोबाइल फोन जब्त

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईएस सदन पुलिस ने इस सप्ताह की शुरुआत में ईदी बाज़ार में एक रियाल्टार मोहम्मद तारिक (39) की हत्या के मामले को सुलझाया और शुक्रवार को इस संबंध में एक किशोर सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि पिछली दुश्मनी के कारण हत्या हुई। अधिकारियों ने उनके पास से चार चाकू, तीन स्कूटर और चार मोबाइल फोन जब्त किए। गिरफ्तार किए गए लोगों में संतोषनगर से मोहम्मद मजहर, मदन्नापेट से शेख मुजम्मिल, ईदी बाजार से कलीम खान, मदन्नापेट से मोहम्मद अफरोज सिद्दीकी, संतोषनगर से खालिद उस्मान अंसारी, याकूतपुरा से मोहम्मद आमेर, विकाराबाद से अब्दुल आमेर और 17 वर्षीय एक किशोर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, मजहर अवैध सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) चावल का कारोबार करता है। उसने नशे की हालत में आरिफ नामक व्यक्ति पर हमला किया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। तब तारिक अली ने हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का आश्वासन दिया और आरिफ को देने के लिए मजहर से दो लाख रुपये ले लिए। हालांकि, उसने पैसे का इस्तेमाल अपने निजी खर्चों के लिए किया और जब मजहर ने तारिक पर पैसे वापस करने के लिए दबाव बनाना शुरू किया, तो तारिक ने फर्जी मामले डालने की धमकी देना शुरू कर दिया। इससे मजहर नाराज हो गया, जिसने तारिक को खत्म करने का फैसला किया। मंगलवार को ईदी बाजार के रामचन्द्र नगर में हमलावरों ने तारिक पर चाकुओं से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। किशोर ने साक्ष्य मिटाने में मदद की।

CLASSIFIEDS

OPEN PLOT FOR SALE

200 Square yards, Relaxing Real Estate, Medchal, Opp: KLR Venture, Hyderabad, T.S. Contact: 7013850313, 9390177380.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

हैदराबाद डिवीजन में वाणिज्यिक संविदाओं के प्रति ई-नीलामी सूचना -प्रकाशित करने का अनुरोध

PUBI1384

हैदराबाद डिवीजन ने वाणिज्यिक आय संविदाओं तथा एनएफआर संविदाओं के प्रति ई-नीलामी लागू की है। तदनुसार, एचवायबी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है।

क्रम सं.	श्रेणी	कैटलाग नं.	कार्य विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी शुरू समय	नीलामी बंद समय
1.	छिटपुट स्टेटिक सेवाएं	एमएसएस-एचवायबी-एचपीजी-बीएस-29-23-1(छिटपुट स्टेटिक सेवाएं, बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन्स)	हुप्पुगुडा पर बैटरी स्वैप्पिंग पाइन्ट स्टेशन	दि. 08.01.2024	समय 11.30 बजे	समय 12.00 बजे
2.		एमएसएस-एचवायबी-वायकेए-बीएस-29-23-1(छिटपुट स्टेटिक सेवाएं, बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन्स)	याकुतपूरा पर बैटरी स्वैप्पिंग पाइन्ट स्टेशन			
3.		एमएसएस-एचवायबी-डीक्यूआर-बीएस-29-23-1(छिटपुट स्टेटिक सेवाएं, बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन्स)	डबीरपूरा पर बैटरी स्वैप्पिंग पाइन्ट स्टेशन			
4.		एमएसएस-एचवायबी-एफएम-बीएस-29-23-1(छिटपुट स्टेटिक सेवाएं, बैटरी स्वैप्पिंग स्टेशन्स)	फलकनुमा पर बैटरी स्वैप्पिंग पाइन्ट स्टेशन			

A1905 वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

गेल (इंडिया) लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

निविदा आमंत्रण सूचना

(खुली घरेलू प्रतिस्पर्धी बोली)

गेल (इंडिया) लिमिटेड स्वयं द्वारा उत्पादित और/या विपणन किए गए पॉलिमर उत्पादों के लिए बद्दी, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंदौर, मुंबई, पानीपत, रायपुर और राजकोट में कंसाइनमेंट स्टॉकिस्टों की नियुक्ति के लिए नीचे दिए गए विवरण के अनुसार योग्य बोलीदाताओं से बोलियां आमंत्रित करता है :

निविदा सं.	निविदा दस्तावेज वेबसाइट पर उपलब्ध होने की तिथि	प्री बिड मीटिंग की तिथि	बोली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय
गेल/नोएडा/पीएमजी/सीएस नियुक्ति/फेस-6/2023-24	26.12.2023	05.01.2024 1100 बजे (IST)	25.01.2024 को 1400 बजे तक (IST)

अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी निविदा वेबसाइट (www.gailtenders.in) और सरकार की वेबसाइट (http://eprocure.gov.in) पर जाएँ। उपरोक्त निविदा में कोई भी संशोधन, स्पष्टीकरण, परिशिष्ट, शुद्धिपत्र, समय-सीमा में बढ़ोतरी आदि केवल वेबसाइट www.gailtenders.in पर होस्ट किया जाएगा और प्रेस में अलग से कोई अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाएँ।

किसी भी प्रश्न के लिए, बोलीदाता श्री पंकज कुमार श्रीवास्तव, उप. महाप्रबंधक (विपणन – पीसी) गेल (इंडिया) लिमिटेड, 10वीं मंजिल, जुबली टॉवर्स, प्लॉट नंबर बी-35-36, सेक्टर – 1, नोएडा – 201301 (यूपी) से फोनः 00-91-120-2446400 / 4862400 विस्तार 11032; ई-मेलः cs@gail.co.in पर संपर्क कर सकते हैं।

पंजीकृत कार्यालयः गेल भवन, 16, भीकाएजी कामा प्लेस, आर.के. पुरम, नई दिल्ली- 110066. फोन : 011-26182955, फैक्स : 011-26185941, सीआईएन : L40200DL1984GOI018976

www.gailonline.com #EnergizingPossibilities हमें फॉलो करें

राकेश टिकैत को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का न्योता मिला या नहीं?

किसान नेता ने खुद बताई अंदर की बात

अयोध्या, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। किसान नेता राकेश टिकैत देर रात अयोध्या पहुंचे। जहां वे शुक्रवार को हनुमान गढ़ी और रामलला के दर्शन करने के लिए जाएंगे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में निमंत्रण को लेकर बयान दिया है। रामनगरी अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। इसको लेकर श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट तैयारियों में लगा हुआ है। इसके साथ ही कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देशभर के कई दिग्गज नेताओं को बुलाया गया है। मंदिर ट्रस्ट की तरफ ने कई लोगों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया जा रहा है। इसी बीच रात किसान नेता राकेश टिकैत अयोध्या पहुंचे। नेता राकेश टिकैत ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आमंत्रण को लेकर बयान दिया।

उन्होंने कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सरकारी प्रोग्राम है। जिसे बीजेपी आयोजित करवा रही है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट समिति किसी को निमंत्रण नहीं दे रही। जिसको सरकार कह रही है। उसी को निमंत्रण भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में हमारा जन्म हुआ। परिवार भी यहीं का रहने वाला है। यदि निमंत्रण मिलता है, तो प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में जरूर आएंगे।

नाराज नीतीश को मनाने के लिए राहुल गांधी ने किया फोन, दिल्ली से पटना तक मची हलचल

पटना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन की बैठक होने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और नीतीश कुमार की पहली दफे फोन पर लंबी बातचीत हुई। जेडीयू सूत्रों के हवाले से जो जानकारी मिली है उसके अनुसार दोनों नेताओं के बीच गठबंधन को मजबूती देने को लेकर चर्चा हुई। इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम पीएम कैंडिडेट के रूप में आने को लेकर राहुल गांधी ने अपनी और पार्टी की स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनको इस संबंध में किसी तरह की कोई जानकारी नहीं थी, ममता बनर्जी ने अपनी बातों को अचानक मीटिंग में रख दिया था। राहुल गांधी ने विपक्षी एकजुटता में नीतीश कुमार की भूमिका को अहम बताया और आगे भी गठबंधन की मजबूती के लिए विचार विमर्श करने की बातें कही।

नीतीश को राहुल ने दी सफाई- सूत्र

खरगे को प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनाये जाने के ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल के प्रस्ताव के बाद से नीतीश काफी असहज हो गए थे और उनकी नाराजगी को लेकर भी मीडिया में कई तरह की खबरें चलने लगी थी। यहां तक की ये खबर भी आई थी कि नीतीश ने भरी बैठक में इंडिया के बदले भारत नाम को सही बताया था। एनडीए की तरह नीतीश के स्टैंड से सोनिया गांधी भी हैरान रह गई थीं। सियासी गलियारों में ये चर्चा तेजी से फैली थी कि नीतीश कुमार खुद को इंडी गठबंधन में दरकिनार किए जाने से बुरी तरह खफा हैं। ऐसे में वो कांग्रेस को बिहार में नुकसान पहुंचा सकते हैं।

बिहार में कैबिनेट विस्तार पर भी हुई नीतीश-राहुल में बात- सूत्र

राहुल गांधी ने नीतीश कुमार से बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भी चर्चा की। नीतीश कुमार ने राहुल गांधी से कहा कि वो किसी भी समय मंत्रिमंडल में कांग्रेस मंत्रियों की संख्या बढ़ाने को तैयार है। कैबिनेट विस्तार में देरी को लेकर नीतीश ने कहा कि आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव की ओर से स्पष्टता नहीं रहने की वजह से विस्तार नहीं हो पाया है, आगे गठबंधन के सदस्यों की इच्छा के अनुरूप बिहार में मंत्रिमंडल का विस्तार कर लिया जाएगा।

राहुल गांधी के नीतीश को फोन करने की बड़ी वजह

राहुल गांधी को पता है कि अगर अभी नीतीश कुमार को नाराज किया गया, तो इसका मैसेज ये भी जा सकता है कि विपक्षी एकता के सूत्रधार को ही कांग्रेस ने किनारे लगा दिया। अभी बिहार में सीट बंटवारा भी होना है। ऐसे में नीतीश को नाराज करने का मतलब कांग्रेस को सीटों का नुकसान करना है। माना जा रहा कि इसी वजह से राहुल गांधी ने इंडिया की बैठक के बाद नीतीश कुमार के थोड़ा शांत होने का इंतजार किया और फिर उनसे फोन पर बातचीत की। हालांकि अभी भी ये कहा जा रहा है कि 29 दिसंबर की बैठक में नीतीश कई बड़े फैसले ले सकते हैं।

थाईलैंड से लखनऊ लौटी महिला कोरोना पॉजिटिव मिली

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में कोरोना के मामले फिर से बढ़ने लगे हैं। कोरोना के नए सब वैरिएंट की दस्तक के बाद केंद्र सरकार भी अलर्ट मोड में आ गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडविया ने राज्य सरकारों के स्वास्थ्य मंत्रियों को भी सजग रहने के निर्देश दिए हैं। इसी बीच उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी कोरोना का केस मिल गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आलमबाग निवासी महिला में कोरोना की पुष्टि हुई है। कोरोना का पहला केस मिलते ही स्वास्थ्य महकमा भी ऐक्शन मोड में आ गया है। जिस बुजुर्ग महिला में कोरोना की पुष्टि हुई है, वो हाल ही में थाईलैंड से लौटी है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी में सरकारी स्कूलों पर जताई चिंता

कहा- जर्जर भवनों में बच्चों को पढ़ने नहीं दे सकते

प्रयागराज, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्कूलों की स्थिति पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा नागरिकों का मौलिक अधिकार है। बच्चे ऐसी बिल्डिंग में पढ़ाई कर रहे हैं, जो एकदम जर्जर हालत में हैं। ऐसे बिल्डिंग में उनके जीवन का हमेशा खतरा बना रहता है। स्कूलों को जर्जर हालत में नहीं छोड़ा जा सकता है। लिहाजा, इस मामले में मुख्य सचिव अपना जवाब दाखिल करें। कोर्ट ने मुख्य सचिव से प्राथमिक स्कूलों की मरम्मत और उसके नियमित रखरखाव के बारे में लागू की गई नीति की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने कहा है कि वह यह भी बताएं कि सरकार ऐसे मुद्दों को किस तरह से हल करेगी। यह आदेश कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने चंद्र कला की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।

कोर्ट ने बीएसए से मांगी जानकारी

याची की ओर से कहा गया कि जिला शाहजहांपुर के पुवायां तहसील, ब्लॉक जसवंतपुर और ग्राम पंचायत झरसा स्थित प्राथमिकी स्कूल की हालत सालों से जर्जर है। बच्चे जिस एक कमरे में बैठ कर पढ़ाई कर रहे हैं, उसकी भी हालत दयनीय है। कोर्ट ने पिछली तिथियों पर सुनवाई करते हुए मामले में बीएसए से जानकारी मांगी थी। बीएसए ने बताया कि उनकी ओर से स्कूलों की बिल्डिंगों की मरम्मत, रखरखाव और नए भवनों के निर्माण के लिए प्रदेश सरकार से बजट की मांग की गई है।

बीएचयू छात्र शिव कुमार त्रिवेदी की स्टेटस रिपोर्ट हाई कोर्ट ने तलब की

2020 से लापता है मृतक

प्रयागराज, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। वाराणसी के लंका थाने से लापता बीएचयू के छात्र की मौत के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने केस की स्टेटस रिपोर्ट 12 जनवरी तक तलब की है। आदेश कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एमके गुप्ता और न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम ने अधिवक्ता सौरभ तिवारी की जनहित याचिका पर दिया है। बीएचयू वाराणसी का छात्र शिव कुमार त्रिवेदी फरवरी 2020 में लापता हो गया था। इस मामले की जांच सीबीसीआईडी को सौंपी गई थी। जांच के दौरान छात्र की लाश एक तालाब में मिली थी। लंका थाने में इस मामले में लापरवाही पर 8 पुलिसवालों पर केस दर्ज करवाया गया था। केस दर्ज होने के बाद से कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी।

'सिविल वाद लंबित तो नहीं चल सकती धारा-145 की कार्यवाही'

वहीं, एक अन्य याचिका पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि यदि संपत्ति पर स्वामित्व और कब्जे का सिविल वाद विचाराधीन है तो धारा 145 दंड प्रक्रिया संहिता की समानांतर आपराधिक कार्यवाही नहीं चल सकती। इसी के साथ कोर्ट ने वृंदावन मथुरा श्रीबांके बिहारी कालोनी, राधा-रानी अन्न क्षेत्र स्थित हरि निकुंज आश्रम के कब्जा विवाद पर धारा 145 के तहत सिटी मजिस्ट्रेट के प्रारंभिक आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने पक्षकारों से कहा है कि संपत्ति पर स्वामित्व व कब्जे के सिविल वाद में फैसला करवाएं। यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने अमन दीप सिंह सिसोदिया की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। याची का कहना था कि जब संपत्ति को लेकर पंचायती अखाड़ा निर्मल व हरि निकुंज आश्रम के बीच सिविल वाद लंबित है। उसी संपत्ति के कब्जे को लेकर सिटी मैजिस्ट्रेट के समक्ष धारा 145 में समानांतर कार्यवाही नहीं चलाई जा सकती।

यूपी के डिप्टी सीएम ने बताया

कैसा है नोटबंदी के बाद कांग्रेस और पाक का हाल?

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को कांग्रेस और पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा कि नोटबंदी के बाद कांग्रेस के पंजे में चंदा की पर्ची और पाकिस्तान के दोनों हाथों में कटोरा है। मौर्य ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'गजब का योग है कि नोटबंदी के बाद से ही पाकिस्तान और कांग्रेस की आर्थिक हालत खस्ता होना शुरू हो गई। कांग्रेस के पंजे में चंदा की पर्ची और पाकिस्तान के दोनों हाथों में कटोरा है।' उन्होंने पूछा कि यह रिश्ता क्या कहलाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इसी वर्ष 19 मई को 2,000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने की घोषणा की। हालांकि

इस मूल्य के नोट बैंकों में जाकर 30 सितंबर तक जमा करने या बदले जाने की छूट की भी घोषणा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसके पहले 8 नवंबर, 2016 को 500 और 1000 रुपए के नोटों का चलन बंद करने की घोषणा की थी और इनकी जगह 2000 रुपए के नोट चलन में लाए गए थे। बाद में 500 रुपए के नए नोट भी जारी किए गए थे।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, छह अन्य घायल

गोंडा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी और अन्य छह घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि जिले के मझरेटी गांव के पास देर रात एक कार ने साइकिल सवार गोकरन (30) को टक्कर मार दी और फिर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे आम के पेड़ से टकरा गयी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस व ग्रामीणों के सहयोग से गोकरन को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में कार सवार सात लोग कार चालक सिराज उर्फ सुधु, इश्तकार, अब्दुल हकीम, आयुष, दीपचंद, शफीक और असद गंभीर रूप से घायल हो गए,

भागलपुर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा में सेंध

इस बहाने से नजदीक आया युवक; डीएसपी ने दबोचा

भागलपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा को भागलपुर में भेदते हुए एक युवक ने उन्हें बुके थमा दी। शुक्रवार की सुबह करीब दस बजे संघ प्रमुख के ऐतिहासिक महर्षि मेंहीं कुप्पा घाट आश्रम के दौरे में बिना आमंत्रण के सुरक्षा घेरे को भेदते हुए युवक ने संघ प्रमुख के बेहद करीब जा कर आराम से उन्हें बुके थमा दिया। संघ प्रमुख ने भी बुके सहजता से ले उसका मुस्कुरा कर अभिवादन भी कर डाला। तबतक सुरक्षा व्यवस्था में हुई इस बड़ी चूक को भांप सिटी डीएसपी झपटने वाले अंदाज में युवक को दबोच संघ प्रमुख के पास से अलग कर बरारी पुलिस के हवाले कर दिया। प्रारंभिक पूछताछ में

उसकी फचसन मुन्ना बाबा उर्फ गांधी के रूप में हुई है। वह कोतवाली तातारपुर थानाक्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों का जत्था उससे सख्ती से पूछताछ कर रहा है। जिले के आला अधिकारियों से पटना पुलिस मुख्यालय के अधिकारी भी सुरक्षा में हुई इस सेंधमारी की घटना को लेकर पल-पल की जानकारी ले रहे हैं।

बिना आमंत्रण के डी घेरे की सुरक्षा को भेद जाना बड़ी चूक

मुन्ना बाबा बिना किसी आमंत्रण के संघ प्रमुख के समीप जा पहुंचा था। आराम से बुके भी थमा दी। डी घेरे की सुरक्षा में बिना आमंत्रण के फजनच जाने और सुरक्षा में लगे अमले को इसका अहसास नहीं होना बड़ी चूक मानी जा रही है। मामले की जांच आला सुरक्षा अधिकारी कर रहे हैं

उप्र : फर्जी वीजा, पासपोर्ट के साथ पकड़े गये ईरानी नागरिक को दो वर्ष कैद की सजा

महराजगंज, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महराजगंज जिले की एक अदालत ने फर्जी वीजा और पासपोर्ट के आधार पर नेपाल जाने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किए गए एक ईरानी नागरिक को दोषी करार देते हुए उसे दो साल की कैद की सजा सुनाई और 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) संतोष कुमार मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश पवन कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने बृहस्पतिवार को आरोपी ईरानी नागरिक 38 वर्षीय हुसैन हमीदिया को दोषी करार देते हुए दो वर्ष की सजा सुनाई और 10 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया।

मुरादाबाद की फैक्टरी में छापा

डेढ़ करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी, लंबे समय से चल रही थी जांच

मुरादाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। 12 घंटे तक चली कार्रवाई से फैक्टरी मालिक सकते में है। फैक्टरी मालिक ने तत्काल 55 लाख रुपये भुगतान कर दिया। राज्य कर के अपर आयुक्त आरए सेठ ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कर चोरी करने वालों के खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इसी के तहत राज्य कर की एसआईबी प्रवर्तन टीम ने शेरूवा धर्मपुर अगवानपुर स्थित विहान बोर्ड की फैक्टरी में छापा मारा था। जांच से पता चला कि व्यवसायी ने शुगर मिल से काफी संख्या में बोर्ड तैयार करने के लिए बैगास खरीदा था। लेकिन उसने इनवॉइस जारी नहीं किया था। यह फैक्टरी लगभग 22 एकड़ में स्थित है। जो स्ट्रा बोर्ड तैयार करती है। फर्म की जांच के लिए 15 अधिकारियों को लगाया गया था। जांच के दौरान डेढ़ करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई। इसमें असत्यापित माल के स्टॉक और अभिलेख मौजूद थे। जांच की गंभीरता को देखते हुए व्यापारी ने तत्काल 55 लाख रुपये का ऑनलाइन भुगतान किया। इस मामले में व्यवसायी की जांच जारी है। राज्य कर के अधिकारियों ने चेताया कि पांच से दस करोड़ के बीच खरीद फरोख्त करने पर ई इनवॉयस जारी करना जरूरी है। टीम में शामिल अधिकारियों ने बताया कि स्ट्रा बोर्ड का इस्तेमाल फाल्स सीलिंग में किया जाता है।

मुजफ्फरनगर में फिर स्कूली छात्रा को दी गई थर्ड डिग्री

मुजफ्फरनगर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अभी खुब्बापुर में एक छात्र को दूसरे छात्रों से पिटवाने का मामला शांत नहीं हुआ था कि नंगला पिथौरा गांव की एक और टीचर का वीडियो वायरल हो रहा है। क्लासरूम में टीचर सबके सामने छात्रा को भद्दी-भद्दी गालियां दे रही है और पीट रही है। इसी बीच एक अन्य टीचर पूरी घटना की वीडियो बनाने लगती है तो छात्रा को पीट रही टीचर आग बबूला हो जाती है और कहती है बनाओ वीडियो, बनाओ वीडियो छात्रा को पीटने वाली टीचर ने सिर्फ धमकी नहीं दी बल्कि आरोप है कि वीडियो बना रही दूसरी टीचर का फोन भी तोड़ दिया।

कांग्रेस चाहती है यूपी में बीएसपी आए साथ, क्या अखिलेश के दबाव में है इंडिया? मायावती के बयानों से मिले ये संकेत

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की बात हो और उसमें भी उत्तर प्रदेश की तो बिना बहुजन समाज पार्टी और उसकी सुप्रीमो मायावती के जिक्र अधूरा ही रह जाएगा। खासतौर से जब बात दलित राजनीति की हो तो मायावती के नाम के बिना ये चर्चा अधूरी है। मायावती इस वक्त देश में दलितों की सबसे बड़ी नेता माने जाती हैं। बीएसपी की पूरी राजनीति दलित वोटर्स के केंद्र में है। यही वजह है कि पिछले कई दिनों से इस बात की चर्चा है मायावती को कांग्रेस गठबंधन में लाना चाहती है। मायावती गठबंधन के लिए जरूरी हैं इस

बात पर बाकायदा कांग्रेस की कोर ग्रुप की मीटिंग में चर्चा हो चुकी है। मायावती को इंडिया गठबंधन में शामिल किया जाए और अखिलेश यादव भी इस बात पर राजी हों लेकिन समाजवादी पार्टी इसके लिए तैयार नहीं है।

2019 लोकसभा चुनाव में खत्म हुई थी दुश्मनी

साल 2019 के लोकसभा चुनाव में एसपी और बीएसपी ने दुश्मनी भुलाकर गठबंधन किया था। दोनों दलों को इसका फायदा भी मिला। मोदी की आंधी में एसपी बीसएपी गठबंधन ने 15 सीटें हासिल की। मायावती को 10 और एसपी को 5 सीटें मिलीं थीं। हालांकि लोकसभा चुनाव के बाद ही मायावती और अखिलेश यादव का ये गठबंधन टूट गया और उसके बाद से दोनों दलों के नेता एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते। कांग्रेस मायावती का स्वागत करना चाहती है और अब बीएसपी सुप्रीमो बहन मायावती ने भी इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ दी है। मायावती ने कहा कि गठबंधन में बीएसपी सहित जो भी पार्टियां शामिल नहीं हैं उनके खिलाफ बे फिजूल टिप्पणी करने से बचना चाहिए। देश हित में कब किसको जरुरत पड़ जाये। मायावती के इस बयान से साफ है कि मायावती गठबंधन में जाने की सीधी चर्चा से बचना चाहती हैं। इसके अलावा सपा भी कह रही है कि मायावती के साथ जाने की जरूरत नहीं है।

गठबंधन के पास मायावती की काट क्या?

सोशल मीडिया साइट एक्स पर बसपा सुप्रीमो मायावती की ओर से जारी दो पन्ने के बयान में मायावती ने कहा- जहां तक विपक्ष के गठबंधन में बीएसपी सहित अन्य जो पार्टियां शामिल नहीं हैं, उनके बारे में किसी को बेफिजूल भी टीका टिप्पणी करना उचित नहीं है। क्योंकि भविष्य में देश व जनहि में कब किसको किसी की भी जरूरत पड़ जाए, यह कुछ भी कहा नहीं जा सकता है और तब उन्हें शर्मिंदगी न उठानी पड़े। हालांकि इस मामले में खासकर समाजवादी पार्टी इस बात का जीता जागता उदाहरण है। उधर, मायावती के किले में सेंध लगाने के लिए विपक्षी गठबंधन प्लान बी पर भी काम कर रहा है। आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर पश्चिमी यूपी में दलितों के उभरते नेता हैं और माना ये जा रहा है कि मायावती अगर शामिल होने से इंकर कर देती है या किसी वजह से मामला फंस जाता है तो इंडिया में चंद्रशेखर की एंट्री हो सकती है। चर्चा तो यहां तक है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में चंद्रशेखर भी विपक्षी गठबंधन की तरफ से यूपी की दलित बहुल सीट पर चुनाव लड़ सकते हैं।

यूपी में कई जिलों में आज फिर होगी बारिश

लखनऊ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड अब पड़नी शुरू हो गई है। प्रदेश के ज्यादातर जगहों पर शुक्रवार सुबह कोहरे की घनी परत छाई रही। पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में कोल्ड-डे की स्थिति बनी हुई। हालांकि, अभी भी दिन के वक्त ठीकठाक धूप निकल रही है। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, 23 दिसंबर को मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल सकता है। इस दिन कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में आज यानी 22 दिसंबर को पश्चिमी और पूर्वी यूपी में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। वहीं, 23 दिसंबर को मौसम पूरी में बदलाव देखने को मिल सकता है। शनिवार को पश्चिमी यूपी में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया है कि उत्तर प्रदेश में 22 दिसंबर को जो जिले सबसे ठंडे रहने वाले हैं उनमें मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, मेरठ, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, बरेली और कानपुर शहर के साथ ही गोरखपुर भी है। इन जिलों का अधिकतम तापमान 15 से 20 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान 5 से 7 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

अलीगढ़ में एक हो गए 'आम आदमी' और 'समाजवादी', सांसदों की बहाली को लेकर किया धरना प्रदर्शन

अलीगढ़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। निलंबित सांसदों की बहाली को लेकर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर संयुक्त प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट गेट पर धरने को लेकर उनकी पुलिस से तीखी नोकझोंक भी हुई। इससे पहले सपाई तस्वीर महल पर लगी बेरिकेडिंग को हटाते और धक्कामुक्की करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। सभी नेताओं ने मोदी सरकार पर लोकतंत्र को खतरे में डालने का आरोप लगाया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ठाकुर संतोष जादौन के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता तस्वीर महल पर पहुंचे। यहां सपा

जिला अध्यक्ष लक्ष्मी धनगर व पूर्व सांसद चौधरी विजेंद्र सिंह की उपस्थिति में पहले से ही कलेक्ट्रेट गेट पर धरना चल रहा था। कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क के दूसरी और धरने पर बैठ गए। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भी आ गए। साथ में ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। पूर्व सांसद चौधरी विजेंद्र सिंह उनके धरने पर पहुंचे और आग्रह कर उन्हें साथ आने का आग्रह किया। इसके बाद तीनों दलों ने एक साथ धरना शुरू कर दिया।

बेटी रुलाओ, बेटी सताओ और बेटियों को घर बिठाओ,'' कांग्रेस बोली- भाजपा सरकार की यही खेल नीति

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने ओलंपिक मेडल विजेता महिला पहलवान साक्षी मलिक के संन्यास की घोषणा के बाद शुक्रवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बेटी रुलाओ, बेटी सताओ और बेटियों को घर बिठाओ'' भाजपा सरकार की खेल नीति बन गई है। पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि महिला पहलवानों के साथ "ज्यादती और अन्याय" के लिए सीधे तौर पर नरेन्द्र मोदी सरकार जिम्मेदार है। बता दें कि रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक ने बृजभूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह की भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष पद के चुनाव में जीत का विरोध करते हुए कल अपने कुश्ती के जूते टेबल पर रखे और कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। जब साक्षी मलिक सन्यास की घोषणा कर रही थीं, तब उनकी आंखों में आंसू थे। सुरजेवाला ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पहलवान बेटियों के यौन शोषण के आरोपी भाजपा सांसद बृजभूषण के सहयोगी व 'नॉमिनी' संजय सिंह की चुनाव में जीत के बाद, कुश्ती में ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला पहलवान व किसान की बेटी साक्षी मलिक द्वारा खेल से संन्यास की घोषणा भारत के खेल इतिहास का ''काला अध्याय'' है। उन्होंने आरोप लगाया कि चैंपियन महिला पहलवानों के साथ 'ज्यादती व अन्याय' के लिए सीधे मोदी सरकार दोषी है। सुरजेवाला ने कहा, यह दर्शाता है कि न्याय की आवाज उठाने वाली बेटियों को सन्यास के लिए मजबूर कर घर भेज दिया जाएगा और दोषी कहकहे लगाएंगे, और बेटियों की बेबसी और लाचारी का मजाक उड़ाएंगे। शायद इसीलिए यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण सिंह ने कुश्ती संघ के चुनाव के बाद कहा, ''दबदबा था, दबदबा रहेगा।''

मोदी सरकार के 'दबदबे' ने घर जाने पर मजबूर किया

कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने दावा किया कि ''बेटी रुलाओ, बेटी सताओ और बेटियों को घर बिठाओ'' भाजपा सरकार की खेल नीति बन गई है। उन्होंने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि रोहतक के मोखरा गांव में जन्मी, हरियाणा के एक साधारण किसान परिवार की बेटी देश के लिए ओलंपिक पदक ले आई और आज मोदी सरकार के ''दबदबे'' ने उसे वापस घर जाने पर मजबूर कर दिया। सुरजेवाला ने कहा, देश की पहलवान बेटियां न्याय मांगने के लिए 39 दिन तक तपती दोपहरी में जंतर-मंतर पर बैठ संसद के दरवाजे पर दस्तक देती रहीं, सिसकती रहीं पर भाजपा सरकार ने उन्हें न्याय देने की बजाय दिल्ली पुलिस के जूतों से कुचलवाया और सड़कों पर घिसटवाया। यह हाल तब है जब महिला पहलवानों ने खुद के साथ हुई ज्यादतियों की शिकायत प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और खेलमंत्री तक से की थी।

बृजभूषण को मोदी सरकार का दुलार प्राप्त

सुरजेवाला ने कहा कि उस समय भी देश की बेटियों को सिर्फ एक एफआईआर दर्ज करवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक गुहार लगानी पड़ी थी। उन्होंने दावा किया, इससे बड़ी राष्ट्रीय शर्म की बात और क्या होगी कि पूरी दुनिया में देश का नाम रोशन करने वाली पहलवान बेटियों को न्याय मांगने के लिए अपने पदक तक गंगा मैया में बहाने जैसा कठोर कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा। कारण केवल इतना है कि भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह को मोदी सरकार का दुलार प्राप्त है।

सभी खेल संघों पर मोदी सरकार का कब्जा

कांग्रेस महासचिव ने यह दावा भी किया कि भारतीय कुश्ती संघ ही नहीं, बीसीसीआई से लेकर देश के सभी खेल संघों पर मोदी सरकार व भाजपाई नेताओं का कब्जा है। उन्होंने सवाल किया, मोदी सरकार चुप क्यों है? देश की संसद किसान की पहलवान बेटियों की सिसकियों और आंसुओं पर चुप क्यों है? देश का खेल जगत और उसकी नामी-गिरामी हस्तियां चुप क्यों हैं? क्या यह मान लिया जाए कि अब ''दबदबा'', ''डर'', ''भय'' और ''अन्याय'' न्यू इंडिया में सामान्य बात है?

पूर्व लोकसभा स्पीकर बोलीं सम्मान व्यक्ति का नहीं पद का है, सांसदों ने गलत किया

इंदौर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सम्मान व्यक्ति का नहीं पद का होता है। संसद चर्चा की जगह है हंगामे की नहीं। यह बात पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने संसद भवन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री मामले में कही। उन्होंने कहा कि संसद में जो भी हुआ वह ठीक नहीं है। संसद के परिसर में उपराष्ट्रपति का मजाक उड़ाना अच्छी बात नहीं है, जिन्होंने भी यह किया गलत किया। यह सम्मान व्यक्ति का नहीं पद का होता है। उन्होंने आगे कहा कि नेताओं को बहुत सावधानी से काम करना चाहिए क्योंकि उनकी बातों को कार्यकर्ता फॉलो करते हैं। संसद की सुरक्षा में सेंधमारी को लेकर महाजन ने कहा कि संसद की सुरक्षा स्पीकर के अंतर्गत आती है और उन्होंने कार्रवाई भी की है। इसके साथ ही महाजन ने कहा कि विपक्ष बेवजह की मांग करके संसद की कार्यवाही को भी ठप्प करते हैं जो कि बिल्कुल भी ठीक नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि संसद चर्चा करने के लिए है। हंगामा संसद में नहीं होना चाहिए।

लोकसभा में क्या हुआ

कुछ दिन पहले लोकसभा की सुरक्षा में चूक हुई और कुछ युवक और एक युवती संसद में घुस गए। इस मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में हंगामा हुआ। हंगामे के चलते 78 सांसदों को निलंबित कर दिया गया।

सस्पेंड होने वाले सांसदों में लोकसभा के 33 और राज्यसभा के 45 एमपी थे। निलंबित सांसद संसद परिसर में प्रदर्शन कर रहे थे। परिसर में ही तृणमूल कांग्रेस के नेता और सांसद कल्याण बनर्जी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल की। इस दौरान कई नेताओं ने उनका वीडियो बनाया और वायरल किया। इसके बाद वीडियो बनाने के लिए जमकर विरोध हुआ। इसी मामले में पूर्व लोकसभा स्पीकर ने बयान दिया है।

राहुल गांधी सांसद बनने लायक नहीं तो प्रियंका के रोड शो के बाद भी हारी कांग्रेस

कैलाश विजयवर्गीय का सीधा वार

भोपाल, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद परिसर में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की नकल उतारने और विपक्षी सदस्यों के विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक गलियारों में सियासी घमासान मचा हुआ है। इस बीच मध्य प्रदेश के बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने प्रियंका गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान प्रियंका गांधी ने मेरे वार्ड में रोड शो किया था और वह वार्ड कांग्रेसी वार्ड था, लेकिन उसके बावजूद भी मुझे 8000 से अधिक वोटों से वहां जीत मिली है। वहीं बीजेपी के महासचिव कैलाश वियजवर्गीय ने राहुल गांधी को लेकर भी एक बड़ा बयान दिया है। विजयवर्गीय ने कहा कि राहुल गांधी जो कि अपने आप को प्रधानमंत्री पद का दावेदार समझते हैं, वह सांसद बनने के लायक भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि संसद चर्चा के लिए है न कि आंदोलन के लिए। विपक्ष पता नहीं क्यों इस बात को समझ नहीं पा रहा है। दुर्भाग्य है कि विपक्ष के लोग संसद के अंदर ही आंदोलन करने लगते हैं। उपराष्ट्रपति की मिमिक्री पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को उनके पद की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने जो किया, मैं उसकी कड़ी निंदा करता हूं। दरअसल बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर एक विधानसभा से बंपर वोटों से चुनाव जीता है। उन्होंने कांग्रेस के संजय शुक्ला को चुनाव हराया है। संजय शुक्ला को कैलाश विजयवर्गीय ने 57 हजार वोटों से मात दी है। इंदौर-1 से बीजेपी के कैलाश वियजवर्गीय को 1,58,123 वोट मिले थे,

तीर्थपुरोहित महापंचायत का भू-कानून रैली को समर्थन केदारनाथ गर्भगृह में सोने की परत पर भी विवाद

देहरादून, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत ने प्रदेश में सख्त भू-कानून को लेकर 24 दिसंबर को प्रस्तावित रैली का समर्थन किया। साथ ही केदारनाथ धाम के गर्भ गृह में सोने की परत चढ़ाने की जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज से कराने की मांग की है महापंचायत के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल ने बृहस्पतिवार को तुलसी प्रतिष्ठान में हुई बैठक की अध्यक्षता की। महासचिव डॉ. बृजेश सती ने बताया कि बैठक में चारधाम यात्रा काल की समीक्षा की गई। महापंचायत ने केदारनाथ धाम के गर्भ गृह में सोना प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच हाईकोर्ट के सिटिंग जज से कराने की मांग की है। जिसमें चारधामों के तीर्थपुरोहितों को शामिल किया जाए। बदरीनाथ धाम के मास्टर प्लान और केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण कार्य पौराणिक परंपराओं के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। जिसे बर्दाश्त नहीं

किया जाएगा।

फोटोग्राफी पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने की वकालत

महापंचायत का कहना है कि बदरीनाथ धाम में कुबेर गली का जल्दी निर्माण किया जाए। बदरीनाथ व केदारनाथ धाम में शीतकाल के दौरान मानवीय गतिविधि पर रोक लगाने की मांग की है। बदरीनाथ धाम में विदेशी मूल के व्यक्ति को शीतकाल में साधना के लिए अनुमति दिए जाने पर भी स्थानीय प्रशासन की कार्य शैली पर सवाल उठाया गया। महापंचायत ने धामों के गर्भगृह की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने की वकालत की। बैठक में चारधाम शीतकालीन पूजा स्थलों के व्यापक प्रचार प्रसार करने पर सहमति बनी। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज की 27 तारीख से प्रारंभ होने वाली चारधाम शीतकालीन तीर्थयात्रा में महापंचायत सहयोग करेगी। इसके अलावा खरसाली से यमुनोत्री धाम के लिए प्रस्तावित रोपवे का निर्माण कार्य शुरू न होने पर नाराजगी जताई गई।

माफिया अतीक अहमद का रिश्तेदार 100 करोड़ रुपये की राजस्व क्षति के आरोप में गिरफ्तार

मेरठ, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने माफिया एवं दिवंगत पूर्व सांसद अतीक अहमद के मेरठ निवासी एक रिश्तेदार कमर अहमद काजमी को फर्जी कंपनियां बनाकर फर्जी ई-वे बिल के जरिये 100 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व की क्षति पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एसटीएफ के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि एसटीएफ ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी के मामले में मेरठ निवासी कारोबारी कमर अहमद काजमी को मेरठ से गिरफ्तार किया है। मेरठ विकास प्राधिकरण का पूर्व जन सम्पर्क अधिकारी काजमी माफिया अतीक अहमद का रिश्तेदार है। सिंह ने बताया कि लखनऊ और मेरठ एसटीएफ की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है। कमर अहमद काजमी पर फर्जी ई-वे बिल बनाकर 100 करोड़ रुपये से अधिक जीएसटी चोरी करने का आरोप है।

'खरगे-फरगे को कौन जानता है

हम भी तो आपसे ही जाने हैं', पीएम उम्मीदवार के सवाल पर भड़के जदयू नेता

पटना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में इंडी गठबंधन की बैठक के बाद प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के लिए नेताओं के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। इसी क्रम में जेडीयू के विवादित नेता गोपाल मंडल का बयान सामने आया है। उन्होंने तो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पहचानने से ही इनकार कर दिया। गोपाल मंडल से जब मीडिया ने पूछा कि इंडी गठबंधन की बैठक में मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की बात हुई है तो इसपरवह भड़क गए। उन्होंने कहा कि खरगे फरगे को कौन जानता है। उन्होंने कहा कि हम तो आपके ही मुंह से खरगे का नाम सुने हैं। इससे पहले हम जानते भी नहीं थे कि खरगे-फरगे कौन है। यह बात भी आज ही जाने हैं कि खरगे कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। आम लोगों में से कौन जानता है खरगे को, सभी लोग तो नीतीश कुमार को जानता है। पूरा देश नीतीश कुमार को जानता है। नीतीश कुमार के काम की वजह से उन्हें सभी लोग जानते हैं। नीतीश कुमार के नाम पर सभी लोग तैयार हो जाएंगे। गोपाल मंडल बिहार के भागलपुर में गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा सदस्य हैं। वह अक्सर विवादों में रहते हैं। हाल में ही वह तब विवादों में घिर गए थे जब वह अस्पताल में रिवॉल्वर लेकर घुस गए थे।

महाठग सुकेश ने जैकलीन को दी धमकी! कहा-

दुनिया को सच्चाई जानने की जरूरत, चैट्स-स्क्रीनशॉट करूंगा रिलीज

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। महाठग सुकेश चंद्रशेखर कथित तौर पर बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज के खिलाफ कुछ 'अनदेखे' सबूतों को उजागर करने की धमकी दी है। जैकलीन ने हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि सुकेश को उनके खिलाफ जानकारी को देने से रोकने का निर्देश दिया जाए। उन्होंने सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की भी गुजारिश की थी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, सुकेश ने जैकलीन का नाम लिए बगैर एक चिट्ठी लिखी है। इसमें उसने कहा है कि वह एक व्यक्ति को

एक्सपोज यानी खुलासा करने वाला है। इसके लिए वह उस व्यक्ति के चैट्स, स्क्रीनशॉट्स और रिकॉर्डिंग्स को रिलीज करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, सुकेश ने दावा किया कि उसने इस व्यक्ति के सोशल मीडिया अकाउंट की रीच बढ़ाने के लिए पेमेंट की थी, ताकि इस व्यक्ति को सोशल मीडिया पर अपने प्रमुख सहयोगी के खिलाफ बढ़त मिल सके।

सुकेश की चिट्ठी के खिलाफ कोर्ट पहुंचीं जैकलीन

200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी सुकेश ने चिट्ठी में लिखा है, 'दुनिया को सच्चाई जानने की जरूरत है। असल सच्चाई।' वहीं, सुकेश की चिट्ठियों को लेकर जैकलीन ने बुधवार को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट का रुख किया। उन्होंने मंडोली जेल के अधीक्षक और दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को निर्देश देने की मांग की कि वे चंद्रशेखर को उनके बारे में कोई और चिट्ठी, बयान या मैसेज जारी करने की अनुमति न दें। याचिका में 15 अक्टूबर को लिखी गई चंद्रशेखर की चिट्ठी का हवाला देते हुए कहा गया है कि इसमें परेशान करने वाली बातें लिखी गई हैं। मीडिया ने भी इसे व्यापक रूप से छापा है। याचिका में आगे कहा गया, 'चंद्रशेखर जैकलीन से संपर्क स्थापित करने के मकसद के साथ गवाहों से छेड़छाड़ की कोशिश कर रहा है। उसका स्पष्ट रूप से मकसद है कि जैकलीन को मानसिक रूप से इस हद तक डरा दिया जाए कि वह अपराधी की सच्चाई को छिपाने के लिए मजबूर हो जाएं।'

पत्नी को विधवा देखना क्रूरता के समान, इससे भयानक कुछ भी नहीं- दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट का कहना है कि पत्नी के जीवित रहते हुए विधवा के रूप में काम करते हुए देखना एक पति के लिए इससे दुखद कोई और अनुभव नहीं हो सकता है। इस तरह का व्यवहार बेहद क्रूर है। साथ ही कोर्ट का कहना है कि अगर पति या पत्नी दूसरे को वैवाहिक रिश्ते से वंचित करता है तो विवाह टिक नहीं सकता है। इस तरह का काम करना भी क्रूरता है। ये टिप्पणी जस्टिस सुरेश कुमार कैत और नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने की है। दिल्ली के हाई कोर्ट की टिप्पणी एक महिला की अपील को खारिज करते हुए आई है। महिला ने अपने पति के पक्ष में तलाक की डिक्री देने के फैमिली कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। फैमिली कोर्ट ने अपने फैसले में का था महिला ने अपने पति के प्रति क्रूरता का व्यवहार किया। हाईकोर्ट का कहना है कि रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों से यह साबित हो गया है कि पार्टियों के बीच सुलह की कोई संभावना नहीं बची है। दोनों पार्टियां लंबे समय से अलग रह रही हैं, जिसके कारण झूठे आरोप, पुलिस रिपोर्ट और क्रिमिनल ट्रायल को केवल मानसिक क्रूरता कहा जा सकता है। कोर्ट का कहना है कि पति और पत्नी के बीच वैवाहिक कलह इस हद तक पहुंच चुकी है कि दोनों पक्षों के बीच विश्वास, समझ, प्यार और स्नेह पूरी तरह खत्म हो गया। ये मर चुका रिश्ता कटुता, मतभेदों और लंबी मुकदमेबाजी से ग्रसित है। इस रिलेशनशिप को आगे जारी रखने की कोई भी जिद केवल क्रूरता को बढ़ावा देगी। किसी भी वैवाहिक रिश्ते का आधार साथ रहने और दाम्पत्य संबंध है। दंपति साल 2009 में शादी के बंधन में बंधे थी। इसके बाद 2011 में एक बेटी का पैदा हुई। हालांकि महिला ने बच्ची के जन्म से पहले ही ससुराल छोड़ दिया था। इसके बाद पति ने तलाक के लिए फैमिली कोर्ट में याचिका दायर की। उसका दावा था कि शादी के बाद से उन दोनों के बीच रिश्ते अच्छे नहीं है और उसकी पत्नी उसके प्रति बेहद उदासीन है। इस वजह से शादी को जारी रखने में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है। महिला ने घर का काम करने से भी मना कर दिया था, जिसके बाद उसके पिता खाना बनाते थे।

पति की ओर से लगाए गए आरोपों के महिला ने खारिज कर दिया। महिला का कहना है कि उसके पति ने मायके जाने के लिए दबाव बनाया था, जिसके बाद वह अपने मायके चली गई थी। हालांकि दो-तीन दिन बाद लौट आई थी। वह 147 दिनों तक अपनी ससुराल नहीं गई। हालांकि पति का दावा है महिला छोटी-छोटी बातों पर नाराज होकर उसके घर वालों से झगड़ा करने लग जाती थी। एक बार ऐसा हुआ कि उसने 'करवाचौथ' का व्रत इसलिए नहीं रखा क्योंकि मोबाइल में रिचार्ज नहीं करवाया था।

30 हजार से ज्यादा बच्चों का बाप! बिहार के इस घोलू की कीमत है 10 करोड़ रुपये, एक झलक पाने को लोग बेकरार

पटना, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत स्थित दिदवारी के साढ़े पांच फीट ऊंचा और 14 फीट (पूंछ सहित) लंबा घोलू टू नामक मुर्रा प्रजाति का भैंसा बिहार डेरी एंड कैटल एक्स्पो में आकर्षण का केंद्र बन गया है। मेले में आने वाले सभी व्यक्ति घोलू की एक झलक पाने का प्रयास करते रहे। 16 क्विंटल भारी भरकम भैंसे की चमक सभी का ध्यान आकृष्ट कर रही है। वर्ष 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किसान नरेंद्र सिंह तीन दिवसीय एक्स्पो में उसे लेकर पटना आए हैं। 23 दिसंबर तक एक्स्पो वेटनरी कालेज मैदान में चलेगा। बिहार डेयरी एंड कैटल एक्सपो मेला में पानीपत हरियाणा से आया 10 करोड़ का घोलू-2 नामक भैंसा। फोटो- जागरण नरेंद्र सिंह ने बताया कि घोलू की कीमत 10 करोड़ है। इसके जैसा मुर्रा प्रजाति का भैंसा विश्व में नहीं है। यह प्र तादिन सुबह-शाम पांच-पांच किलो दूध पीता है। 30 किलो हरा चारा के साथ के अतिरिक्त मिश्रित भोजन लेता है। गर्मी में इसके भोजन में सरसों तेल तथा ठंड में घी मिलाकर दिया जाता है। उसकी मालिश भी की जाती है। इस पर प्रतिदिन दो हजार रुपये खर्च आते हैं। इसके चार युवा बच्चे हैं। यह तीन भाई हैं। सबके सब काफी ऊर्जावान हैं, लेकिन घोलू जैसा अभी कोई नहीं है। उन्होंने बताया कि बिहार के किसान पशुपालन में कमजोर हैं। भारतीय नस्ल मुर्रा प्रजाति का हमारा भैंसा उन्नत है। एक अनुमान के मुताबिक, यह अब तक करीब 30 बच्चों का बाप बन चुका है। इसके सीमेन से पैदा होने वाली भैंस 20 किलो से कम दूध नहीं देगी। इस भैंसे का सीमेन 300 रुपये में उपलब्ध है। ऐसे भैंसे की नस्ल के सीमन से दूध उत्पादन दो-तीन गुना बढ़ जाएगा। इसका सीमेन उच्च गुणवत्ता का होगा। इसके बच्चे काफी दुधारू होंगे। बिहार डेयरी एंड कैटल एक्सपो मेला में पानीपत हरियाणा से आया 10 करोड़ का घोलू-2 नामक भैंसा। फोटो- जागरण घोलू टू की मां रानी 26 किलो दूध देती थी। बिहार डेरी एंड कैटल एक्स्पो में नौबतपुर के चिरौरा से आए अधिवक्ता शशि के ठाकुर किसानों को साहिवाल गाय और सांड़ दिखाते हुए इसकी विशेषता के बारे में जानकारी देते नजर आए। शशि के अनुसार, साहिवाल गाय का दूध काफी गुणवत्ता वाला होता है। नेऊरा के गांधी हाट के अंशु कुमार सिंह देसी गंगा तीरी नस्ल की गाय और सांड़ लेकर आए थे। वे कह रहे थे कि यह नस्ल विलुप्त हो रही है। इसे बचाना है। यह उत्तर प्रदेश और बिहार की नस्ल है। जफरावादी सहित कई प्रजाति के पशु को यहां प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ मुर्गी, बत्तख और बटेर पालन को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनी लगाई गई थी।

रॉयल बंगाल बाघ के दो शावक धात्री और धैर्य को बाड़े में छोड़ा, चिड़ियाघर में लगी दर्शकों की भीड़

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में रॉयल बंगाल बाघ के दो शावक धात्री और धैर्य को बाड़े में छोड़ दिया है। दर्शक इन दो नन्हें शावकों का दीदार कर रहे हैं। बाड़े में आते ही दोनों अपनी मां सिद्धि के साथ अठखेलियां करते नजर आए। इनकी चहल-कदमी को देख चिड़ियाघर में घूमने आए दर्शकों का उत्साह देखते ही बनता था। दोनों शावक पूरी तरह से स्वस्थ हैं। ये शावक बाघिन सिद्धि और बाघ करण की संतान हैं। इनका जन्म मई में हुआ था, अब ये दोनों शावक करीब आठ महीने के हो चुके हैं। इन्हें बीट नंबर 8 में छोड़ा गया है। यहां से दर्शक भी उनको देख सकते हैं। बाघिन सिद्धि ने चार मई को पांच शावकों को जन्म दिया था। इसमें दो शावक

जीवित और तीन मृत हुए थे। शावकों में से प्रत्येक का वजन 40 से 50 किलोग्राम के बीच है और वे निगरानी में हैं। वे स्वस्थ और चंचल हैं। नर शावक धैर्य नटखट है। उसे दिन में दो बार पांच किलो मांस और भोजन की खुराक दी जा रही है। चिड़ियाघर के अधिकारियों ने कहा कि बाघिन सिद्धि ही दोनों शावकों की देखभाल कर रही है। वे तेजी से बढ़ रहे हैं। बता दें 2010 में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने गंभीर रूप से लुप्तप्राय जंगली जानवरों की प्रजातियों का एक समन्वित नियोजित संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम शुरू किया है।

7 रॉयल बंगाल और 5 सफेद बाघ चिड़ियाघर में मौजूद

चिड़ियाघर में मौजूदा समय में सात बंगाल बाघ हैं, जिसमें दो शावक इसमें एक नर धैर्य और मादा धात्री समेत तीन मादा बाघिन अदिति, बरखा, सिद्धि व दो नर बाघ हैं, जिसमें एक करण और एक अन्य बाघ है। इसके अलावा यहां सफेद बाघिन सीता, अवनी व नर बाघ टिपू, विजय, वियोम शामिल हैं। चिड़ियाघर प्रशासन की ओर से बाघों के संरक्षण व प्रजनन की प्रक्रिया की पहल की जा रही है।

चिड़ियाघर में 1959 में अपने उद्घाटन के बाद से बाघों का आवास रहा है। 14 मई, 1969 को जूनागढ़ चिड़ियाघर से शेर का पहला जोड़ा भी एक जोड़ी बाघ शावकों के बदले में प्राप्त हुआ था। दोनों शावक पूरी तरह से स्वस्थ हैं। सर्दी के मौसम को देखते हुए वन्यजीवों की विशेष देख-रेख की जा रही है। अभी इन्हें शनिवार और रविवार के अलावा अन्य दिनों में केवल दो से तीन घंटों के लिए बाड़े में दर्शकों को देखने के लिए छोड़ा जाएगा। **-आकांक्षा महाजन, निदेशक, चिड़ियाघर**

सेना के काफिले पर फिर हमला

21 दिसंबर 2023 की दोपहर कोई पौने चार बजे होंगे। एक जिप्सी और एक मिनी ट्रक, सेना के जवानों को लेकर राजौरी जा रहा था। मंजिल थी थानामंडी, वहां राष्ट्रीय राइफल्स की एक टुकड़ी तैनात है। जैसे ही गाड़ियां टोपा पीर के नीचे पहुंची, घात लगाकर बैठे आतंकवादियों ने हमला बोल दिया। उधर से गोलियों की बौछार होने लगी, जवानों ने एक पल नहीं सोचा और जवाबी फायरिंग शुरू की। गाड़ी के भीतर हर तरफ से गोलियां धंसती जा रही थीं। गन पाउडर की गंध सांसों में घुल रही थी कि अचानक एक गोली बदन में धंसती है। एक चीख निकलती है, लेकिन अगले ही पल उंगली ट्रिगर को और मजबूती से जकड़ लेती है। ताबड़तोड़ गोलियां बरसाते दहशतगर्दों को अब अहसास होता है कि क्यों उनके आका इंडियन आर्मी की परछाई से भी डर जाते हैं। राजौरी हमले की एक तस्वीर आई है। सेना की जिप्सी के पास एक खाली मैगजीन पड़ी है, लहू बिखरा है। यह लहू उन 5 वीरों का है जिन्होंने भारत मां का तिलक करते हुए सर्वस्व बलिदान कर दिया। बता दें कि वर्ष 2023 में ही इस इलाकों में आतंकियों ने 6 हमले किए हैं। इस साल पूंछ-राजौरी सेक्टर में हुए मुठभेड़ों में सेना के 19 जवान शहीद हो चुके हैं। दो साल में यह आंकड़ा 34 के पार पहुंच गया है। इन हमलों के बाद सवाल उठने लगा है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (एलओसी) से सटा जम्मू के राजौरी-पुंछ इलाका सेना के चुनौती क्यों बनता जा रहा है। बता दें कि 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर में सेना के आक्रमण और सर्च ऑपरेशन ने आतंकियों को घुटने पर ला दिया है। केंद्रशासित इस प्रदेश में अब तक 47 आतंकी मारे जा चुके हैं। घाटी से खदेड़े जाने के बाद आतंकियों ने पीर पंजाल रेंज के दक्षिण में राजौरी और पुंछ जिले के जंगल को अपना ठिकाना बनाया है। इसका एक हिस्सा पीओके से भी जुड़ता है। 4,304 वर्ग किलोमीटर में फैले पीओके के इस इलाके से जम्मू में घुसपैठ आसान है। आतंकियों के लिए दोनों जिलों के घने जंगल सेफ शेल्टर माने जाते हैं। राजौरी का डेरा की गली से बफलियाज के बीच 12 किलोमीटर में जंगल इतना घना है कि उसमें वाहनों के साथ घुसना बहुत कठिन है। इसका लाभ उठाते हुए आतंकी वारदात कर आसानी से पाकिस्तान सीमा में घुस जाते हैं। यहां की प्राकृतिक गुफाएं भी आतंकियों के छिपने में मददगार साबित हो रही है। 2021 में भाटाधुलियां जंगल में सुरक्षा बलों पर हमले के बाद 21 दिनों तक सर्च ऑपरेशन चला था, मगर आतंकी हाथ नहीं आए थे। पुंछ और राजौरी सीमाई इलाका होने के नाते यहां के लोगों की रिश्तेदारियां पाकिस्तान में अधिक हैं। जब आतंकवाद चरम पर था, तब सुरनकोट, भट्टा धुर्रियान, थाना मंडी जैसे इलाके आईएसआई के सेंटर हुआ करते थे। एलओसी से करीब होने के कारण पाकिस्तानी सेना आसानी से आतंकियों को रसद, गोला बारूद और कैश पहुंचा देती है। रिश्तेदारी होने के कारण इस इलाके के गांवों में आतंकियों का ठिकाना भी आसानी से बन जाता है। कई बार मुखबिरों ने सुरक्षा बलों के साथ धोखेबाजी की है। लोग खौफ से भी आतंकवादियों का साथ देने को मजबूर हो जाते हैं। पिछले साल दिसंबर में आतंकियों ने दो युवाओं की हत्या कर दी थी। एक जनवरी 2023 को दहशतगर्दों ने सेना के समर्थन करने वाले ढांगरी गांव के सात ग्रामीणों की जान ले ली थी। गुरुवार के हमले में भी मुखबिरों की सही सूचना नहीं देने का मामला सामने आया है। सुरक्षा बलों को आतंकियों के छिपे होने की सूचना दी गई, जबकि वह जंगल में घात लगाकर बैठे थे। पिछले 22-23 नवंबर को बाजीमाल में पांच जवानों के शहीद होने के बाद सेना ने लंबा सर्च ऑपरेशन चलाया था। उस दौरान आतंकी ऊंचाइयों पर छिपकर हमले करते रहे। 2021 से राजौरी और पुंछ जिलों में अलग-अलग जगहों पर मुठभेड़ों में सेना के 34 जवान और एक दर्जन से ज्यादा आतंकवादी मारे गए हैं। इनमें से 19 जवानों की मौत पिछले आठ महीने में हुई है। इस दौरान आतंकवादियों ने दस नागरिकों की भी हत्या कर दी। 2021 से इस साल 30 मई के बीच जम्मू-कश्मीर में 251 आतंकवादी घटनाएं हुईं। इनमें से 15 जम्मू क्षेत्र के तीन जिलों में और 236 कश्मीर घाटी में थीं। जब कभी भी सुरक्षा बलों पर हमला होता है, तब यह पूरी तरह से रेकी के बाद की जाती है। घने जंगल में छिपे आतंकी ऊंचाई पर होते हैं, जबकि सुरक्षा बल नीचे होते हैं। आमने-सामने की लड़ाई के मौके कम ही होते हैं। 5 मई को राजौरी के केसरी हिल इलाके में भी सेना को ऊंचाई का खमियाजा ही भुगतना पड़ा था। पाकिस्तानी सेना के रिटायर फौजी भी आतंकी हमलों में शामिल रहे हैं, जो हमलावरों को लोकेशन बदलने और छिपने के तौर-तरीके बताते हैं । दूसरी ओर इस इलाके में भारतीय सुरक्षा बलों की मौजूदगी कश्मीर घाटी के मुकाबले उतनी नहीं है जितने की जरूरत महसूस की जा रही है।

पांच ट्रिलियन डॉलर पथ पर भारत

पंकज गाँधी

जीएसटी का साधारण अर्थ होता है माल एवं सेवाओं पर लगने वाला कर, मतलब अगर कर ज्यादा तो उस निश्चित अवधि में माल और सेवा का कारोबार ज्यादा। जीडीपी के लिए बहुत तकनीकी और बृहद आंकड़ों या किसी की रिपोर्ट में जाने की जरुरत नहीं है. मोटा मोटी साधारण अनुमान लगाना हो तो इसके शुरुवाती रुझान आपको जीएसटी के आंकड़ों में ही मिल जायेंगे क्यूंकि जीडीपी भी उस निश्चित अवधि में माल एवं सेवाओं का कुल उत्पादन होता है और जीएसटी उसी अवधि में माल एवं सेवाओं के कारोबार पर लगने वाला टैक्स होता है.अभी हाल के जो आंकड़े जारी हुए हैं उसमें बताया गया है कि अक्टूबर 2023 में जीएसटी से 1.72 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। ये आंकड़ा एक साल पहले के अक्टूबर 2022 के मुकाबले लगभग 13 फीसदी ज्यादा है। उस समय जीएसटी से 1.51 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए थे। इसके पिछले महीने सितंबर में भी जीएसटी से 1.63 लाख करोड़ रुपए आये थे। यह लगातार 8वीं बार हुआ है कि जीएसटी कलेक्शन 1.5 लाख करोड़ से ऊपर रहा है और लगातार 20 महीने से देश का जीएसटी कलेक्शन 1.4 लाख करोड़ रुपए से ऊपर बना हुआ है। मतलब लगातार माल एवं सेवा में कारोबार हो रहा है.इसलिए अगर यह कहा जा रहा है कि भारत 5 ट्रिलियन इकॉनमी की तरफ बढ़ रहा है तो गलत नहीं होगा. आईएमएफ के ताजे आंकड़ों के अनुसार भारत की जीडीपी 3.73 ट्रिलियन डॉलर है जो कि आधिकारिक आंकड़ा है. यदि इसमें भारत की समानांतर इकॉनमी और अनरिपोर्टेड इकॉनमी का आंकड़ा जोड़ दिया जाय तो यह आज ही 4 से भी ऊपर होगा. इसलिए अगर कोई इसे 4 भी कहता है तो इस पर अविश्वास नहीं किया जा सकता है. यह संभव है. भारत वैसे भी दुनिया में सबसे तेज ग्रोथ वाला देश है और इसकी पुष्टि कई वैश्विक रेटिंग एजेंसियां भी करती है. जैसे एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत के जीडीपी ग्रोथ अनुमान को बढ़ाकर 6 फीसदी से बढाकर 6.4 फीसदी कर दिया । इसका कारण उसने मजबूत डोमेस्टिक मोमेंटम को बताया । कुछ दिन पहले मॉर्गन स्टेनली ने भी ग्रोथ को ध्यान में रखते हुए अनुमान लगाया था कि अगले साल जून तक भारत एशियाई देशों में ब्याज दरों में कटौती करने वाला पहली अर्थव्यवस्था बन सकता है।

भुखमरी झेल रहे पाकिस्तान के पास कहां से आ रहे हैं पैसे?

अशोक भाटिया

जम्मू में रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पुख्ता खुफिया जानकारी के आधार पर पुंछ जिले के ढेरा की गली इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। वहां मुठभेड़ शुरू हो गई थी। ये जवान घटनास्थल की ओर बढ़ रहे थे, तभी आतंकवादियों ने दो वाहनों(एक ट्रक और एक जिप्सी) पर गोलीबारी की, जिसमें 5 सैनिक शहीद हो गए और 2 अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि अभियान जारी है और विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। घटनास्थल की व्यथित करने वाली तस्वीरों और वीडियो में सड़क पर पड़ा खून, सैनिकों के टूटे हुए हेलमेट और सेना के दो वाहनों के टूटे हुए शीशे दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों ने भीषण टकराव के दौरान सैनिकों और आतंकवादियों के बीच आमने-सामने की लड़ाई होने की संभावना से इनकार नहीं किया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसी संभावना है कि जिन सैनिकों पर हमला किया गया, आतंकवादी उनके हथियार लेकर चले गए हैं। अभियान जारी रहने के दौरान अधिकारी अधिक जानकारी इकट्ठा करने और क्षेत्र में आतंकवादियों द्वारा उत्पन्न खतरे को समाप्त करने की पुरजोर कोशिश में जुटे हैं। इस हमले से कुछ ही सप्ताह पहले पास के राजौरी जिले में बाजीमाल वन क्षेत्र के धर्मसाल बेल्ट में गोलीबारी के दौरान दो कैप्टन सहित पांच सैन्यकर्मी शहीद हो गए थे। राजौरी जिले में सुरक्षा बलों के साथ नवंबर में इस मुठभेड़ में अफगानिस्तान में प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के शीर्ष कमांडर समेत दो आतंकवादी मारे गये थे। राजौरी और पुंछ जिलों की सीमा पर स्थित ढेरा की गली और बुफलियाज के बीच का इलाका घने जंगलों वाला है और यह चमरेर जंगल और फिर भाटा धुरियन जंगल की ओर जाता है जहां इस साल 20 अप्रैल को सेना के एक वाहन पर घात लगाकर किए गए हमले में पांच सैनिक शहीद हो गए थे। इसके बाद मई में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान चमरेर जंगल में सेना के पांच और जवान शहीद हो गए थे और मेजर रैंक का एक अधिकारी घायल हो गया था। इस अभियान में एक विदेशी आतंकवादी भी मारा गया था। भुखमरी झेल रहे पाकिस्तान को कश्मीर की शांति हजम नहीं होती , वह कोई न कोई आतंकी घटना जम्मू – कश्मीर में करवाता रहता है ताकि वह दुनियां को दिखला सकें कि धारा 370 हटनें के बाद भी कश्मीर में भारत शांति बहाल नहीं करवा सका है । इस बात के कई उदाहरण हैं । इस गुरुवार को जम्मू कश्मीर के राजौरी में को बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस हमले में सेना के 4 जवान शहीद हो गए हैं जबकि तीन जवान घायल हो गए हैं। अधिकारियों के अनुसार आतंकियों ने सेना की 2 गाड़ियों पर हमला कर दिया। आतंकी घात लगाकर बैठे हुए थे। भारी हथियारों से लैस आतंकियों ने सेना के वाहनों पर अटैक कर दिया। जम्मू स्थित रक्षा पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल के अनुसार आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में 'कड़ी खुफिया जानकारी' के आधार पर बुधवार रात को पुंछ के थानामंडी-सूरनकोट क्षेत्र में धेरा की गली के सामान्य इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया था। इसके बाद वहां मुठभेड़ शुरू हो गई। 21 दिसंबर की दोपहर लगभग तीन बजकर 45 मिनट पर ऑपरेशन साइट पर सेना के 2 वाहन पहुंचे जिस पर आतंकियों ने फायरिंग कर दी। इसके बाद सेना की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई। इस दौरान सेना के 4 जवान शहीद हो गए जबकि तीन घायल बताए जा रहे हैं। हाल की घटना में बताया जाता है कि जिन चार सैन्य जवानों के ऊपर घात लगाकर हमला किया गया, ये वहीं आतंकी हैं जिन्होंने इसी साल 20 अप्रैल को भिंबर गली में सेना के काफिले पर हमला किया था। सूत्रों के अनुसार, आतंकियों ने वारदात का एक वीडियो भी बनाया है। हालांकि इसे अभी तक जारी नहीं किया गया है। इन दोनों हमलों के इलाकों का आपस में अंतर 12 किलोमीटर का है। आतंकी इसी इलाके में अक्सर आते-जाते रहे हैं। सबसे अहम बात यह है किभिबंर गली में हमला करने वाले आतंकी अब तक जिंदा थे, सुरक्षा एजेंसी के पास इसकी पुख्ता जानकारी थी। वैसे खुफिया एजेंसियों ने इसके बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय को सूचित भी किया था। यह बताया गया था कि नववर्ष के आसपास आतंकी फिर से बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। तमाम इनपुट होने के बावजूद हमला हुआ, जो सुरक्षा में एक बड़ी चूक माना जा सकता है। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार जिस इलाके में हमला हुआ है इसमें पिछले पांच महीनों से आतंकी घूम रहे थे। इन दहशतगर्दों ने यहां अपना पर पूरा नेटवर्क बना रखा था जहां पर इन्होंने अपने रहने खाने-पीने, हथियार जुटाने और सेना की मूवमेंट की पल-पल की जानकारी लेने का नेटवर्क बना रखा था। आतंकियों के पास पूरी जानकारी थी कि किस समय पर सेना के फाफिले यहां से गुजरेंगे । महसूस किया जा सकता है कि पाकिस्तान परस्त आतंकियों ने कुछ समय से अपनी रणनीति में भारी बदलाव लाया है। आतंकवाद के दौर में आतंकी रिहायशी क्षेत्र के आसपास से सुरक्षा बलों पर हमले करते थे। वहीं, अब आतंकी रिहायशी इलाकों से हटकर सुनसान और जंगली इलाकों में सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। इसका जीता जागता प्रमाण है कि गुरुवार को सुरनकोट तहसील के देहरा गली क्षेत्र के सावनी गली में आतंकियों द्वारा दो सैन्य वाहनों पर हमला किया गया। गौरतलब है कि इस साल राजौरी, पुंछ और रियासी जिलों में मुठभेड़ों में अब तक 19 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे और 28 आतंकवादी मारे गए थे । इन मुठभेड़ों में कुल 54 लोग मारे गए । इससे पहले अक्टूबर 2021 में वन क्षेत्र में आतंकवादियों के दो अलग-अलग हमलों में नौ सैनिक शहीद हो गए थे। चमरेर में 11 अक्टूबर को एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) सहित पांच सैन्यकर्मी शहीद हुए थे, जबकि 14 अक्टूबर को एक निकटवर्ती जंगल में एक जेसीओ और तीन सैनिकों ने जान गंवाई थी। ज्ञात हो कि साल 2022 में भारी इंतजार के बाद पाकिस्तान को इंटरनेशनल संगठन फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) ने ग्रे लिस्ट से हटाया था। लिस्ट में वे देश होते हैं जहां टेरर फंडिंग सबसे ज्यादा होती है। आतंकियों पर कार्रवाई न करने पर देश ब्लैक लिस्ट में चला जाता है, जिसके बाद कोई भी इंटरनेशनल संस्था उस देश को लोन नहीं देती है। ग्रे लिस्ट में आने के बाद से कोई भी पाकिस्तान में अपने पैसे फंसाने से डर रहा था। ये देखते हुए उसने टैरर पर थोड़ा-बहुत एक्शन लिया और लिस्ट से बाहर आ गया लेकिन एक बार फिर उसका बर्ताव पहले जैसा दिख रहा है। कश्मीर में आतंकी गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। हालिया एनकाउंटर कश्मीर के इतिहास में तीसरा सबसे लंबा एनकाउंटर माना जा रहा है यानी जाहिर तौर पर आतंकी पाकिस्तान से तगड़ी ट्रेनिंग लेकर आए होंगे। पाकिस्तान से भुखमरी की खबरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं। वहां के अखबार डॉन के मुताबिक, मार्च 2022 तक पाकिस्तान का कुल कर्ज लगभग 43 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए हो चुका था। इसके बाद भी आतंक के लिए पैसों का जुगाड़ हो ही जाता है। इसके एक नहीं, कई स्रोत हैं। मनोहर पर्रिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस (IDSA) के अनुमान के अनुसार पाकिस्तान सिर्फ कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों पर सालाना 24 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करता है। ये पैसे एक गुट को नहीं, बल्कि कई अलग-अलग चरमपंथी संगठनों में बांटा जाता है।सबका जिम्मा पहले से तय होता है कि कितने पैसे, किस काम पर खर्च करने हैं। इसमें कश्मीर में रह रहे लोगों का मन बदलने से लेकर उन्हें उकसाकर आतंक का हिस्सा बनाने तक कई टास्क होते हैं। इसके बाद ट्रेनिंग दी जाती है और हथियार मुहैया कराए जाते हैं। इन सब कामों पर पाकिस्तान से भारी पैसे खर्च होते हैं।

महिला सम्मान के दावों पर सवालिया निशान है जज की चिट्ठी !

मनोज कुमार अग्रवाल

महिला सम्मान के तमाम दावे उस समय बेकार मालूम पड़ते है जब एक महिला सिविल जज ही अपने शारीरिक और मानसिक शोषण के खिलाफ न्याय के गलियारों में घूम रही है और न्याय मिलना तो दूर उसकी रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की जाती है। क्या यही न्याय व्यवस्था है? इन दिनों एक महिला न्यायिक अधिकारी द्वारा देश में महिलाओं के यौन शोषण को लेकर उठाया गया मामला महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के तमाम दावों पर सवालिया निशान लगा रहा है। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में तैनात एक महिला न्यायिक अधिकारी ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर एक जिला न्यायाधीश पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है और उनसे अपना जीवन 'सम्मानजनक तरीके से' समाप्त करने की अनुमति मांगी है. इसके बाद प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने जांच की स्थिति पर इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रशासन से रिपोर्ट मांगी। महिला न्यायिक अधिकारी ने अपने दो पन्नों के पत्र में, प्रधान न्यायाधीश से बाराबंकी में अपनी पदस्थापना के दौरान उनके साथ हुई बदसलूकी और उत्पीड़न के बाद अपना जीवन समाप्त करने की अनुमति मांगी है। सोशल मीडिया पर यह पत्र प्रसारित हो रहा है, जिसमें लिखा है, मुझे अब और जीने की तमन्ना नहीं है। मैं पिछले डेढ़ साल से जिंदा लाश की तरह हूं।अब मेरे जीवित रहने का कोई उद्देश्य नहीं है। कृपया मुझे मेरा जीवन सम्मानपूर्ण तरीके से समाप्त करने की अनुमति प्रदान करें। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 13 दिसंबर को महिला जज की याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट का कहना था कि आंतरिक समिति इस मामले को देख रही है, लिहाजा इसमें दखल देने का कोई कारण नजर नहीं आता। आठ सेकंड के अंदर अपनी याचिका खारिज होने से दुखी महिला जज ने सीजेआई के नाम दो पेज का पत्र लिखा। महिला जज ने आरोप लगाया कि बाराबंकी में तैनाती के दौरान एक विशेष जिला न्यायाधीश और उनके सहयोगियों ने मेरा शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया। मुझे रात में जिला जज से मिलने के लिए कहा गया। मैंने 2022 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और प्रशासनिक न्यायाधीश (हाईकोर्ट के न्यायाधीश) से शिकायत की लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

किसी ने भी मुझसे यह पूछने की जहमत नहीं उठाई कि क्या हुआ, आप परेशान क्यों हैं? उन्होंने लिखा कि वह केवल निष्पक्ष जांच चाहती थीं और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर उन्होंने इस महीने सुप्रीम कोर्ट में जो याचिका दायर की थी, उसे बुधवार को आठ सेकंड के अंदर खारिज कर दिया गया। मेरे साथ बिल्कुल कूड़े जैसा व्यवहार किया गया है। मैं किसी कीड़े जैसी महसूस कर रही हूं और मैं दूसरों को न्याय दिलाना चाहती थी। मैं कितनी भोली हूं! मैं भारत की सभी कामकाजी महिलाओं से कहना चाहती हूं, यौन उत्पीड़न के साथ जीना सीख लें। यह हमारे जीवन का सच है। यह एक गंभीर मामला है जब एक महिला जज अपने साथ किए जा रहे सीनियर जज के दुर्व्यवहार और योन उत्पीड़न के मामले में खुद को न्याय दिलाने में प्रतिकूल परिस्थितियों से गुजर रही है और इस सिस्टम से आहत होकर आत्महत्या तक की कोशिश करने के लिए मजबूर की जा रही है। क्या इन हालात से आंख मूंद कर हम सिर्फ बेटी बचाओ और बेटी पढाओ के नारे लगा रहे हैं। हमें इस तरह की वारदातों की तह तक तत्काल जांच कर महिलाओं के सुरक्षा व सम्मान की गारंटी देने की व्यवस्था करनी होगी। हमारे देश में कार्य स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार मानसिक व शारीरिक शोषण के मामले किसी से छिपा नहीं है हालांकि कभी इज्जत के नाम पर तो कभी न्याय मिलने में होने वाले अवरोध, दुरूह प्रक्रिया व दबाव तथा यौन शोषण करने वाले लोगों के दबंग और ताकतवर होने के कारण पीड़ित महिलाएं इस अन्याय और अपराध के खिलाफ अपनी आवाज उठाने में स्वयं को कमजोर पाती हैं यहां याद रहे की पूर्व में सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश पर भी एक महिला प्रशिक्षु के साथ लज्जा जनक व्यवहार करने की घटना सामन आ चुकी है। जाहिर है कि सिर्फ कल कारखाने दफ्तर ही नहीं बल्कि देश के सबसे सुरक्षित व सम्मानित पदों पर तैनात लोग भी अपने अधीनस्थ व सहयोग महिला कर्मियों के साथ शारीरिक और मानसिक शोषण करने से नहीं चूकते हैं। सिर्फ घरेलू कामकाजी ही नहीं बड़े सरकारी न्यायिक दफ्तर में बैठी महिलाएं भी कभी-कभी पुरुषों की शर्मनाक जहनियत का शिकार बन जाती है और वह अपने आप को एक ऐसे अपमानित व शर्मिंदगी भरा जीवन में जीने के लिए मजबूर कर दी जाती हैं बांदा की इस महिला जज ने लीक से हटकर अपनी आत्मा की आवाज पर अपने वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी द्वारा किए जा रहे शारीरिक शोषण के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत की है इसके लिए निस्संदेह वह बधाई की पात्र हैं वहीं इस मामले में जिस तरह से जांच प्रक्रिया में देरी की जा रही है तथा मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है वह अत्यंत शर्मनाक है। हमारे यहां एक ऐसा तंत्र विकसित किया गया है जिसमें किसी भी शिकायत को अपने तरीके से छुपाने दबाने और उसे पर कार्रवाई न करने की पर्याप्त गुंजाइश बची हुई है ऐसी स्थिति में जब मामले किसी महिला के सम्मान के साथ जुड़ा हुआ हो तो महिलाएं इन मुद्दों पर अपमान व शर्मिंदगी के साथ खून का घूंट पीकर रह जाती है और त शिकायत नहीं करती हैं। लेकिन जब शिकायत करने वाली महिला को समय रहते न्याय नहीं मिले और उसकी शिकायत पर कोई सुनवाई भी ना हो तो ऐसी स्थिति में इस महिला जज की तरह से उसके अंतर्मन को ठेस लगना स्वाभाविक है इन स्थिति और हालातो को देखते हुए देश की न्यायिक व्यवस्था के सर्वोच्च अधिकारी सीजेआई महोदय को मामले को गंभीरता से लेना चाहिए तथा एक ऐसी दलील बनानी चाहिए जिसमें इस महिला अधिकारी को न्याय मिलना साफ परिलक्षित हो और मामले का दूध का दूध पानी का पानी कर दिया जाना चाहिए इसे अपने न्याय तंत्र की बदनामी के तौर पर देखकर मामले को दबाने अथवा झुठलाने का प्रयास नहीं होना चाहिए।

विशेष संबंधी कानून के

डॉ टी महादेव राव

"कानून सभी का रिश्तेदार नहीं।""सच तो है। कानून किसी का भी संबंधी नहीं।""गलत है! सभी का संबंधी नहीं, कुछ लोगों को छोड़कर।""वह कैसे? कानून के सामने सब बराबर जो हैं""सभी समान नहीं हैं, बराबर नहीं हैं। कुछ लोग कुछ ज्यादा ही बराबर हैं।""तभी न! समझकर साथ रखने वाले का कानून करीबी रिश्तेदार हुआ. जो लोग इस तरह अपनी सोच नहीं रखते उनके लिए दूर के रिश्तेदार सा हो गया है.""गलत करने वालों को कानून के आगे सर झुकाना ही होगा न?""लेकिन नेतागण, सत्ता के पक्षधर, सरकारी ओहदे पर बैठे लोग, अपनी महानता की पैरवी करने वाले, इन खास वर्ग के सारे वीरों की मांग है कि कानून उन्हें अन्य लोगों से अलग, विशेष रूप से देखें और सम्मान दे और कुछ खास रियायतें और सुविधाएं दें।" वह कैसे होगा? कानून के लिए अपना पराया है भेद कहां होता है? उसकी नजर सब पर बराबर पड़ती है. सभी बराबर जो हैं.""खास नजरो-करम होना चाहिए, जैसा कि विशेष वर्ग जनों का कहना है, विश्वास है। राजस्थान में मद्यपान कर वाहन चलाते एक लड़के को पकड़ कर पुलिस वाले थाने ले गए। उस लड़के की बुआ, विधायक अपने पति, भजन मंडली और अनुचरों को साथ लेकर थाने पर हंगामा खड़ा किया और धरना दिया कि "लड़के हैं तो पिएंगे ही। क्या इतनी भी उन्हें आजादी नहीं?" कहते हुए अपना आश्चर्य प्रकट किया। पुलिस वालों को प्रोटोकॉल का उपदेश देते हुए सिखाया कि नेताओं के साथ किस तरह आदर पूर्वक व्यवहार करें। फिर उस लड़के को छुड़वा कर ले गए और अब कहो कानून, बराबरी, खास रिश्ते ... इन शब्दों का क्या अर्थ है?""कहीं एकाध जगह हो गया और आपने उसे सार्वभौमिक सत्य और व्यवस्था मान लिया?" "सामने वाले पर कीचड़ उछालना राजनीतिक वर्ग के लिए बाएं हाथ का खेल है। ऐसे हड्काने वाले धमकाने वाले 'गुर' सभी नहीं जानते। बीमार होने को कारण बताते हुए जमानत पर जेल से रिहा हुए मध्य प्रदेश के भाजपा सांसद द्वारा खेलते हुए, पार्टियों में नाचते हुए वीडियो लिया गया और उसे दिखाते हुए विरोधी कांग्रेस के नेताओं ने उंगलियां उठाईं। उत्तर प्रदेश में किसानों को कॉन्वॉय द्वारा कुचले जाने के मामले में केंद्र मंत्री के पुत्र होने के कारण गिरफ्तारी में देरी की गई कहते हुए विपक्ष ने जमीन आसमान एक कर दिया। हम किसी से कम नहीं मानते हुए छत्तीसगढ़ में नवरात्रि उत्सव में शामिल भक्तों पर एसयूवी वाहन के टूट पड़ने वाले प्रकरण में, मामले को बदला गया कहते हुए वहां विपक्ष के नेता वहां की सरकार पर आरोप दर आरोप लगा रहे हैं। यह सब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आदतन होने वाली रस्साकशी है छींटाकशी है।" "सभी नेता एक जैसे नहीं होते उत्तराखंड के एक मंत्री ने नया सिद्धांत दिया कि मनुष्य ही क्यों? मनुष्यों के साथ पशु भी बराबरी का हक़ रखते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया की पशुओं को भी सोने के लिए गद्दे दिए जाएंगे। साथ ही बीस किलो घास भी घर-घर राशन में दिया जाएगा।

तमाशा बन गए तमाशा देखने वाले

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

मणिपुर मसले पर विपक्ष ने पंद्रह दिन तक संसद में हंगामा किया था. वह मणिपुर पर प्रधानमंत्री के बयान के लिए बेकरार था. लेकिन जब प्रधानमंत्री ने जबाब देना शुरू किया तो पिछली कांग्रेसी सरकारों की हकीकत सामने आने लगी. इसलिए जबाब मांगने वाले बहिर्गमन कर गए. इस पर संसद की सुरक्षा में चूक पर गृहमंत्री के इस्तीफे और जबाब के लिए हंगामा हो रहा है. यह दांव भी उल्टा पड़ गया. उपराष्ट्रपति के सम्बन्ध में विपक्ष की अमर्यादित नौटंकी चर्चा में है. उपराष्ट्रपति का मज़ाक बनाने वाले खुद ही मज़ाक बन गए. तमाशा देखने वाले तमाशा बन गए. ना उन्हें संसद के भीतर कुछ मिला, ना बाहर कुछ मिला. उनके आचरण की निंदा हो रही है. इन सबके बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जगदीप धनकड को फोन किया. विपक्ष की गालियों को सर्वाधिक नरेंद्र मोदी ने ही झेला है. जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उसी समय से उन पर अमर्यादित हमले शुरू हो गए थे. यह आज तक जारी है. एक बार नरेंद्र मोदी ने कहा था कि विपक्ष की गालियां मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है. उनकी बात सही भी लगती है. नरेंद्र मोदी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से फोन पर बात कर संसद परिसर में उपराष्ट्रपति का मजाक उड़ाए जाने पर दुख जताया है. कहा है कि वह भी पिछले बीस सालों से इस तरह का अपमान सह रहे हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस घटना पर निराशा जताई है. इसमें संदेह नहीं कि संसद की सुरक्षा में चूक हुई. दर्शक दीर्घा से कूद कर सदन में उत्पात करना गंभीर मसला था. बाइस वर्ष पहले इसी दिन संसद पर आतंकी हमला हुआ था. लेकिन इस तिथि का सम्बन्ध शायद मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में नई सरकार के शपथ ग्रहण से रहा होगा. कुछ भी हो सरकार और लोकसभा अध्यक्ष ने इसे गंभीरता से लिया. जांच प्रगति पर है. अनेक तथ्य सामने आ रहे है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद सुरक्षा उल्लंघन को उचित ठहराने के प्रयासों पर भी चिंता व्यक्त की. कहा कि कुछ दल एक तरह से संसद में सुरक्षा उल्लंघन का समर्थन कर रहे हैं, यह संसद की सुरक्षा उल्लघंन जितना खतरनाक है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में तेरह दिसंबर को संसद के उल्लंघन के लिए बेरोजगारी और महंगाई को जिम्मेदार ठहराया था. प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष विधानसभा चुनाव में हार से बौखला गए हैं. हताशा में संसद को बाधित कर रहे हैं। शुरू में लगा था कि विपक्ष भी इस मसले पर गंभीर है. लेकिन अब प्रधानमंत्री का आरोप सही साबित हो रहा है. चुनाव में भारी पराजय के बाद विपक्ष हताश हुआ है. उसने इसे अपनी राजनीतिक मुद्दा बना दिया है. सदन में हंगामा करके कार्यवाही बाधित करने का प्रयास किया गया. सदन ने बाहर विपक्षी साँसदों ने इसे मनोरंजन का विषय बना दिया है. ऐसा लग रहा है जैसे सदन के बाहर जाड़े की धूप में वह पिकनिक मना रहे हैं. तृणमूल का एक सांसद उपराष्ट्रपति की नकल कर रहा है, राहुल गांधी वीडियो बना रहे हैं. अन्य विपक्षी सांसद अट्टहास कर रहे हैं. सुरक्षा सम्बन्धी विषय पर उनके इस आचरण को देश देख रहा है. संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को आज अपमानित करने का काम किया है, जिसकी वह निंदा करते हैं। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का उपराष्ट्रपति धनखड़ की नकल उतारना और इस दौरान राहुल गांधी का वीडियो बनाना यह दिखाता है कि उन्हें उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति की गरिमा का सम्मान नहीं है। जोशी ने कहा कि देश के उपराष्ट्रपति के बारे में ऐसे व्यवहार करना निंदनीय है।इस घटना पर उपराष्ट्रपति धनखड़ ने भी सदन में अफसोस जताया है और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का नाम लेकर तक कहा कि एक किसान और जाट के तौर पर उन्हें देखने और उन्हें अपमानित करने से वे आहत हैं। विपक्षी सांसद सुरक्षा सम्बन्धी विषय पर भी गंभीर नहीं हैं. उन्होंने संसद में हुए उपद्रव की निंदा तक नहीं की. अनेक सांसद तो दर्शक दीर्घा से कूदने वालों का बचाव कर रहे हैं.भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा कि तृणमूल को दूसरों पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। जिस तरह वह पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता को नियमित रूप से निलंबित कर रही है, उससे लोकतंत्र के बारे में पाठ पढ़ने की जरूरत नहीं है। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ठीक कहा कि भारत विश्व का सबसे विशाल एवं जीवंत लोकतंत्र है। संवाद, बहस और चर्चा भारतीय संसदीय लोकतंत्र का आधार हैं। देश की संघीय लोकतांत्रिक संरचना है।

सीना चीर दिखाया हनुमान जी ने अपने प्रभु श्री राम और मां जानकी की सुंदर छवि

आखिर ऐसा करने के लिए क्यों हुए बजरंगबली विवश

आज मंगलवार है और राम भक्त हनुमान की कृपा पाने के लिए यह दिन सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। क्या आप एक बात जानते हैं जब राम दरबार में सभी को उपहार मिल रहा था। तब बजरंगबली ने अपना सीना क्यों चीर कर दिखाया था। आज हम आपको हनुमान जी की यह अद्भुत भक्ति कथा बताने जा रहे हैं।

'राम काज किन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम' जी हां ये सच बात है कि हनुमान जी सिर्फ राम नाम के रसिया हैं। जब तक उनके कान श्री राम गाथा श्रवण न कर लें उन्हें चैन नहीं मिलता है। मां सीता से अमरता का वर्दान प्राप्त होने के कारण वह आज भी कलयुग में मोजूद हैं और धर्मपरायण लोगों की रक्षा करते हैं। उनके अजर-अमर होने के कारण वह कलयुग के सबसे जागृत देवताओं की श्रेणी में से आते हैं। एक बार हनुमान जी ने अपना सीना चीर दिया था और भगवान राम और मां जानकी के प्रति अपनी निःस्वार्थ भक्ति दिखाई थी। आखिर हनुमान जी ने ऐसा क्यों किया आइए जानते हैं पूरा किस्सा।

हनुमान जी को भेंट स्वरूप मिला था हार

चौदह वर्ष के वनवास के बाद जब प्रभु राम ने अयोध्या का राजपाट संभाला था। तब उन्होंने अपने दरबार में सभी सहयोगियों और अपने भक्तों को कुछ न कुछ भेंट अर्पित करने के लिए निमंत्रित किया था। जब हनुमान जी को दरबार में श्री राम ने बुलाया तो माता सीता ने उन्हें एक मोती का सुंदर हार पहनने के लिए दिया। हनुमान जी ने आदर पूर्वक वह हार स्वीकार कर लिया लेकिन उसके बाद वह हार में जणित रत्न एवं मौती को ध्यान से निहारने लगे।

अंतर्यामी श्री राम ने जानी हनुमान जी की वेदना का भक्ति भाव

कुछ देर बाद मां सीता द्वारा दिए गए हार को हनुमान जी ने उसके मोती के एक-एक दाने को तोड़ कर फेकना शुरू किया और राम दरबार में वह सबको बड़े परेशान से नजर आए। हनुमान जी को इस तरह चिंतित देख राम दरबार में उपस्थित सभी लोग बड़े हैरान हुए। लेकिन अंतर्यामी श्री रीम अपने भक्त की वेदना मन ही मन समझ चुके थे कि उनके परम दास ऐसा क्यों कर रहे हैं।

लक्ष्मण जी ने पूछा माला तोड़ने की वजह

पवन पुत्र हनुमान के मोती की माला के दाने को तोड़-तोड़ कर फेकने पर लक्ष्मण जी को मन ही मन क्रोध आया और उन्होंने स्वयं पूछ ही लिया कि है हनुमान आपको मां सीता ने यह कीमती हार भेंट किया है। आप इसका मान रखने के वजाय इसके मोतियों को तोड़-तोड़ कर फेक रहे हैं।

मोतियों में नहीं मिले श्री राम इसलिए बजरंगबली ने चीर दिखाया अपना सीना

लक्ष्मण जी के ऐसा प्रश्न करने पर हनुमान जी ने कहा जिसमें राम का नाम नहीं वो मेरे भला किस काम की चीज वह मेरे लिए अमूल्य है। ऐसा कहने पर लक्ष्मण जी ने हनुमान जी से कहा आप भी तो श्री राम के परम सेवक हैं लेकिन आपके शरीर में तो कहीं भी राम नाम नहीं है। क्या आप अपने इस शरीर को त्याग कर फेंक देंगे। इतना कहते ही हनुमान जी ने अपना सीना चीर दिया और उसमें सीताराम जी को आलौकिक छवि दिखाई दी। यह मर्म की बात है। इसके बाद लक्ष्मण जी को अपने सवाल पूछने की ग्लानी हुई और उन्होंने हनुमान जी से इस बात की मांफी मांगी।

काम से लड़ना नहीं है, बल्कि मैत्री स्थापित करना है

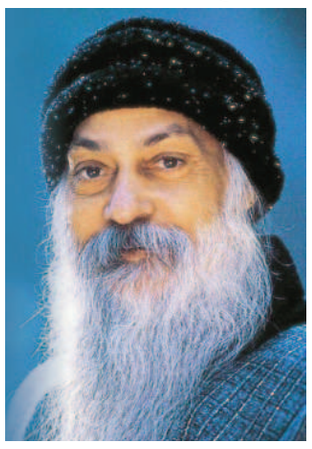

उन्हें ख्याल नहीं कि नृत्य एक सेक्सुअल एक्ट है। मोर पुकार रहा है अपनी प्रेयसी को या अपने प्रेमी को। वह नृत्य किसी को रिझाने के लिए है। पपीहा गीत गा रहा है; कोयल बोल रही है; एक आदमी जवान हो गया है; एक युवती सुंदर होकर विकसित हो गई है। वे सब की सब सेक्सुअल एनर्जी की अभिव्यक्तियां हैं। वह सब का सब काम का ही रूपांतरण है। यह सब का सब काम की ही अभिव्यक्ति, काम की ही अभिव्यंजना है। सारा जीवन, सारी अभिव्यक्ति, सारी फ्लावरिंग काम की है।

और उस काम के खिलाफ संस्कृति और धर्म आदमी के मन में जहर डाल रहे हैं। उससे लड़ाने की कोशिश कर रहे हैं। मौलिक शक्ति से मनुष्य को उलझा दिया है लड़ने के लिए। इसलिए मनुष्य दीन-हीन, प्रेम से रिक्त और थोथा और ना-कुछ हो गया है।

काम से लड़ना नहीं है, काम के साथ मैत्री स्थापित करनी है और काम की धारा को और ऊंचाइयों तक ले जाना है। किसी ऋषि ने किसी वधू को, नव वर और वधू को आशीर्वाद देते हुए कहा था कि तेरे दस पुत्र पैदा हों और अंततः तेरा पति तेरा ग्यारहवां पुत्र हो जाए। लेकिन काम ही प्रेम बनता है, काम की ऊर्जा ही प्रेम की ऊर्जा में विकसित होती है, फलित होती है। लेकिन हमने मनुष्य को भर दिया है काम के विरोध में। इसका परिणाम यह हुआ कि प्रेम तो पैदा नहीं हो सका..क्योंकि वह तो आगे का विकास था, काम की स्वीकृति से आता..प्रेम तो विकसित नहीं हुआ और काम के विरोध में खड़े होने के कारण मनुष्य का चित्त ज्यादा से ज्यादा कामुक और सेक्सुअल होता चला गया। हमारे सारे गीत, हमारी सारी कविताएं, हमारे चित्र, हमारी पेंटिंग्स, हमारे मंदिर, हमारी मूर्तियां सब घूम-फिर कर सेक्स के आस-पास केंद्रित हो गईं। हमारा मन ही सेक्स के आस-पास केंद्रित हो गया। इस जगत में कोई भी पशु मनुष्य की भांति सेक्सुअल नहीं है। मनुष्य चैबीस घंटे सेक्सुअल हो गया। उठते-बैठते, सोते-जागते सेक्स ही सब कुछ हो गया। उसके प्राण में एक घाव हो गया..विरोध के कारण, दुश्मनी के कारण, शत्रुता के कारण। जो जीवन का मूल था, उससे मुक्त तो हुआ नहीं जा सकता था, लेकिन उससे लड़ने की चेष्टा में सारा जीवन रुग्ण जरूर हो सकता था, वह रुग्ण हो गया है।

और यह जो मनुष्य-जाति इतनी ज्यादा कामुक दिखाई पड़ रही है, इसके पीछे तथाकथित धर्मों और संस्कृति का बुनियादी हाथ है। इसके पीछे बुरे लोगों का नहीं, सज्जनों और संतों का हाथ है। और जब तक मनुष्य-जाति सज्जनों और संतों के इस अनाचार से मुक्त नहीं होती, तब तक प्रेम के विकास की कोई संभावना नहीं है। मुझे एक घटना याद आती है। एक फकीर अपने घर से निकला था, किसी मित्र के पास मिलने जा रहा था। निकला है कि घोड़े पर उसका चढ़ा हुआ एक बचपन का दोस्त घर आकर सामने खड़ा हो गया है। उसने कहा कि दोस्त, तुम घर पर रुको, वर्षों से प्रतीक्षा करता था कि तुम आओगे तो बैठेंगे और बात करेंगे, और दुर्भाग्य कि मुझे किसी मित्र से मिलने जाना है। मैं वचन दे चुका हूं तो मैं वहां जाऊंगा। घंटे भर में जल्दी से जल्दी लौट आऊंगा, तब तक तुम विश्राम करो। उसके मित्र ने कहा कि मुझे तो चैन नहीं है, अच्छा होगा कि मैं तुम्हारे साथ ही चला चलूं। लेकिन उसने कहा कि मेरे कपड़े सब गंदे हो गए हैं धूल से रास्ते की। अगर तुम्हारे पास कुछ अच्छा कपड़ा हो तो मुझे दे दो, तो मैं डाल लूं और साथ हो जाऊं।**(क्रमशः)**

वैकुंठ एकादशी: इसी दिन भगवद गीता अस्तित्व में आई थी

भगवान विष्णु का स्वर्गीय निवास) के दरवाजे खुले रहते हैं। इसलिए जो भक्त इस दिन एक दिन का उपवास रखते हैं, उन्हें समृद्ध, स्वस्थ और समृद्ध जीवन प्रदान किया जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार वैकुंठ एकादशी का दिन बेहद शुभ होता है। ऐसी मान्यता है कि आज के दिन श्रीहरि विष्णु के निवास यानी वैकुंठ के दरवाजे खुले रहते हैं।

वैकुंठ एकादशी की पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर गंगा या यमुना जैसी नदियों के पवित्र जल में स्नान करें। इसके अलावा, आप नहाते समय गंगाजल की कुछ बूंदों को अपनी बाल्टी में मिला सकते हैं। इस अवसर पर भगवान विष्णु की धूप, दीप तथा चंदन से उनकी पूजा की जानी चाहिए। तुलसी पत्र अर्पित करते हुए विष्णु जी को भोग लगाना चाहिए। इस दिन भगवत गीता व श्री सुक्त का पाठ किया जाता है।

जानिये अनुष्ठान का तरीका

- सभी पूजा सामग्री जैसे फूल, अगरबत्ती आदि इकट्ठा करें

- भगवान विष्णु के सामने घी का दीपक जलाएं, तिलक करें और पुष्प अर्पित करें

- पूजा पाठ करें या नमो भगवते वासुदेवय मंत्रों का जाप करें और वैकुंठ एकादशी व्रत कथा का पाठ करें।

- एक दिन का उपवास रखने के लिए संकल्प लें

- प्रसाद चढ़ाएं और भगवान विष्णु की आरती कर पूजा समाप्त करें

यह है एकादशी की मान्यता

मान्यता है कि भगवान विष्णु को कमल के फूल अतिप्रिय हैं। इसलिए जो भक्त कमल के फूल से भगवान विष्णु की पूजा करते हैं वह वैकुंठ धाम को प्राप्त होता है। इस दिन खिचड़ी बनती है, फिर उसका घी और आम के अचार के साथ भोग लगाकर वही प्रसाद रूप में खखाया जाता है।

वैकुंठ एकादशी की कथा

मान्यता है कि वैकुंठ एकादशी का व्रत करने वाला मनुष्य शत्रु पर विजय प्राप्त करता है। पुराणों में मिली कथा के अनुसार सीता का पता लगाने के लिए श्री रामचन्द्र वानर सेना के साथ समुद्र के उत्तर तट पर खड़े थे और रावण जैसे बलवान शत्रु और सागर की गम्भीरता को लेकर चिन्तित थे। इसके पार पाने के उपाय के रूप में मुनियों ने उन्हें वैकुंठ एकादशी का व्रत करने का परामर्श दिया। इसी व्रत के प्रभाव से उन्होंने सागर पार करके रावण का वध किया था।

साल 2024 में 5 चीजें रखें शनि दोष से मिलेगी मुक्ति

शनि देव वैसे तो जल्दी किसी से रूठते नहीं हैं। जब तक आपके कर्म अच्छे हैं वो शुभ ही फल देते हैं। वहीं कुछ चीजें ज्योतिष शास्त्र में ऐसी बताई गई हैं जिन्हें रखने से और उनका प्रयोग करने से शनि देव शीघ्र ही शुभ फल देने लगते हैं। इस बार साल 2024 में शनि देव का आशीर्वाद पाने के लिए कुछ चीजों को नोट कर लीजिए और नया साल शुरू होने से पहले आप इन्हें अपने घर ले आइए।

साल 2024 में लें आएं शनि देव की प्रिय ये 5 चीजें

शनि यंत्र- यदि आप शनि देव की कृपा पाना चाहते हैं। तो नए साल 2024 में आप अपने घर में शनि देव का यंत्र स्थापित कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जो लोग शनि देव के यंत्र की स्थापना घर में विधि पूर्वक संकल्प लेकर कराते हैं। उनसे शनि देव शीघ्र ही प्रसन्न होते हैं।

सात मुखी रूद्राक्ष- शिव पुराण के अनुसार सात मुखी रूद्राक्ष जो लोग धारण करते हैं। उन्हें शनि देव का प्रकोप नहीं झेलना पड़ता है। यह रूद्राक्ष महालक्ष्मी का तो स्वरूप होता ही है इसी के साथ जो लोग इसे धारण करते हैं या घर के मंदिर में रख कर इसकी नित्य पूजा करते हैं। उनको शनि देव धन-वैभव का आशीर्वाद देते हैं। साल 2024 में आप इस रूद्राक्ष को अपने पास रख कर इसका शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं और शनि की पीड़ा से भी आप मुक्ति पा सकते हैं। इस रूदाक्ष का जप मंत्र है - ऊँ हूँ नमः नीलम या नीली- शनि देव का सबसे प्रिय रत्न नीलम है। ज्योतिष में नीलम सबसे शीघ्र फल देने वाला रत्न बताया गया है। इसी के साथ यह रत्न शनि देव का भी अति प्रिय है। नीलम रत्न को यदि आप धारण करना चाहते हैं तो किसी योग्य ज्योतिष से सलाह लेकर ही इस रत्न को धारण करें। अगर आप रत्न नहीं धारण करना चाहते हैं तो इसे आप मंदिर में रख कर इसकी रोज पूजा करें और शनि मंत्र का जाप करें। मंत्र इस प्रकार से - **ॐ शम शनिश्चरा नमः**। इस रत्न को यदि आप धारण करना चाहते हैं या घर लाना चाहते हैं तो नए साल पर इसे घर ले आएं और नियमित्त रूप से इसकी पूजा करें। ऐसा करने से शनि की साढ़ेसती और ढैय्या से जल्द छुटकारा मिलता है।

लोहे का छल्ला- शनि देव की प्रिय धातु लोहा है। माना जाता है कि लोहे का छल्ला मध्यमा ऊंगली मं पहनने से शनि देव अपना दुष्प्रभाव नहीं दिखाते हैं। इसे पहने मात्र से शनि की पीड़ा से निजात मिलता है। यदि आप लोहे का छल्ला हाथों में धारण करना चाहते हैं। तो इसे शनिवार के दिन धारण कर सकते हैं। अगर आप नए साल 2024 में लोहे का छल्ला होथो में धारण करना चाहते हैं तो इसे आप 7 जनवरी 2023 को पहन सकते हैं। यह साल 2024 का पहला शनिवार का दिन है।

शमी की जड़- वैसे तो शमी का पेड़ शनि दोषों से मुक्ति पाने के लिए लगाया जाता है। परंतु अगर आप शमी का पेड़ घर में किसी कारण नहीं लगा पा रहे हैं और शनि देव को आप प्रसन्न करना चाहते हैं।

तो इसके लिए एक छोटा सा उपाय कर के भी आप शमी के वृक्ष लगाने जैसा ही लाभ पा सकते हैं। शमि के पेड़ में शनि देव का वास माना जाता है। ऐसे में आप चाहें तो नए साल 2024 के पहले शनिवार के दिन प्रातः स्नान कर इसकी जड़ को काले वस्त्र या नीले वस्त्र में बांध कर अपने हाथ में बांध सकते हैं। इस उपाय को करने से भी शनि देव आप पर अपनी कृपा बरसा देंगे।

नए साल पर अपनों को गिफ्ट में भूलकर भी न दें ये चीजें

कुछ ही दिनों साल 2023 खत्म होने वाला है और नए साल 2024 का आगाज हो जाएगा। नए साल के आते ही बधाइयों का सिलसिला शुरू हो जाता है। साथ ही लोग नए साल पर अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को उपहार भी देते हैं। किसी के प्रति अपना प्यार या सम्मान व्यक्त करने के लिए सबसे अच्छा तरीका उसे उपहार देना माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि उपहार देने से रिश्ते और मजबूत होते हैं। ऐसे में यदि आप भी नए साल पर अपने किसी प्रियजन को उपहार देना चाहते हैं तो ज्योतिष के कुछ नियमों को जरूर जान लें। दरअसल, ज्योतिष के जानकारों का मानना है कि कुछ चीजों को कभी भी उपहार के रूप में नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से धिरे-धिरे रिश्ते की मिठास कम होने लगती है। तो चलिए जानते हैं ऐसी कौन सी चीजें हैं जिन्हें नए साल पर किसी को गिफ्ट में नहीं देना चाहिए...

जूते-चप्पल

कभी किसी को उपहार के रूप में जूते या चप्पल नहीं देना चाहिए क्योंकि जूते चप्पल दरिद्रता का प्रतीक माने जाते हैं। ये चीजें गिफ्ट में देने से दरिद्रता कभी पीछा नहीं छोड़ती है।

घड़ी और रुमाल

यदि आप नए साल के अवसर पर घड़ी या रुमाल गिफ्ट में देना चाहते हैं तो ऐसा बिल्कुल भी न करें। ऐसी मान्यता है कि रुमाल देने से नकारात्मकता बढ़ती है और रिश्तो में गलतफहमी पैदा होती है। वहीं किसी को घड़ी देने से अच्छा समय भी खराब होने लगता है।

नुकीली चीज

किसी को गिफ्ट देते समय ध्यान रखें कि उसमें कोई भी नुकीली चीज ना हो। ज्योतिष के जानकारों के अनुसार नुकीली चीज गिफ्ट में देने से रिश्तों में धोखा मिलता है। वहीं आपको भी ऐसी चीजें उपहार में मिलें तो इन्हें किसी को दान दे दें। भूल से भी अपने पास न रखें।

पर्स या बैग

पर्स या बैग भी किसी को उपहार में नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से हमारी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है।

देवी-देवताओं की मूर्तियां

भगवान की मूर्तियां किसी को उपहार में देने से बचना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो भगवान आपसे नाराज हो सकते हैं।

मनी प्लांट

कभी भी किसी को मनी प्लांट उपहार में नहीं देना चाहिए और न ही किसी से लेना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको आर्थिक तंगी से जूझना पड़ सकता है।

अचार की बरनी रखते समय रखें दिशाओं का ध्यान

वास्तु शास्त्र में रसोई से लेकर बाथरूम तक हर जगह के लिए दिशा निर्धारित की गई है। इनके अनुसार नियमों का पालन किया जाए तो जीवन से नकारात्मकता बहुत दूर चली जाती है। वहीं अगर इनका ध्यान न रखा जाए तो वास्तु दोष उत्पन्न होने की सम्भावना बनती है और इसका असर घर के सदस्यों पर भी पड़ता है। बता दें कि घर में कोई भी नई वस्तु लाने से पहले उससे जुड़े नियमों का अवश्य ध्यान में रखना चाहिए अन्यथा न चाहते हुए भी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आमतौर पर हर घर में अचार की बरनी तो होती ही है लेकिन बहुत कम लोगों को इससे जुड़े नियमों का पता होता है।

घर में इस जगह रखें अचार की बरनी

पुराने समय में हमारी नानी और दादी अचार को बनाकर बरनी में रख दिया करती थी। लेकिन आज के समय ज्यादातर इन्हें प्लास्टिक के डब्बों में रखा जाता है। वास्तु शास्त्र की माने तो कांच के बर्तन में अचार को रखना बहुत ही शुभ माना जाता है।

इसके साथ-साथ इसे रखने के लिए दिशा का भी ध्यान रखना बेहद ही जरुरी है। अचार को खटास का प्रतीक माना जाता है। अगर इसे गलत दिशा में रख दिया जाए तो जीवन में नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं और घर में सदस्यों के बीच मनमुटाव पैदा हो जाता है। इन सब से बचने के लिए इसे उत्तर-पश्चिम दिशा में रखें।

ऐसा इस वजह से उत्तर दिशा बुध ग्रह की होती है। ऐसे में उत्तर-पश्चिम दिशा में शनि और बुध दोनों का मिलाजुला प्रभाव माना जाता है। इस दिशा में रखने से घर का वातावरण सुख-शांति भरा बना रहता है और और और परिवार में कभी भी क्लेश उत्पन्न नहीं होता।

साहिल खान ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में एफआईआर रद्द करने की मांग

साहिल खान ने ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। साहिल खान साल 2001 में आई फिल्म 'स्टाइल' से पॉपुलर हुए थे। बॉलीवुड एक्टर साहिल खान 'महादेव' सट्टेबाजी ऐप मामले में फंस गए थे। इस मामले में हिना खान, कपिल शर्मा, हुमा कुरेशी और श्रद्धा कपूर सहित कई मशहूर हस्तियों को अक्टूबर के महीने में ईडी के जरिए समन भेजा गया था। ऐसे में अब इस महीने साहिल खान को जांच एजेंसी द्वारा समन दिया गया है।

अब एक अपडेट के तहत, साहिल खान ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप लायन बुक में उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। इसे महादेव एप्लिकेशन से जुड़ा हुआ माना जा रहा है। यह अपडेट इस महीने की शुरुआत में सेशन कोर्ट द्वारा उनकी गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका खारिज करने के बाद आया है।

साहिल खान ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया

एक रिपोर्ट में एक्टर साहिल खान के बारे में कुछ खुलासे किए गए। इस रिपोर्ट में सेशन कोर्ट द्वारा पर्याप्त सबूतों की मौजूदगी की ओर इशारा किया गया है, जिसके बाद साहिल खान की गिरफ्तारी पूर्व जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। अब उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया। इस मामले की सुनवाई फरवरी 2024 में होगी।

एफआईआर गलत, झूठ, फर्जी, अवैध और दुर्भावनापूर्ण इरादों से दायर की गई है

अब अपनी याचिका में साहिल ने कहा है कि वह कभी भी किसी सट्टेबाजी ऐप से नहीं जुड़े थे। उन्होंने आगे बताया कि FIR गलत, झूठ, फर्जी, अवैध और दुर्भावनापूर्ण इरादों से दायर की गई है। रिपोर्ट्स से यह भी पता चलता है कि उनके वकील ने एफआईआर को आधारहीन पाया और बताया कि खान किसी भी अवैध गतिविधियों में शामिल नहीं थे।

साहिल खान ने सुनवाई तक जांच पर रोक लगाने की मांग की

रिपोर्ट के मुताबिक, मामले की अगली सुनवाई फरवरी 2024 में होगी। इसलिए साहिल खान ने अब अगले साल की शुरुआत तक अपने खिलाफ जांच पर रोक लगाने की मांग की है। इसके अलावा उन्होंने अपने खिलाफ पुलिस द्वारा की जाने वाली दंडात्मक कार्रवाई पर भी रोक लगाने की रिक्वेस्ट की। इस बीच, पुलिस ने दावा किया है कि एप्लिकेशन 2,000 से अधिक फर्जी सिम कार्ड और 17,000 से अधिक फर्जी बैंक खाते चला रहे हैं। अधिक जानकारी का खुलासा करते हुए, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पुलिस ने कहा है कि संख्याओं को देखते हुए धोखाधड़ी की राशि बहुत बड़ी है। इसके अलावा, पुलिस ने कहा कि टेलीग्राम पर 1,000 से अधिक चैनलों के माध्यम से ऑनलाइन सट्टेबाजी को बढ़ावा दिया गया था।

उम्मीदों पर नहीं टिकी शाहरुख की डंकी

पहले दिन कमाए सिर्फ 30 करोड़ रुपए, 2023 की सबसे कमजोर ओपनर वाली फिल्म बनी

फिल्म डंकी की बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत हुई है। फिल्म ने पहले दिन इंडियन में सिर्फ 30 करोड़ का कलेक्शन किया है। इस तरह से यह 2023 की सबसे खराब ओपनर गई है। इस आंकड़े के साथ डंकी इस साल की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म आदिपुरुष से पीछे रह गई है, जिसने ओपनिंग डे पर 36 करोड़ का कलेक्शन किया था। उम्मीद जताई जा रही है कि शुक्रवार से सोमवार तक फिल्म के कलेक्शन में इजाफा देखने को मिल सकता है, क्योंकि यह एक लंबा वीकेंड है।

शाहरुख की पिछली फिल्मों का रिकॉर्ड

हालांकि, शाहरुख खान की पिछले 5 फिल्मों के ट्रैक रिकॉर्ड पर नजर डालें तो डंकी तीसरी बड़ी ओपनर बनी है। इसने जीरो, रईस और जब हैरी मेट सेजल जैसी फिल्मों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। जहां जीरो ने ओपनिंग डे पर 19.35 करोड़ का कलेक्शन किया था, वहीं जब हैरी मेट सेजल ने पहले दिन इंडिया में 15.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। हालांकि, डंकी इस साल रिलीज हुई शाहरुख की फिल्म पठान और जवान से पीछे रह गई है। पठान ने ओपनिंग डे पर 57 करोड़ और जवान ने 75 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था।

शाहरुख की पिछली 5 फिल्मों का ओपनिंग डे कलेक्शन

फिल्म कलेक्शन रिलीज डेट

जवान 75 करोड़ 7 सितंबर 2023

पठान 57 करोड़ 25 जनवरी 2023

जीरो 19.35 करोड़ 21 दिसंबर 2018

जब हैरी मेट सेजल 15.25 करोड़ 4 अगस्त 2017

रईस 20.42 करोड़ 25 जनवरी 2017

जल्द आएगी 'सलार पार्ट 2 शौर्यांग पर्वम', प्रभास की 'सलार पार्ट वन सीजफायर' में हुआ एलान

प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन की की फिल्म 'सलारः पार्ट वन सीजफायर' आज रिलीज हो गई है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी ये फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। इस बीच प्रभास के फैंस के लिए एक खुशखबरी भी आ गई है। 'सलार' के दूसरे पार्ट की भी पुष्टि हो गई है। जी हां, प्रभास की फिल्म के पहले पार्ट में ही 'सलारः पार्ट 2 शौर्यांग पर्वम' की भी पुष्टि हो गई है।

फिल्म 'सलार' दो पार्ट में रिलीज होगी। फिल्म का पहला भाग आज रिलीज हो गया है और इसके दूसरे भाग के पोस्ट-क्रेडिट सीन्स की भी आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो के आखिर में स्क्रीन पर 'सालारः पार्ट 2 शौर्यांग पर्वम' लिखा आता है। बता दें कि 'सलार' दो दोस्तों की कहानी पर आधारित है। इसमें प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन दोस्तों के रोल में नजर आए हैं। फिल्म को सेंसर बोर्ड की तरफ से ए सर्टिफिकेट दिया गया है, और इसके पीछे का कारण इसकी कहानी में कई खूनी युद्ध और हिंसक सीन बताया गया है। रिलीज के बाद 'सलार' सोशल मीडिया पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही हैं। ट्विटर रिव्यू में फिल्म यूजर्स की तरफ से काफी सराहा जा रहा है। प्रभास और पृथ्वीराज के अभिनय के साथ-साथ लोग प्रशांत नील के निर्देशन की भी खूब तारीफ कर रहे हैं।

बता दें कि 'सलार' का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' से है। 'डंकी' गुरुवार यानी 21 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विक्की कौशल और तापसी पन्नू भी अहम रोल में नजर आए हैं। देखना दिलचस्प होगा कि शाहरुख खान से मुकाबले में प्रभास कहां ठहरते हैं!

15 साल में इतने बदल गए 'तारक मेहता...' के गोगी

7 साल की उम्र में शुरू की थी एक्टिंग, मां बोलीं-सबकुछ मिला मगर बेटे का बचपन छिन गया

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में गोगी का किरदार निभाकर मशहूर हुए समय शाह 22 दिसंबर को 22 साल के हो गए हैं। शो 2008 में शुरू हुआ था और 15 साल पहले जब समय ने शो में काम करना शुरू किया तो वो 7 साल के थे। शो के 20 कलाकारों के बीच, समय अब भी उम्र में सबसे छोटे कलाकार हैं।

इन दिनों समय इंग्लिश लिटरेचर का कोर्स कर रहे हैं और आगे चलकर वे एक्टिंग के अलावा, बतौर लेखक खुद को एक्सप्लोर करना चाहेंगे। दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान समय ने अपने एक्टिंग करियर और फ्यूचर प्लानिंग को लेकर कई बातें शेयर कीं ।

सेट पर मेरी उम्र का कोई नहीं था

समय शाह ने कहा, 'मैं 7 साल की उम्र से इस इंडस्ट्री में काम कर रहा हूं। शुरुआत में मैंने कई छोटे-छोटे विज्ञापन किए थे जो कि काफी फेमस हुए। इसके बाद मुझे 'तारक मेहता ...' ऑफर हुआ और वहीं से मेरी रियल जर्नी शुरू हुई। बचपन से मैं ऐसे माहौल में रहा हूं जहां हर कोई मुझसे बड़ा था। सेट पर मेरी उम्र का कोई नहीं था और शायद इसलिए मुझमें थोड़ा कॉम्पटीशन वाला स्वभाव आने लग गया था। मैं जब अपने से बड़ों को अच्छा काम करते

देखता तो हर बार उनसे बेहतर करने की भूख रहती थी। हालांकि, ये कॉम्पटीशन मेरे लिए फायदेमंद साबित हुआ। इससे मुझे मेरे करियर में एक स्टेबल ग्रोथ मिली है।'

17 साल की उम्र से ही मैंने लिखना शुरू कर दिया

उन्होंने आगे कहा, '7 साल का था तब मुझे समझ नहीं थी कि मुझे करना क्या है लेकिन जैसे-जैसे वक्त बीतता गया तब मुझे मेरी पॉपुलैरिटी मेरी जिम्मेदारी लगने लगी। ऑडियंस को मुझसे काफी अपेक्षाएं हैं। मैंने अपनी दसवीं की पढ़ाई के दौरान तय किया कि मुझे अपनी एक्टिंग के साथ-साथ पढ़ाई को भी महत्त्व देनी चाहिए।

मुझे लिखने का बहुत शौक है। 17 साल की उम्र से ही मैंने लिखना शुरू कर दिया। सबसे पहले मैंने एक कविता लिखी जो कि मेरे लिए बहुत स्पेशल थी। उसके बाद तो मैंने अपनी सोच से पन्ने भरने शुरू कर दिए।'

एक्टिंग के अलावा, बतौर लेखक खुद को एक्सप्लोर करना चाहूंगा

समय पिछले कुछ सालों से पुणे के सिम्बॉयसिस कॉलेज से इंग्लिश लिटरेचर की पढ़ाई कर रहे हैं। इस बारे में वो कहते हैं 'मुझे भव्य ने (भव्य गांधी, तारक मेहता शो के पुराने टप्पू और समय के कजिन भाई) ने मुझे मोटिवेट किया इस सब्जेक्ट में आगे बढ़ने के लिए।

दरअसल, इस कॉलेज में एडमिशन लेने से पहले मैंने तकरीबन 40 ब्लॉग लिख चुका था और वहीं से मेरा कॉन्फिडेंस बढ़ गया था। इन दिनों, मैं एक नॉवेल पर काम कर रहा हूं और हां, आगे चलकर एक्टिंग के अलावा, बतौर लेखक खुद को एक्सप्लोर करना चाहूंगा।'

दूसरे बच्चों की तरह नॉर्मल जिंदगी नहीं जी

समय की मां नीमा शाह की मानें तो समय ने भले ही इस शो से खूब नाम, पैसा और शोहरत कमाई हो लेकिन कहीं-न-कहीं उन्हें इस बात का गम है कि वे अपना बचपन एन्जॉय नहीं कर पाए। नीमा ने कहा, 'समय बचपन से गोगी का किरदार निभा रहा है, इसलिए दूसरे बच्चों की तरह वो नॉर्मल जिंदगी नहीं जी पाया। उसको हमेशा मुझसे शिकायत होती थी मैंने उसे दूसरे बच्चों के साथ खेलने नहीं दिया। दरअसल, वो थक जाता था और इसलिए मैं उसे रोकती थी। आज वो मुझसे कहता है कि भले ही उसका बचपन उससे छीन गया हो लेकिन जब वो पिता बनेगा तो उसके बच्चे इस शो के जरिए उसका बचपन देखेंगे। उसकी ये बात सुनकर मैं काफी भावुक हो गई थी।'

शाहरुख की 'डंकी' देख अनुभव सिन्हा ने बांधे तारीफों के पुल

शाहरुख खान स्टारर फिल्म 'डंकी' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने पहले दिन 30 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है साथ ही फैंस और समीक्षक भी फिल्म की खूब तारीफ कर रहे हैं। वहीं, अब फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा ने भी 'डंकी' की जमकर प्रशंसा की है। चर्चित डायरेक्टर अनुभव सिन्हा 2007 में आई शाहरुख खान की साइंस फिक्शन फिल्म रा.वन

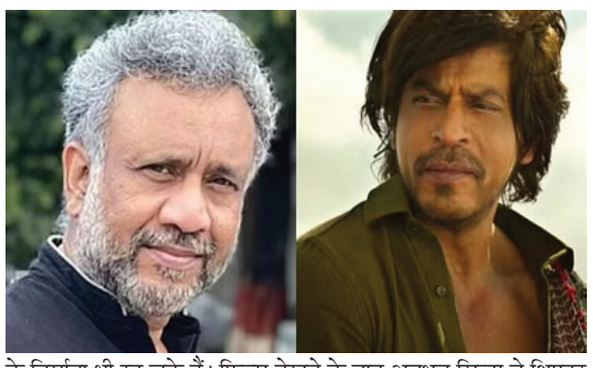

के निर्माता भी रह चुके हैं। फिल्म देखने के बाद अनुभव सिन्हा ने थिएटर के अंदर की एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, 'दफ्तर से आज तीस लोग गये DUNKI देखने। मजा आ गया। राजू की सहजता से ईर्ष्या होती है। निर्देशक के लिए सहज होना सबसे मुश्किल काम होता है। पन्नू साहब ने कमाल काम किया है। दरअसल सारे एक्टर कमाल हैं। वो सारे एक्टर जिनसे मैं एक सीन की बात करता हूं। उन्हें उस एक्टर का सीन जा के देखना चाहिए, जो शाहरुख का इमीग्रेशयन इंटरव्यू करता है। कमाल। माफी मुझे अभी तक नाम पता नहीं है। पता कर लूँगा। विक्की ने बहुत बढ़िया काम किया है। फिल्म हंसाती है, रुलाती है और साथ साथ घर आती है।'

'डंकी' को लेकर कास्टिंग निर्देशक मुकेश छाबड़ा ने किया दावा, बोले- 'पठान, जवान सबके टूटेंगे रिकॉर्ड

अभिनेता शाहरुख खान अपनी आगामी फिल्म 'डंकी' को लेकर चर्चा में हैं। ये उनकी इस साल की तीसरी रिलीज है। इस साल 'जवान' और 'पठान' के जरिए बॉक्स ऑफिस पर सारे रिकॉर्ड तोड़ चुके शाहरुख की अगली फिल्म से भी दर्शकों की काफी उम्मीदें बंधी हैं। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार हिरानी ने किया है। बीते दिनों 'डंकी' का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसे जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। हाल ही में कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने भी आगामी फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की है।

बेहद उत्साहित हैं मुकेश छाबड़ा

मुकेश छाबड़ा फिल्म 'डंकी' को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने इसे लेकर कहा, 'आप जब फिल्म देखेंगे तब खुद जान जाएंगे कि ये फिल्म सुपर-डुपर हिट क्यों होने जा रही है? यकीन मानिए राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान की जोड़ी कभी गलत हो ही नहीं सकती'। कास्टिंग डायरेक्टर का कहना है, 'मुझे लगता है 'डंकी' शाहरुख खान की 'जवान' और 'पठान'... दोनों ही फिल्मों के सभी रिकॉर्ड को तोड़ देगी। ये फिल्म काफी अच्छी बनी है। अगले दस वर्षों तक इस फिल्म को याद रखा जाएगा। मेरी किस्मत है कि मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बना'।

कंगना ने बीते 8 साल से एक भी हिट फिल्म का स्वाद नहीं चखा

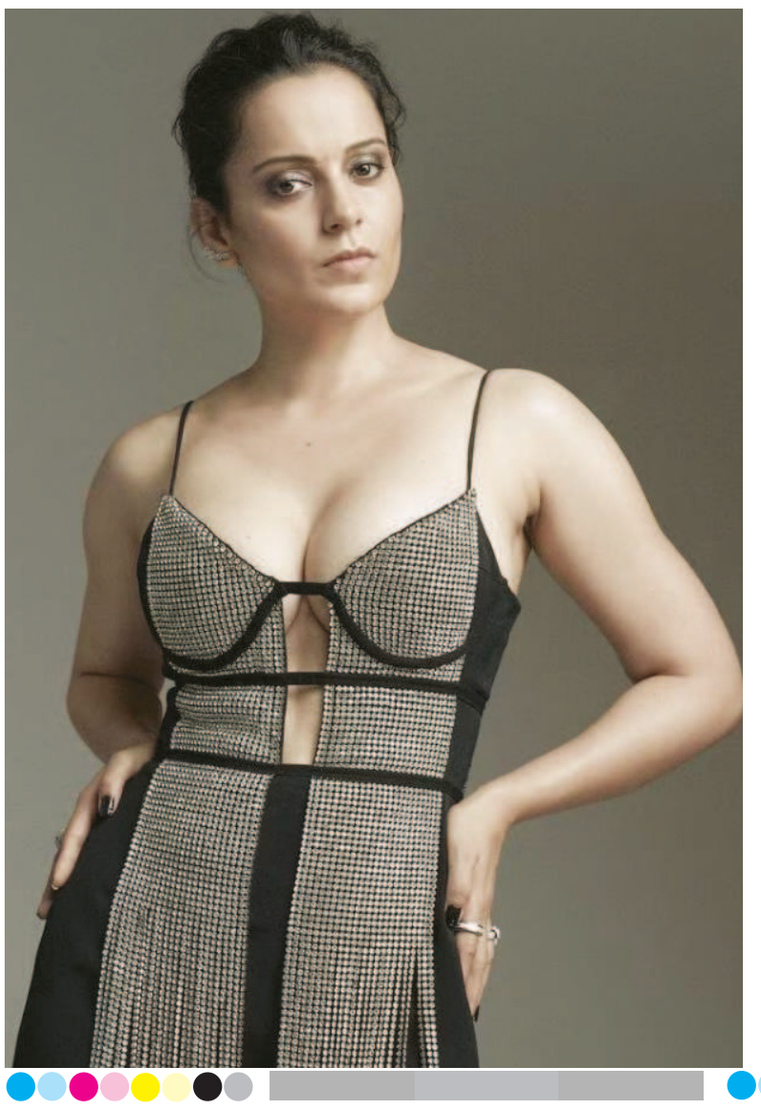

कंगना रनौत ने बीते 8 साल से एक भी हिट फिल्म का स्वाद नहीं चखा। साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'तनु वैड्स मनु' बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। इसके बाद से लगातार 10 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी हैं।

कंगना की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'तेजस' भी साल 2023 की सुपरफ्लॉप फिल्मों में से एक रही है। करीब 70 करोड़ रुपयों के बजट से बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 5 करोड़ रुपयों से भी कम की कमाई कर पाई। कंगना की फिल्में भले ही लेकिन उसके बयान सुपरहिट हैं। हाल ही में वह केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के बयान की वकालत करती नजर आई। स्मृति ईरानी ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में कहा कि, महिलाओं को पीरियड्स में पेड लीव की जरूरत नहीं है।

कंगना रनौत ने भी इसी के समर्थन में एक पोस्ट की है, जिसमें उसने लिखा, कामकाजी महिला एक मिथक है। इतिहास में आज तक एक भी महिला ऐसी नहीं रही जिसने काम नहीं किया हो। खेती-किसानी, घर चलाने से लेकर बच्चों की परवरिश करना भी एक कामकाजी महिला की निशानी है। महिलाओं ने कभी जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ा।

अगर कोई विशेष शारीरिक दिक्कत नहीं हो, तो पीरियड्स के दौरान महिलाओं के लिए छुट्टी की कोई जरूरत नहीं है। लोगों को यह समझना होगा कि ये पीरियड्स कोई हैंडिकैप बीमारी नहीं। वैसे यह पहली बार नहीं है, जब कंगना ने किसी मामले पर विचार जाहिर किए हों। वह फिल्मों की बॉक्स ऑफिस कमाई से लेकर हिमाचल प्रदेश में बाढ़ तक पर अपनी राय रख चुकी है। सितम्बर में, उसने भारत के नाम परिवर्तन की चर्चा पर भी बात की थी।

जीवन की 'नई पारी' के लिए उत्साहित दिव्या अग्रवाल

दिव्या अग्रवाल ने हाल ही में अपनी शादी की घोषणा की है। वह जल्द ब्वॉयफ्रेंड अपूर्व पडगांवकर के साथ शादी करके जीवन की नई पारी शुरू करने वाली है। दिव्या शादी के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि, गत वर्ष अपूर्व के साथ अपने रिश्ते की घोषणा के बाद उसे बहुत कुछ सहना पड़ा। कई लोगों ने उसे 'गोल्डडिगर' कहा और ट्रोल किया।

दिव्या ने हमेशा से यही कहा है कि जब वे एक साथ नहीं थे तब भी उनके बीच बहुत प्यार था और वह हमेशा अपूर्व से शादी करना चाहती थी। दिव्या शादी के लिए बेहद एक्साइटेड नजर आ रही है। उसने सोशल मीडिया पर अपने वैडिंग इनविटेशन से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया। इसमें दिव्या और अपूर्व को एनिमेशन से दिखाया गया है।

इसके साथ ही कैप्शन में लिखा है, प्यार, हंसी और सैलिब्रिटी जादू का स्पर्श ! दिव्या और अपूर्व की शादी का जश्न मनाने में हमारे साथ शामिल हों, जहां सपने हकीकत बन जाते हैं। अविश्वसनीय जोड़ी के साथ, सितारों से सजी यह महफिल, खुशी और अविस्मरणीय यादों की एक रात का वायदा करती है। एकदम अलग सैलिब्रेशन को देखने के लिए तारीख सेव कर लें। दिलचस्प है कि तारीख सेव करने की बात कहकर भी तारीख नहीं बताई गई है।

वरुण और दिव्या का ब्रेकअप

प्यार में पड़ने से पहले वरुण और दिव्या बहुत अच्छे दोस्त थे। हालांकि, कई सालों तक डेट करने के बाद वे मार्च 2022 में अलग हो गए। जब दिव्या ने वरुण से अलग होने की घोषणा की तो फैन्स को बहुत बड़ा धक्का लगा था और दिव्या को इसके लिए बहुत नफरत भी मिली। दिव्या ने एक चैट शो में खुलासा किया था कि कैसे वह अपने मंगेतर अपूर्व के साथ एक महिला की तरह महसूस करती है, जो वह वरुण के साथ नहीं करती थी।

वरुण को मिली नई गर्लफ्रेंड !

यह महज एक संयोग हो सकता है कि उसके एक्स ब्वॉयफ्रैंड वरुण सूद को भी अपनी ड्रीम गर्ल मिल गई है। अपनी निजी जिंदगी को मीडिया की नजरों से दूर रखने वाले एक्टर ने एक मिस्ट्री गर्ल के साथ फोटो शेयर की है। दिलचस्प बात यह है कि दिव्या की शादी की घोषणा करने के कुछ ही घंटों बाद उसने एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वरुण मोनोक्रोम शर्ट में हमेशा की तरह बेहद हैंडसम लग रहा है, जबकि उसके साथ खड़ी एक महिला पीले रंग की कट-आऊट ड्रेस पहने नजर आ रही है।

नीरज के भाले से शीतल के तीर तक, सात्विक-चिराग सहित इन खिलाड़ियों ने इस साल किया कमाल

साल 2023 अपने अंतिम पड़ाव पर है। दिसंबर महीने का आखिरी सप्ताह शुरू हो चुका है। खेल जगत के लिए यह साल कई उपलब्धियों से भरा रहा। भारत की बात करें तो नीरज चोपड़ा, शीतल देवी, सात्विक, चिराग और ज्योति याराजी जैसे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। एशियाई खेलों से लेकर विश्व चैंपियनशिप और अन्य प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों ने अपना लोहा मनवाया। एशियाई खेलों में पहली बार भारत ने पदकों का शतक लगाया और पैरा एशियाई खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया। यहां हम इस साल बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के बारे में बता रहे हैं।

नीरज चोपड़ा और किशोर जेना

एशियाई खेलों में नीरज चोपड़ा ने खराब शुरुआत के बाद दमदार वापसी करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, किशोर जेना ने रजत पदक जीतकर देशवासियों की खुशी दोगुनी कर दी। दोनों खिलाड़ियों ने पेरिस ओलंपिक में भी अपनी जगह पक्की की। हालांकि, नीरज अपनी डायमंड ट्रॉफी का बचाव नहीं कर पाए, लेकिन वह दूसरे स्थान पर रहे। नीरज इसी साल विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने डायमंड लीग का दोहा, लुसाने और बुडापेस्ट चरण जीता। वह ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने।

ज्योति याराजी का पदक

ज्योति याराजी को एशियाई खेलों में महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। नियमों के अनुसार वह अयोग्य नहीं थीं। सात बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के बाद एशियाई खेल में शामिल होने वाली याराजी अपने पदक को नहीं जानें दे सकती थीं। उन्होंने अधिकारियों के साथ बहस की और विरोध प्रदर्शन किया। अंत में उन्हें उनका हक मिला और वह रजत पदक जीतने में सफल रहीं।

सात्विक-चिराग का कमाल

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने इस साल देश के लिए लाजवाब प्रदर्शन किया। इस जोड़ी ने कई बार देश का नाम रोशन किया। टी शर्ट उतारने से लेकर अपने जश्न मनाने तक ये दोनों पूरे साल चर्चा में रहे। एशियाई खेलों में ये दोनों स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके बाद सात्विक ने अपने कोच को झुककर दंडवत प्रणाम किया। उन्होंने इसके साथ ही सभी का दिल जीत लिया। इन दोनों ने इस साल पांच बड़े खिताब जीते, जिसमें एक सुपर 1000 ट्राफी भी शामिल है। यह जोड़ी बैडमिंटन

रैंकिंग में शीर्ष पर भी पहुंची।

शीतल देवी का कमाल

पैरा तीरंदाज शीतल देवी - फोटो : सोशल मीडिया

दुनिया की पहली महिला तीरंदाज शीतल देवी प्रेरणा की चलती फिरती मूर्ति हैं। पिछले साल तक कोई भी उनके बारे में नहीं जानता था, लेकिन यह साल इस युवा खिलाड़ी के नाम रहा है। 16 साल की शीतल के दोनों हाथ नहीं हैं, वह कंधे और मुंह की मदद से तीर चलाती हैं और दिग्गजों को पीछे छोड़ देती हैं। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ के लोइधर गांव की रहने वाली शीतल का जन्म फ़ोकोमेलिया के साथ हुआ था, जो एक दुर्लभ जन्मजात विकृति है जिसमें हाथ या पैर अविकसित होते हैं। जब उसे और कुछ स्थानीय प्रशिक्षकों को एहसास हुआ कि वह खेलों में अच्छी हो सकती है, तो उन्होंने उसे कृत्रिम हाथ दिलाने की कोशिश की, लेकिन वह फिट नहीं हुआ। शीतल ने हार मानने की बजाय और भी जोर लगा दिया। शारीरिक परीक्षण के बाद, जिससे पता चला कि वह अपने ऊपरी शरीर की ताकत के कारण खेलों में जगह बना सकती है, उसने 2021 में तीरंदाजी को चुना। महज दो साल में शीतल ने दिव्यांग और पैरा दोनों प्रतियोगिताओं में पदक जीतने शुरू कर दिए। 16 साल की उम्र में शीतल 2023 पैरा तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में पदक (रजत) जीतने वाली दुनिया की पहली महिला बिना हथियार वाली तीरंदाज बन गईं। हांग्जो एशियाई पैरा खेलों में, वह पहले ही कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में राकेश कुमार के साथ स्वर्ण और अपनी साथी सरिता के साथ महिला युगल प्रतियोगिता में रजत पदक जीत चुकी थीं।

हॉकी कप्तान सविता का आलोचकों को जवाब कहा- सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर पुरस्कार सही दिशा का प्रमाण

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा कि लगातार तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुने जाने का मतलब है कि वह सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

सविता को मंगलवार को लगातार तीसरी बार इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया। सविता ने कहा,'यह पुरस्कार मेरे लिए सकारात्मक ऊर्जा का काम करेगा। इससे यह पुष्टि हो गई है कि मैं सही दिशा में आगे बढ़ रही हूं।' उन्होंने कहा,'टीम ने इस साल अच्छी फार्म बरकरार रखी है। अब हम 2024 की तरफ बढ़ रहे हैं और मेरा लक्ष्य अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखकर टीम को अगले महीने रांची में होने

वाले हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर्स के जरिए ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने का सर्वश्रेष्ठ मौका देना है।' सविता ने अपनी सफलता का श्रेय पूरी टीम को दिया।

सविता ने लगातार तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम किया है। भारतीय गोलकीपर 2023 में शानदार लय में रही है। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैचों से लेकर हांगझोऊ एशियाई खेलों में उन्होंने लगातार प्रभावित किया। इस 33 साल की खिलाड़ी ने अक्तूबर में भारत में आयोजित एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को विजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई।

विजेताओं का चयन एक विशेषज्ञ पैनल द्वारा किया जाता है जिसमें राष्ट्रीय संघ (राष्ट्रीय टीमों के कप्तान और कोच), मीडिया के प्रतिनिधियों के अलावा प्रशंसकों का मतदान शामिल होता है। देश के लिए 114 मैच खेल चुके हार्दिक को भारतीय हॉकी का भविष्य माना जाता है। उनके खेल में इसकी झलक भी दिखी है। वह टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य थे। हार्दिक का यह साल का दूसरा बड़ा पुरस्कार है। उन्हें इससे पहले हॉकी इंडिया ने साल 2022 के लिए बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार (साल का सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी) से सम्मानित किया था।

इंग्लैंड के कोच मोट का बड़ा बयान, स्टोक्स और आर्चर के लिए टी20 विश्व कप टीम में जगह रहेगी

इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कोच मैथ्यू मोट ने कहा कि स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की मैच जिताने की काबिलियत को देखते हुए उनका 2024 टी20 विश्व कप के लिए टीम में होना बेहद जरूरी है। इसलिये चोट से जूझ रहे इन दोनों खिलाड़ियों के लिए टीम में जगह बनी रहेगी। स्टोक्स के घुटने का नवंबर में ऑपरेशन हुआ था और उनके अगले साल जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड की कप्तानी के लिए फिट होने की उम्मीद है। वहीं आर्चर कोहनी की चोट के कारण मार्च से इंग्लैंड के लिए नहीं खेले हैं।

इन दोनों के फिटनेस हासिल करने के बाद टी20 विश्व कप टीम में जगह बनाने की उम्मीद है

जो जून में शुरू होगा। मोट से जब पूछा गया कि क्या स्टोक्स और आर्चर विश्व कप चयन के लिए उपलब्ध होंगे तो उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह लाजमी है।'' उन्होंने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले कहा, ''बेन स्टोक्स प्रत्येक विभाग में मैच जिताने की काबिलियत रखते हैं और हमें शीर्ष छह में एक तेज गेंदबाज रखने का विकल्प देते हैं, जिससे आपको टीम का संतुलन बनाने के लिए कई विकल्प मिल जाते हैं, इससे चयन काफी आसान बन जाता है। इसलिये यह लाजमी ही है।''

उन्होंने कहा, ''जहां तक जोफ्रा की बात है तो वह अपनी तेज रफ्तार से पारी में कोई भी ओवर डाल सकते हैं। आपके लिए सुपर ओवर डाल सकते हैं, जब जरूरत हो अंतिम ओवर डाल सकते हैं। ''आर्चर लगातार चोटों से जूझते रहे हैं जिससे वह 2021 के बाद से टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने 2023 में सफेद गेंद के महज सात मैच खेले हैं। उन्हें अगले साल जनवरी-मार्च में भारत का दौरा करने वाली टेस्ट टीम में नहीं चुना गया है।

टी20 विश्व कप अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में जून में खेला जायेगा। मोट ने संकेत दिया कि जोस बटलर और फिल साल्ट की सलामी जोड़ी के टी20 विश्व कप टीम में बने रहने की उम्मीद है। इन दोनों ने पिछली दो पारियों में लगातार शतकीय साझेदारी बनायी है। मोट ने कहा, ''यह जोड़ी शानदार खेल दिखा रही है।''

बाबर आजम ने तोड़ा महिला फैंस का दिल, बोले- मेरे पास एक ही है

बाबर आजम को अपनी हालिया फॉर्म को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है लेकिन फैंस के बीच उनकी लोकप्रियता अभी भी कम नहीं हुई है। पाकिस्तान टीम अभी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेल रही है। सीरीज के पहले ही मुकालबे में पाकिस्तान को शर्मनाक हार झेलनी पड़ी थी। इस मुकाबले में बाबर आजम दो पारियों में 21 और 14 रन ही बना पाए थे। अब पाकिस्तान के विश्व कप से बाहर होने के बाद कप्तानी छोड़ चुके बाबर का लक्ष्य 26 दिसंबर से शुरू होने वाले आगामी मेलबर्न टेस्ट में वापसी करना है।

इसी बीच सोशल मीडिया पर बाबर आजम की एक वीडियो वायरल हो रही है जिसमें एक महिला फैंस उन्हें अपनी टोपी देने की गुजारिश करती नजर आती है। मिला प्रशंसक कहती है। भाई, क्या आप मुझे अपनी टोपी दे सकते हो। इस पर बाबर आजम ने भी मजाकिया लहजे में बोल दिया। नहीं, मेरे पास भी एक ही है। बता दें कि टेस्ट फॉर्मेट में बाबर आजम का प्रदर्शन अब तक स्तरीय रहा है। वह 50 टेस्ट मैचों में 47 की औसत से 3807 रन बना चुके हैं। हालांकि साल 2023 उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। वह इस साल वनडे में जहां 25 मैचों में 1065 रन बनाने में सफल रहे तो वहीं, टेस्ट में उनका औसत महज 23 ही है। इस साल पाकिस्तान की इंग्लैंड से 3-0 से हार और न्यूजीलैंड के खिलाफ ड्रॉ सीरीज देखी गई, दोनों में ही बाबर आजम का प्रदर्शन सामने नहीं आ पाया। पाकिस्तान 1995 के बाद ऑस्ट्रेलिया में जीत नहीं पाया है। यह उनकी ऑस्ट्रेलिया में लगातार 15वीं हार है।

मोहम्मद सिराज ने भी डाला टूटे दिल वाला मैसेज, अंदेशा- कुछ ठीक नहीं चल रहा

क्रिकेट विश्व कप फाइनल में हार के बाद भारतीय क्रिकेटर एक के बाद एक इंस्टाग्राम पर गुप्त संदेश पोस्ट कर रहे हैं। मोहम्मद सिराज इस प्रवृत्ति में शामिल होने वाले नए क्रिकेटर हैं। वीरवार को भारतीय तेज गेंदबाज ने सूर्यकुमार यादव के नक्शेकदम पर चलते हुए 5 टूटे हुए दिल वाले इमोजी की एक स्टोरी इंस्टाग्राम पर शेयर की है। सूर्यकुमार से पहले जसप्रीत बुमराह ने एक पोस्ट के साथ इस प्रवृत्ति की शुरुआत की थी, जिसमें कहा गया था- कभी-कभी चुप्पी सबसे अच्छा जवाब होता है।

'एक्स' पर प्रशंसक सिराज की पोस्ट के स्क्रीनशॉट डाल रहे हैं और इसका अर्थ समझने का प्रयास कर रहे हैं। कुछ प्रशंसकों ने इसे आरसीबी की नीलामी पर प्रतिक्रिया होने का अनुमान लगाया है, जबकि कुछ अन्य ने सुझाव दिया कि यह रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाने के साथ जुड़ा हो सकता है। वर्तमान में 29 वर्षीय क्रिकेटर भारतीय टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका में हैं। उन्होंने तीन टी20 मैचों की सीरीज में हिस्सा लिया था। वह वनडे सीरीज से दूर हैं ताकि टेस्ट के लिए तैयारी कर सकें। टीम इंडिया को पहले से बड़ा झटका लग चुका है क्योंकि मोहम्मद शमी टखने की चोट के कारण साउथ अफ्रीका टेस्ट से बाहर हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका की उछालभरी पिचों पर आक्रमण की अगुवाई करने के लिए शमी के अनुभव और स्विंग गेंदबाजी कौशल पर भरोसा किया जा सकता है। शमी के बाहर होने के बाद गेंदबाज़ी विभाग में बुमराह और सिराज पर नजरें रहेंगी।

मिशेल स्टार्क ने फेंकी है टेस्ट में सबसे तेज गेंद, पत्नी आस्ट्रेलिया टीम की कप्तान तो भाई है ओलिंपियन

आस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं जिसका सबसे बड़ा कारण है उनका आईपीएल 2024 आक्शन में सबसे महंगा 24.75 करोड़ में बिकना है। स्टार्क को कोलकाता नाइट राइडर्स ने सबसे बड़ी बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल किया है। लेकिन स्टार्क अपने परिवार में अकेले खिलाड़ी नहीं हैं बल्कि उनके भारत ब्रेंडन ओलिंपियन हैं जबकि उनकी पत्नी एलिसा हीली ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तान हैं।

बचपन से खेलने लगे थे क्रिकेट

न्यू साउथ वेल्स में जन्मे स्टार्क को बचपन से ही क्रिकेट का शौंक था। उनके पतिन अंडर-10 क्रिकेट टीम के कोच और क्रिकेट क्लब बेराला के सेक्रेटी थे तथा स्टार्क के पहले कोच भी थे। शुरुआत में वह विकेटकीपर थे। 9 से 14 साल की उम्र तक विकेटकीपिंग के बाद एक दिन एक क्लब कोच ने उन्हें तेज गेंदबाजी करने को कहा जिसके बाद उन्होंने ऐसा ही किया। तेज गेंदबाजी में फोकस उन्हें आज सफलता ही अलग उंचाईयों पर ले गया है।

भाई ओलिंपियन

मिचेल स्टार्क के भाई ब्रेंडन स्टार्क भी खेलों

से जुड़े हैं। वे हाई जंप के खिलाड़ी हैं। ओलिंपिक और कॉमनवेल्थ जैसे खेलों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने 2018 के गोल्ड कॉस्ट कॉमनवेल्थ खेलों में गोल्ड मेडल भी जीता था।

पत्नी भी क्रिकेटर

मिचेल स्टार्क ने ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर एलिसा हीली से शादी की है। दोनों बचपन से एक दूसरे को पसंद करते थे। नौ साल की उम्र में दोनों जब अपनी-अपनी टीमों के लिए विकेटकीपिंग करते थे तब मिले थे और साथ थे। फिर 2016 में दोनों ने शादी कर ली। एलिसा बल्लेबाज हैं। 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में 160.4 कि.मी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करवाया नाम।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को लगा झटका, पूर्व टेस्ट कप्तान डीन एल्गर ने संन्यास का किया एलान

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व टेस्ट कप्तान डीन एल्गर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। वह भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के बाद क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। 36 साल के एल्गर ने अपने निर्णय के बारे में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका को बता दिया है। एल्गर से सीरीज शुरू होने से पहले ही झटका दिया है। हालांकि, वह भारत के खिलाफ दोनों टेस्ट खेलते दिखेंगे।

पहला टेस्ट सेंचुरियन में 26 दिसंबर से और दूसरा टेस्ट तीन जनवरी से केप टाउन में खेला जाएगा। दूसरे टेस्ट के बाद एल्गर के 12 साल लंबे करियर का अंत हो जाएगा। इस दौरान उन्होंने 80 से भी ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं और 5000 से भी ज्यादा रन बनाए हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में 17 मैचों में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी भी कर चुके हैं।

एल्गर ने एक भावुक पोस्ट में लिखा- जैसा कि सब कहते हैं कि सभी अच्छी चीजों का अंत हो जाता है और भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज मेरी आखिरी सीरीज होगी क्योंकि मैंने इस खूबसूरत खेल से संन्यास लेने का फैसला किया है। एक ऐसा खेल जिसने मुझे बहुत कुछ दिया है। केपटाउन टेस्ट मेरा आखिरी टेस्ट होगा। दुनिया में मेरे पसंदीदा स्टेडियम में आखिरी मैच खेलूंगा। यह वही स्टेडियम है जहां मैंने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट रन बनाए थे और वहीं मैं आखिरी टेस्ट भी खेलूंगा।

एल्गर ने कहा, 'क्रिकेट खेलना हमेशा से मेरा सपना रहा है लेकिन अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलना सबसे अच्छी बात रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 12 साल तक ऐसा करने का सौभाग्य प्राप्त करना मेरे सपने से परे है। यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है।

रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा के रहते हुए भारत के खिलाफ विशाखापत्तनम टेस्ट में खेली गई 160 रन की पारी ने उन्हें टेस्ट बल्लेबाज के रूप में स्थापित किया। इसके बाद उन्हें 2021 में टेस्ट कप्तानी सौंपी गई और उन्होंने वेस्टइंडीज में टेस्ट सीरीज भी जीती। उनकी जगह तेम्बा बावुमा को टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई।

संन्यास की घोषणा के समय एल्गर के नाम 84 टेस्ट में 37.28 की औसत से 5146 रन हैं, जिसमें 13 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। 199 उनका सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर रहा है। वहीं, आठ वनडे में 17.33 की औसत से 104 रन बनाए हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के लिए आठ वनडे भी खेले। वनडे का आखिरी मैच वह 2018 में खेले थे। एल्गर ग्रीम स्मिथ के साथ ओपनिंग भी कर चुके हैं।

क्या बीसीसीआई अब रोहित और विराट की 45 और 18 जर्सी रिटायर करेगा : सुनील गावस्कर

भारत के पूर्व खिलाड़ी और अपने समय के महानतम बल्लेबाजों में से एक सुनील गावस्कर को लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) जर्सी नंबर 45 और 18 को रिटायर कर देगा। दिग्गज खिलाड़ी ने कोहली और रोहित की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इन दोनों ने भारतीय क्रिकेट में बड़ा योगदान

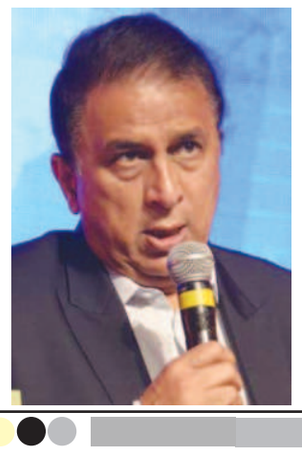

दिया है और भविष्य में उनके जर्सी नंबर के रिटायर होने पर उन्हें कोई आश्चर्य नहीं होगा।

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच तीसरे वनडे के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट और रोहित के प्रभाव पर टिप्पणी की। उन्हें यकीन है कि बीसीसीआई उनकी विदाई के बाद उनके जर्सी नंबर पर फैसला करेगा। गावस्कर ने कहा कि मैं नंबर 45 और नंबर 18 जर्सी को नंबर 7 और नंबर 10 जर्सी की तरह रिटायर होते हुए देख सकता हूं। विशेष रूप से, बीसीसीआई ने हाल ही में एमएस धोनी की नंबर 7 जर्सी को रिटायर कर दिया है। भारतीय क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने वर्तमान और आगामी खिलाड़ियों को सूचित किया कि अब नंबर 7 की जर्सी उपलब्ध नहीं होगी। इससे पहले दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड ने सचिन तेंदुलकर के सम्मान में 10 नंबर की जर्सी को रिटायर किया था।

हिंडनबर्ग के सामने इन कंपनियों ने लिखी अलग कहानी

फिसलने के बाद भी झंडे गाड़ रहे अडानी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां) कौन जानता था कि 19.6 लाख करोड़ रुपए का अडानी ग्रुप कुछ ही हफ्तों में 10 लाख करोड़ रुपए से नीचे आ जाएगा? कौन जानता था अडानी की कई कंपनियों के शेयर 50 फीसदी नहीं बल्कि 85 फीसदी तक नीचे आ जाएंगे? लेकिन ये हुआ जब हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट सामने आई। अडानी ग्रुप के शेयर ताश के पत्तों की तरह बिखरते हुए दिखाई दिए। उसके बाद किसी को यही था कि इसी साल अडानी ऐसा कम बैक करेंगे जैसा एनिमल में बॉबी देओल का देखने को मिला। जी हां ग्रुप अब 13.6 लाख करोड़ रुपए का हो चुका है। रिकवरी हुई है, लेकिन जनवरी के लेवल पर पहुंचने के लिए अभी 6 लाख करोड़ रुपए की जरुरत है।इस पूरी जर्नी में अडानी ग्रुप की 10 कंपनियों में से 2 कंपनियों ने सफलता की अलग अहानी को लिखा। जिसकी बदौलत

अडानी ग्रुप और गौतम अडानी इतना नीचे आने के बाद भी रुके नहीं बल्कि खड़े हुए और फिर से तेजी से दौड़ने लगे। जी हां, ये दो कंपनियां कोई और नहीं बल्कि अडानी पोर्ट और अडानी पॉवर है। आइए आज इन्हीं दो कंपनियों के शेयरों के बारे में बात करते हैं और बताते हैं कि आखिर इन कंपनियों के शेयर अपने रिकॉर्ड लेवल पर कैसे पहुंच गए?

इन दो कंपनियों ने किया कमाल

अडानी ग्रुप की अडानी पोर्ट और अडानी पॉवर ऐसे समय पर खड़ी हुई और रफ्तार पकड़ी जब बाकी कंपनियां दम तोड़ती हुई दिखाई दे रही थी। मौजूदा साल में अडानी पोर्ट का शेयर निवेशकों को 24 फीसदी का रिटर्न दे चुका है और कंपनी का शेयर 1029.65 रुपए पर पहुंच चुका है और कंपनी का मार्केट कैप 2,22,418.71 करोड़ रुपए पर है। जबकि 18 दिसंबर को कंपनी का शेयर 1100 रुपए के लेवल को पार कर गया था।वहीं दूसरी ओर अडानी पॉवर ने सफलता के अलग झंडे गाड़े हैं। इस दौरान कंपनी का शेयर 70 फीसदी तक उछल चुका है। आंकड़ों के अनुसार मौजूदा समय में कंपनी का शेयर 509.85 रुपए पर है। जबकि 28 फरवरी को कंपनी का शेयर 132.55 रुपए पर था। कंपनी का मार्केट कैप 1.96 लाख करोड़ रुपए पर आ चुका है। ऐसे में आप समझ सकते हैं कि ये दोनों कंपनियां ऐसे समय पर उठी जब ग्रुप से निवेशकों का विश्वास कम हो रहा था।

नहीं सताएगी खाद्य तेलों की महंगाई! सरकार ने एक साल के लिए और घटाया आयात शुल्क

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार ने खाद्य तेलों के आयात पर शुल्क एक साल के लिए और घटा दिया है। इससे खाद्य तेलों की कीमतों पर लगाम लगी रहेगी और लोगों का बजट नहीं बिगड़ेगा। केंद्र सरकार द्वारा महंगाई को कंट्रोल में रखने के लिए यह महत्वपूर्ण कदम है। इस कदम का मतलब हुआ कि आने वाले दिनों में आम लोगों को खाद्य तेलों की महंगाई नहीं सताने वाली है।

मार्च 2024 को थी फैसले की अंतिम तिथि

सरकार ने रिफाइंड सोयाबीन ऑयल और रिफाइंड सनफ्लॉवर ऑयल के लिए आयात शुल्क 17.5 फीसदी से घटाकर 12.5 फीसदी कर दिया था। यह फैसला मार्च, 2024 तक के लिए लागू किया गया था। आधिकारिक सूचना के मुताबिक, अब इस निर्णय की अंतिम तिथि को बढ़ाकर मार्च, 2025 कर दिया गया है।

कीमतें नियंत्रित रखने में बड़ी मदद मिलेगी

बेसिक इम्पोर्ट ड्यूटी किसी भी वस्तु की कीमत तय करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। खाद्य तेलों के इम्पोर्ट पर से यह शुल्क कम करने से घरेलू बाजार में इनकी कीमतें नियंत्रण में रखने में बड़ी मदद मिलेगी। घटी हुई इम्पोर्ट ड्यूटी एक साल और बढ़ने से घरेलू बाजार में खाद्य तेलों की कीमतें नहीं बढ़ पाएंगी और उपभोक्ताओं को फायदा पहुंचेगा। साथ ही महंगाई को भी नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

खाद्य तेलों के आयात में भारत दुनिया में पहले नंबर पर

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खाद्य तेल का उपभोक्ता है इसके अलावा खाद्य तेलों के आयात में यह दुनिया में पहले नंबर पर आता है। देश की कुल जरूरतों का 60 फीसदी हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। पाम आयल का बड़ा हिस्सा इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात होता है। भारत में सबसे ज्यादा खपत सरसों तेल, सोयाबीन और सनफ्लॉवर तेल की होती है।

नवंबर में तेजी से बढ़ी थी खुदरा महंगाई

नवंबर में खुदरा महंगाई तीन महीनों में सबसे ज्यादा बढ़ी थी। इसकी सबसे बड़ी वजह खाद्य वस्तुओं की कीमतों में आई तेजी थी। खाद्य महंगाई नवंबर में 8.70 फीसदी रही थी। इससे पिछले महीने में यह 6.61 फीसदी थी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, दालों की कीमतें सालाना आधार पर 10.27 फीसदी और सब्जियों की 17.7 फीसदी बढ़ी हुई थीं।

सस्ता हुआ कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर, 19 किलो के सिलेंडर में 39.50 रुपये की कटौती, जानिए अब कितने का मिलेगा

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। कमर्शियल एलपीजी के 19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमतों में प्रति सिलेंडर 39.50 रुपये की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 1757 रुपये होगी। बता दें कि बीते 1 दिसंबर को ही कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 21 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी। अब सरकार के इस कदम से रेस्तरां और होटल इंडस्ट्री को बड़ी राहत मिलेगी।

मुंबई, कोलकाता में भी बदली कीमत

मुंबई में 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1710 रुपये रहेगी। वहीं कोलकाता में 19 किलो के सिलेंडर की कीमत 1868.50 हो जाएगी। चेन्नई में यह कीमत 1929 रुपये होगी। बता दें कि राज्य स्तर पर टैक्स में अंतर के चलते कीमतों में यह बदलाव दिखता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सीपी) को एलपीजी की कीमतों के लिए बेंचमार्क माना जाता है। बीते हफ्ते सीपी ने बहुत ज्यादा सप्लाई के चलते एलपीजी के दामों में कमी की है। इसी के चलते घरेलू बाजार में भी कीमतों में गिरावट आई है। देश में सरकारी तेल कंपनियां इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन,

भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड हर महीने की पहली तारीख को कुकिंग गैस की कीमतें तय करती हैं। यह कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों को देखते हुए तय की जाती हैं। वहीं घरेलू एलपीजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसके बाद 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत 903 रुपये ही रहेगी। बता दें कि घरों की रसोई में घरेलू एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल किया जाता है और होटल इंडस्ट्री और रेस्तरां आदि में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं देश में रिकॉर्ड 21वें महीने भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

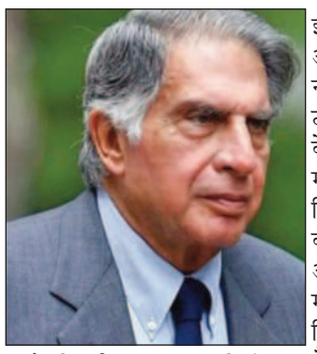

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने, ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-46
सूर्यास्त - 17-43
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - 07 -12 - तक उपरान्त द्वादशी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष, शनिवार 23 December
नक्षत्र - भरणी - 21- 18 - तक उपरान्त कृत्तिका
योग - शिव - 09 - 07- तक उपरान्त सिद्ध
करण- विष्टि - 07 -12 - तक उप- बव
विशेष:- मोक्षदा एकादशी व्रत वैष्णव निम्बार्क
व्रत -त्योहार - अखण्ड द्वादशी

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	धनु	में	धनु....	06-16	बजे
चंद्र-	मेष	में	मकर..	08-23	बजे
मंगल	वृश्चिक	में	कुंभ...	10-13	बजे
बुध-	धनु	में	मीन...	11-52	बजे
गुरु-	मेष	में	मेष--	13-27	बजे
शुक्र-	तुला	में	वृष--	15-12	बजे
शनि-	कुंभ	में	मिथुन..	17-12	बजे
राहु-	मीन	में	कर्क...	19-25	बजे
केतु-	कन्या	में	सिंह...	21-36	बजे
			कन्या..	23-43	बजे
			तुला....	01-49	बजे
			वृश्चिक.	04-00	बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:29 से 10:52 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:46 - 08:06	अशुभ	लाभ	17:43 - 19:24	शुभ
शुभ	08:06 - 09:29	शुभ	उत्पात	19:24 - 21:01	अशुभ
रोग	09:29 - 10:52	अशुभ	शुभ	21:01 - 22:38	शुभ
उत्पात	10:52 - 12:15	अशुभ	अमृत	22:38 - 24:15	शुभ
चंचल	12:15 - 13:38	शुभ	चंचल	24:15 - 01:52	शुभ
लाभ	13:38 - 15:01	शुभ	रोग	01:52 - 03:30	अशुभ
अमृत	15:01 - 16:24	शुभ	काल	03:30 - 05:07	अशुभ
काल	16:24 - 17:43	अशुभ	लाभ	05:07 - 06:46	शुभ

कभी इस बिजनेस को बेचने निकले थे रतन टाटा

अब बन चुकी है 2.41 लाख करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां) रतन टाटा का विजन काफी क्लीयर रहा है. उन्होंने पहले फैसला किया, उसके बाद उस फैसले को पूरी दुनिया के सामने सही साबित करके दिखाया. उसके बाद चाहे वो कभी—कभी ईसान को मजबूरी में भी कुछ फैसले लेने पड़ते हैं. रतन टाटा ने भी अपनी ऑटो कंपनी टाटा मोटर्स को बेचने का फैसला किया था. 90 के दशक में इंडिका के फ्लॉप होने के बाद रतन टाटा इसे बेचने के लिए अमेरिका तक चले गए थे. फोर्ड को कंपनी बेचने का फैसला कर लिया था, लेकिन वहां कुछ ऐसा हुआ कि उन्होंने कंपनी नहीं बेची और आज वो ही टाटा मोटर्स 2.41 लाख करोड़ रुपए की कंपनी बन चुकी है. लखटकिया कार निकाल चुकी है. आज टाटा की गाड़ियां देश में पसंदीदा ब्रांड बन चुका है. ईवी सेक्टर में टाटा मोटर्स सबसे आगे है.अगर बात निवेशकों के नजरिए से करें तो साल 2023 टाटा मोटर्स और इसके निवेशकों के लिए काफी अच्छा गुजरा है. मौजूदा साल में कंपनी का शेयर निवेशकों को करीब 90 फीसदी का रिटर्न दे चुका है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मौजूदा समय में कंपनी का शेयर कितने रुपए पर कारोबार कर रहा है और आने वाले दिनों में कितने रुपए पर जा सकता है. इससे पहले 90 के दशक में घूम लेते हैं और समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर रतन टाटा टाटा मोटर्स को बेचना क्यों चाहते थे और अमेरिका से फोर्ड को बिना बेचे वापस क्यों आ गए?

जब बिजनेस को बेचने का किया फैसला

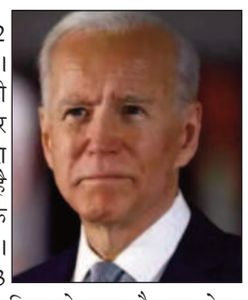

90 के दशक में रतन टाटा ने टाटा मोटर्स के बैनर तले टाटा इंडिका को लॉन्च किया, लेकिन कार फ्लॉप हो गई. रिस्पांस काफी खराब था. कंपनी को घाटा होने लगा. उसके बाद रतन टाटा ने पैसेंजर कार बिजनेस को बेचने का फैसला किया. जिसके उन्होंने अमेरिकी कार मेकर फोर्ड मोटर्स से काम की. उसके लिए उन्होंने बिल फोर्ड से बात की. बिल फोर्ड ने उस वक्त रतन टाटा का मजाक उड़ाते हुए कहा था कि जब उन्हें इस बिजनेस के बारे में जानकारी नहीं थी तो उन्होंने इसकी शुरुआत क्यों की? फोर्ड ने उस समय यह तक कह डाला था कि वो इस बिजनेस को खरीदकर टाटा पर अहसान करेंगे.

बिना बेचे आ गए वापस और शुरू हुआ नया सफर

बिल फोर्ड की बातें रतन टाटा को तीर की तरह चुभ गई. इस मुलाकात में रतन टाटा बिजनेस को बिना बेचे वापस आए और ऑटो कंपनी को दोबारा से खड़ा करने में जुट गए. और दुनिया को दिखा दिया कि सफलता की पहली सीढ़ी की असफलता है. आज टाटा मोटर्स जिस मुकाम पर है, उसे बताने की जरुरत नहीं है. टाटा मोटर्स इंडिया ऑटो सेक्टर खासकर पैसेंजर व्हीकल में बड़ा नाम कमा चुकी है. ईवी सेक्टर में तो उसका कोई सानी ही नहीं है. लगातार टाटा मोटर्स ईवी पर अपना फोकस बढ़ा रही है. टाटा मोटर्स को पता है कि आने वाले दिनों में उसकी टक्कर टेस्ला जैसी बड़ी कंपनियों से होने वाली है.अब बात जरा निवेशकों के नजरिये से करते हैं. टाटा मोटर्स और उसके निवेशकों के लिए साल 2023 काफी बेहतरीन साबित हुआ है।

केंद्र ने राज्यों को कर मद से अतिरिक्त 72,961 करोड़ रुपए जारी किए

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि केंद्र सरकार ने विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं और बुनियादी ढांचा विकास के वित्तपोषण के लिए राज्य सरकारों को 72,961.21 करोड़ रुपये की अतिरिक्त किस्त जारी करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया है कि यह किस्त 10 जनवरी 2024 को राज्यों को देय कर हस्तांतरण किस्त और 11 दिसंबर 2023 को पहले ही जारी की गई 72,961.21 करोड़ रुपये की किस्त से अलग है।

ब्याज चुकाते-चुकाते निकल जाएगा अमेरिका का दम... रोज देना पड़ रहा है 1.8 अरब डॉलर का इंटरेस्ट

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी अमेरिका पर मंदी का खतरा फिलहाल टल गया है लेकिन देश कर्ज के जाल में डूब गया है। देश का कुल कर्ज 33 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो चुका है। यह देश की जीडीपी का करीब 123 परसेंट है। पिछले तीन साल में देश का कर्ज 10 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है। हालत यह हो गई है कि अमेरिका को रोज 1.8 अरब डॉलर का इंटरेस्ट चुकाना पड़ रहा है। तीन साल में इंटरेस्ट भी दोगुना हो चुका है। 2020 में देश रो रोजाना 90 करोड़ डॉलर का इंटरेस्ट चुकाना पड़ रहा था। माना जा रहा है कि अगले कुछ साल में अमेरिका का डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 200 परसेंट तक पहुंच जाएगा। यानी उसका कर्ज उसकी इकॉनमी से दोगुना पहुंच जाएगा। दुनिया में सबसे ज्यादा डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 269 परसेंट जापान में है। इस देश पर जीडीपी से ढाई गुना ज्यादा कर्ज है। इसकी वजह यह है कि जापान में बुजुर्गों की आबादी ज्यादा है और सोशल वेलफेयर लागत ज्यादा है। दूसरे नंबर पर ग्रीस है। इसका डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 197 परसेंट है। इसके बाद सिंगापुर (165%) और इटली (135%) का नंबर है।

पुर्तगाल, फ्रांस, स्पेन और बेल्जियम में भी यह 100 परसेंट से अधिक है। यानी इन देशों का कर्ज उसके जीडीपी से अधिक है। इस बीच अमेरिका का इकॉनमी तीसरी तिमाही में उम्मीद से कमतर रही। जुलाई से सितंबर के दौरान देश की जीडीपी ग्रोथ 4.9 परसेंट रही। हालांकि दूसरे अनुमान में इसके 5.2 परसेंट रहने का अनुमान जताया गया था।

बैंकिंग स्टॉक्स में मुनाफावसूली के बावजूद शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ हुआ बंद

आईटी - ऑटो स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां) इस हफ्ते भारी उतार चढ़ाव देखने के बाद आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद हुआ है। आज के ट्रेड में आईटी, ऑटो स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार में ये तेजी देखने को मिली है। मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में आज भी खरीदारी रही। बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 242 अंकों के उछाल के साथ 71,106 अंकों पर बंद हुआ है। सेंसेक्स फिर से 71,000 के ऊपर आने में कामयाब रहा। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 76 अंकों के उछाल के साथ 21,331 अंकों पर बंद हुआ है। बाजार में अब सीधे 26 दिसंबर को कारोबार होगा। 25 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी के चलते बाजार बंद रहेगा। आज के कारोबार में बैंकिंग स्टॉक्स और उसके इंडेक्स को छोड़कर बाकी सभी सेक्टर्स के स्टॉक्स में शानदार तेजी देखने को मिली है। निफ्टी आईटी 800 के उछाल के साथ बंद हुआ है। जबकि ऑटो, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, रियल एस्टेट, मीडिया, एनर्जी, कमोडिटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस सेक्टर्स के स्टॉक्स में भी तेजी रही है। मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में रौनक बरकरार है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 स्टॉक्स तेजी के साथ और 14 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 39 शेयर तेजी के साथ और 11 गिरकर क्लोज हुए। शेयर बाजार में तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति में इजाफा देखने को मिला है।

बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 356.53 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले सत्र में 354.25 लाख करोड़ रुपये रहा था। आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 2.28 लाख करोड़ रुपये का उछाल रहा है। आज के ट्रेड में विप्रो 6.59 फीसदी एचसीएल टेक 2.83 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.24 फीसदी, मारुति सुजुकी 2.01 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि एसबीआई 1.13 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.93 फीसदी गिरकर क्लोज हुआ है।

2 मिनट में एलआईसी ने भर दी झोली, पैसा लगाने वालों को हुआ 35000 करोड़ का फायदा

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)।यहां हम एलआईसी की किसी पॉलिसी की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि उसके शेयर की बात कर रहे हैं। जो आज बाजार खुलते ही 52 हफ्तों के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया। जिसकी वजह से एलआईसी के शेयरों में निवेश करने वाले निवेशकों की चांदी हो गई। कंपनी निवेशकों को दो मिनट में 35 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का फायदा हुआ। वास्तव में एलआईसी के लिए केंद्र सरकार 25 फीसदी शेयर होल्डिंग को पब्लिक करने के नियम में 10 साल की छूट दे दी है। यह छूट सिर्फ एलआईसी को एक बार के लिए ही मिली है एलआईसी को यह छूट इसलिए मिली है, ताकि कंपनी के शेयर लिस्टिंग प्राइस के लेवल पर आ जाएं।

कंपनी शेयर होल्डिंग नियमों के तहत 25 फीसदी शेयर पब्लिक करने पड़ते हैं। अभी तक कंपनी के सिर्फ 3.5 फीसदी शेयर ही पब्लिक हुए हैं। अभी भी 21.5 फीसदी शेयरों को पब्लिक करना बाकी है। सरकार ने नियमों में छूट देते हुए कहा है कि अपने लिस्टिंग ईयर से 10 साल तक शेयर होल्डिंग को पब्लिक करने के नियमों में छूट दी गई है। जिसकी वजह से आज कंपनी के शेयर में जबरदस्त इजाफा देखने को मिला है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मौजूदा समय में कंपनी के शेयर किस लेवल पर पहुंच गए हैं?

भारतीय स्टार्टअप्स में 35 हजार से ज्यादा नौकरियां गईं, 2024 में भी छंटनी रहेगी जारी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले दो साल में भारतीय स्टार्टअप्स में 35,000 से ज्यादा लोगों ने नौकरी से हाथ धोया हैं, और 2024 में भी नौकरियों में कटौती बेरोकटोक जारी रहने की संभावना है। 2022 में बायजू, ओला, अनएकेडमी, ब्लिंकिट और वाइटहैट जूनियर, स्किल-लिंक, गो मैकेनिक, शेयर चैट और जेस्टमनी जैसे प्लेयर्स के नेतृत्व में भारतीय स्टार्टअप्स ने 18,000 से ज्यादा कर्मचारियों को निकाल दिया। इंक42 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में 17,000 से ज्यादा लोग पहले ही अपनी नौकरियां खो चुके हैं और यह लिस्ट बढ़ती ही जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शेयरचैट ने रणनीतिक पुनर्गठन के तहत 200 कर्मचारियों या अपने कार्यबल के लगभग 15 प्रतिशत को नौकरी से निकाल दिया है। गेम स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म लोको ने अपने कर्मचारियों की कुल संख्या 110 में से लगभग 36 प्रतिशत या 40 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। गूगल समर्थित एडटेक प्लेटफॉर्म अड्डा247 ने विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 250-300 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। एन्ट्रैकर ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा, दिसंबर 2021 में कंपनी द्वारा लगभग 20 मिलियन डॉलर में अधिग्रहित यूपीएससी-केंद्रित एडटेक प्लेटफॉर्म स्टडीआईक्यू से लगभग 100 से 150 कर्मचारियों को निकाल दिया गया था।

सोना 300 रुपये चढ़ा चांदी 400 रुपये उछली

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां) विदेशी बाजारों में तेजी के रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने के भाव 300 रुपये की तेजी के साथ 63,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 63,050 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी भी 400 रुपये उछलकर 79,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 79,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी तेजी के साथ क्रमशः 2,050 डॉलर प्रति औंस और 24.45 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करते दिखे। इस दौरान कॉमेक्स पर सोने का हाजिर भाव 13 डॉलर की तेजी के साथ 2,050 डॉलर प्रति औंस हो गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में जिंसों के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, "अमेरिकी वृद्धि दर के तीसरी तिमाही में निचले स्तर पर आने के बाद डॉलर सूचकांक अगस्त की शुरुआत के बाद से सबसे निचले स्तर पर आ गया इससे सोने और चांदी की कीमतों में इजाफा दिखा।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे। आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं। आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आपका मूड हल्का फुल्का और नाटकीय बना रहेगा और आज आप हर खुबसूरत चीज से प्रभावित होंगें। इससे आपका कुछ अनावश्यक खर्च भी हो सकता है।आज आप जो भी करेंगे,उसमें सौन्दर्यबोध का काफी असर रहेगा।आज सुन्दरता से सम्बंधित कोई उपचार ले सकते हैं,पूरे दिन हंसी मजाक वाले मूड में रहेंगे और इससे कार्यस्थल पर भी माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है। आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे। ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे।

कर्क — ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें। हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा। आपको धीरज से काम लेना होगा।

सिंह — मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,

आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं।प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें। अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें। अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें।आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी।

कन्या — टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो,

दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी। लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें। हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। आपने निरंतर प्रयास किये हैं,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा। समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें।

तुला — रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,

आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे। अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे। आपके लिए रोमांचक समय है। आपको किसी का ध्यान अपनी और खीचने की जरुरत नही है।

वृश्चिक — तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,

आज आप अपने घर की साज सज्जा,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं। हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे। अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा। हालांकि अपनी भावनाओं को बोलकर व्यक्त करने से आपकी बात अधिक सार्थक लगेगी।

धनु — ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है। आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी। अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा। आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे। आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं,लेकिन आपको भविष्य की बेहतरी के लिए वर्तमान समय में कुछ आरामों को छोड़ना होगा।

कुंभ — गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है। आप आज शांत किन्तु दृढ हैं।आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं। कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है। घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे। बोद्धिक उन्नति होगी,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी।

मीन — दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची

आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा। इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा। अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें। आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

30 दिन बाद राममंदिर का उद्घाटन, अयोध्या कितनी बदली

5 लाख की भीड़ मैनेज करने की तैयारी, घर होटलों में बदल गए

अयोध्या, 22 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। आज से ठीक एक महीने बाद अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होगी। वक्त कम है, इसलिए अयोध्या को संवारने का काम तेजी से चल रहा है। सड़कें, चौराहे, राम की पैड़ी से लेकर सरयू के घाटों तक, हर कोना सजाया जा रहा है।

इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम 95% पूरा हो गया है। रेलवे स्टेशन भी मंदिर के लुक में तैयार हो रहा है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, पुणे, कोलकाता, नागपुर, लखनऊ, जम्मू समेत देश के कई इलाकों से अयोध्या के लिए एक हजार ट्रेनें चलेंगीं। इस दौरान लाखों लोग अयोध्या आएंगे, इसलिए लोगों ने घरों में होटल खोल लिए गए हैं। मंदिर के आसपास की दुकानों पर बिक्री 60% तक बढ़ गई है।

अयोध्या में इस वक्त हर जगह कंस्ट्रक्शन चल रहा है। सआदतगंज से लता मंगेशकर चौराहे को जोड़ने वाली सड़क पर बिड़ला धर्मशाला के सामने से राम जन्मभूमि पथ शुरू होता है। पथ के एंट्री पॉइंट पर दो बड़े खंभे बनाए जा रहे हैं। सड़क के बीच में सफेद रंग का शेड बनकर लगभग तैयार है। इस पर राजस्थान से मंगवाए गए मार्बल का काम चल रहा है। आसपास की दीवारों पर भी रामलला की जिंदगी से जुड़े किरदारों को उकेरा जा रहा है।

राम मंदिर के एंट्री पॉइंट से कुछ कदम आगे सिक्योरिटी पॉइंट बना है। इससे पहले लॉकर रूम है। दर्शन से पहले इसी लॉकर रूम में मोबाइल और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सामान जमा कराए जाते हैं। सिक्योरिटी पॉइंट के आगे एक सुई भी नहीं ले जा सकते। पेन लेकर निकल रहे एक व्यक्ति को सिक्योरिटी पॉइंट पर रोक दिया गया। उनका पेन भी रखवा लिया गया। यहां से आगे बढ़ते ही अस्थायी राम मंदिर का रास्ता है। रामलला के दर्शन करने आए भक्त सामने बन रहे भव्य राममंदिर का कंस्ट्रक्शन वर्क देख रहे थे। अस्थायी मंदिर के पास ही रेलिंग लगी है, जहां से राम मंदिर देख सकते हैं।

घरों को होटल में बदला, एक दिन का किराया 1200 रुपए

राम मंदिर की वजह से कई बड़े होटल ग्रुप्स अयोध्या आने की तैयारी में हैं। 10-12 बड़े ग्रुप अयोध्या आ भी चुके हैं। अयोध्या के किसी बड़े होटल में रूम खाली नहीं है। अयोध्या में बड़े होटलों के आसपास, जिनके घर मेन रोड पर हैं, उन्होंने घरों को होटल में बदल दिया है। ऐसे होटल का किराया 1200 रुपए तक है। मकान मालिक सारांश शुक्ला बताते हैं, 'हमारी किराने की दुकान है। अब राम मंदिर बन रहा है, इसलिए घर के फर्स्ट फ्लोर पर 10 कमरे निकाले हैं। मंदिर का अभी उद्घाटन नहीं हुआ, लेकिन कमरे किराए पर जा रहे हैं।' ऐसी ही कहानी लड्डू, चूड़ी, कंगन बेचने वालों की भी है। हनुमान गढ़ी में घूमते हुए विकास गुप्ता मिले। उनके पिता भी लड्डू बेचते हैं। विकास बताते हैं कि हनुमान गढ़ी में दर्शन करने के लिए पहले से ज्यादा लोग आ रहे हैं। इसका असर दुकानदारों के कारोबार पर भी दिख रहा है।

धर्मेश की चूड़ी की दुकान है। वे बताते हैं, 'पहले रोज 200-300 रुपए कमा पाता था। अब 1200 से 1500 रुपए कमा लेता हूं। अब बस मंदिर के उद्घाटन का इंतजार है।'

अयोध्या में सिर्फ राम मंदिर ही नहीं बन रहा, बल्कि पूरी अयोध्या ही बदल रही है। यहां 30,923 करोड़ रुपए के 200 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। 37 डिपार्टमेंट इन प्रोजेक्ट को पूरा करने में जुटे हैं।

यूपी हाउसिंग एंड डेवलपमेंट बोर्ड ने 1200 एकड़ में न्यू अयोध्या टाउनशिप डेवलप करने का प्लान बनाया है। यहां स्टेट गेस्ट हाउस, रेसिडेंशियल अपार्टमेंट के अलावा होटल्स भी बनेंगे। सीवेज सिस्टम डेवलपमेंट, वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट, नए पावर स्टेशंस के साथ ही अंडरग्राउंड केबलिंग का काम भी हो रहा है। 22 जनवरी 2024 से पहले ज्यादातर काम पूरा करना है, इसीलिए रात में भी कंस्ट्रक्शन वर्क चल रहा है। राम मंदिर के आसपास बनी दुकानों को भगवा रंग से रंगा जा रहा है। सरकार अपने खर्च पर दुकानों की रंगाई-पुताई करवा रही है। इसका मकसद है कि पूरी अयोध्या एक जैसी नजर आए। मंदिर से चंद कदम पहले लता मंगेशकर के नाम पर चौराहा बनाया गया है।

अयोध्या में 5 लाख लोगों को संभालने की तैयारी

अयोध्या को एयर, रेल और रोड तीनों से कनेक्ट किया जाएगा। सभी के प्रोजेक्ट अलग-अलग चल रहे हैं। अनुमान है कि राम मंदिर के उद्घाटन के बाद हर रोज 2 लाख श्रद्धालु अयोध्या आएंगे। खास मौकों पर ये संख्या 5 लाख से ज्यादा हो सकती है। ऐसे में सड़कों की कनेक्टिविटी भी 5 लाख लोगों की भीड़ संभालने लायक की जा रही है।

लखनऊ-गोरखपुर हाईवे पर 'मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इंटरनेशनल एयरपोर्ट' बन रहा है। फर्स्ट फेज का 95% काम पूरा हो चुका है। एयरपोर्ट के लिए सरकार ने 821 एकड़ जमीन ली थी। एयरपोर्ट का हर हिस्सा ऐसे तैयार हो रहा है कि पैसेंजर्स के आते ही शहर की झलक दिखने लगे। शुरुआत में यहां 60 पैसेंजर वाले छोटे प्लेन लैंड करेंगे, लेकिन 2025 तक एयरपोर्ट का फाइनल फेज पूरा होने के बाद बड़े बोइंग भी लैंड कर सकेंगे।

एयरपोर्ट के बाद शहर का दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट अयोध्या स्टेशन है। इसके डेवलपमेंट पर 620 करोड़ रुपए खर्च होंगे। रेलवे देश के अलग-अलग हिस्सों को अयोध्या से जोड़ने के लिए करीब 1000 ट्रेनें चलाएगा। अयोध्या कैंट रेलवे जंक्शन को दो फेज में तैयार किया जा रहा है। जंक्शन के पैसेंजर टर्मिनल बिल्डिंग को राम मंदिर का लुक दिया गया है। पहले फेज में 3,645 स्क्वायर मीटर एरिया में तीन मंजिला बिल्डिंग तैयार की जा रही है। रेलवे स्टेशन पर ड्रॉप-जोन अलग से बनाया जा रहा है। खराब मौसम होने पर यात्री यहां रुक भी सकेंगे। 6 मीटर चौड़े दो फुटओवर ब्रिज, रेसिडेंशियल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, प्लेटफॉर्म नंबर 1, 2 और 3 का ब्यूटिफिकेशन, डॉरमेट्रीज, टिकट विंडो तैयार हो चुके हैं। 2025 तक जंक्शन का काम पूरा करने का टारगेट है।

राम मंदिर तक पहुंचने के 3 पाथ-वे

राम मंदिर तक कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए 3 पाथ-वे राम जन्मभूमि पथ, भक्ति पथ, रामपथ कॉरिडोर बन रहे हैं। तीनों पाथ-वे को अगले महीने तक पूरा करना है। इसके लिए एक हजार से ज्यादा वर्कर्स दिन-रात काम में जुटे हैं। रामपथ के लिए 800 से ज्यादा घर और दुकानें हटाई गई हैं। यूपी सरकार पंचकोसी मार्ग को भी चौड़ा कर रही है। ये अयोध्या सिटी के बाहरी हिस्से से गुजरता है। इस प्रोजेक्ट के लिए 2600 से ज्यादा घरों और कॉमर्शियल बिल्डिंगों को तोड़ा गया है। 5 अगस्त, 2020 से अयोध्या में राम मंदिर का भूमि पूजन हुआ था। तब से जमीन की कीमतें 10 गुना तक बढ़ गई हैं। जमीन की खरीदारी किस हद तक हुई है, इसका अंदाजा रजिस्ट्री के आंकड़ों से लगा सकते हैं। नवंबर, 2023 में यूपी में सबसे ज्यादा रेवेन्यू अयोध्या से आया है। अप्रैल से नवंबर के बीच 30 से ज्यादा सेल डीड्स अयोध्या में रजिस्टर्ड हुई हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के मुताबिक, मंदिर के 5 से 10 किमी के दायरे में आने वाली जमीनों के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। जमीनें 2 हजार रुपए स्क्वायर फीट से लेकर 18 हजार रुपए स्क्वायर फीट तक की कीमत पर बिक रही हैं। कॉमर्शियल प्रॉपर्टी में तो शुरुआती रेट ही 4 हजार रुपए स्क्वायर फीट है। अयोध्या में कई टाउनशिप, प्राइवेट होटल्स अपने प्रोजेक्ट शुरू करने वाले हैं। इसके लिए सरकार ने चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग, रिंगरोड और लखनऊ-गोरखपुर हाईवे पर जमीनें सैंक्शन की हैं। दिसंबर के आखिर तक अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी हाउसिंग स्कीम भी शुरू करने वाली है। इस स्कीम के तहत 80 एकड़ के एरिया में प्लॉट, फ्लैट, कॉमर्शियल प्रॉपर्टी डेवलप की जाएंगी। इसके लिए लखनऊ-गोरखपुर हाईवे पर 95% जमीन एक्वायर की जा चुकी है। अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी के सेक्रेटरी सत्येंद्र सिंह बताते हैं, 'अयोध्या में एक साथ बहुत सारे प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। टेंट सिटी बन रही है। 35 एकड़ में मल्टीलेवल पार्किंग का काम भी चल रहा है। रामलला की जिंदगी से जुड़ी कहानियों पर वॉल पेंटिंग बनाई जा रही हैं। ये सभी काम 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के पहले पूरे कर लिए जाएंगे।

पूरा मंदिर तैयार होने में 2 साल और लगेंगे

आखिर में हम श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय से मिले। चंपत राय ही राम मंदिर निर्माण से जुड़ी हर ऑफिशियल जानकारी देते हैं। वे 2020 से श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव हैं। वे राम मंदिर केस की सुनवाई के दौरान मुख्य पैरोकार और पक्षकार भी रहे हैं। वे कहते हैं, 'उद्घाटन की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। गर्भगृह का काम पूरा हो चुका है। हालांकि, पूरा मंदिर तैयार होने में करीब 2 साल और लगेंगे। हम चाहते हैं लोग 22 जनवरी को आनंद उत्सव के रूप में मनाएं। वे अयोध्या न आएं, अपने घर के आसपास ही किसी मंदिर में उत्सव मनाएं।'

ट्रस्ट के मुताबिक, 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्घाटन के अगले दिन, यानी 23 जनवरी से श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर पाएंगे। उद्घाटन में आ रहे लोगों के रुकने के लिए रैनबसेरा बनाए जा रहे हैं। मणि पर्वत के पास 3500 से ज्यादा संतों के ठहरने का इंतजाम किया गया है।

नक्सलियों ने 2 यात्री बसों में लगाई आग

बीजापुर-उसूर रोड काफी देर तक बाधित रहा, आवापल्ली से रायपुर जा रही थी गाड़ियां

बीजापुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने उसूर ब्लॉक में 2 यात्री बसों को आग के हवाले कर दिया। एक बस को आवापल्ली के नजदीक दुग्गईगुड़ा के पास फूंका है तो दूसरी बस को तिमापुर के पास जला दिया है। नक्सलियों की इस वारदात के बाद उसूर-बीजापुर सड़क बाधित हो गया था। हालांकि, देर रात मौके पर पहुंचे जवानों ने मार्ग बहाल करवाया। मामला आवापल्ली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, गुरुवार की शाम आवापल्ली से रायपुर के लिए बसें निकली थी। वहीं दुग्गईगुड़ा और तिमापुर के नजदीक पहले से ही नक्सली मौजूद थे। इनमें से एक बस जब तिमापुर के पास पहुंची तो नक्सली अचानक बस के सामने आ गए। इन दोनों जगहों पर बसों को रुकवाया। यात्रियों को नीचे उतरने को कहा। जिसके बाद फौरन बसों के डीजल टैंक तोड़कर आग लगा दी। वारदात के बाद सारे नक्सली जंगल की तरफ लौट गए। नक्सलियों के जाने के बाद बस चालकों और यात्रियों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। खबर मिलते ही जवानों को मौके के लिए रवाना किया गया था। नक्सलियों की इस करतूत से मार्ग बाधित हो गया था। वहीं जब जवान मौके पर पहुंचे तो उन्होंने सभी यात्रियों को सुरक्षाबलों के कैंप लाया। फिर किसी तरह से सभी को अलग-अलग व्यवस्था से बीजापुर पहुंचाया गया। इलाके की सर्चिंग की गई। देर रात मार्ग बहाल किया गया। इसके अलावा नक्सलियों ने बीच सड़क पर लकड़ियां भी जलाई थी। ताकि, मौके पर जल्द ही कोई भी पुलिस फोर्स न पहुंच सके। साथ ही भारी संख्या में बैनर-पोस्टर भी चस्पा कर रखे थे। जवानों ने किसी तरह लकड़ियों को हटाया और मार्ग बहाल किया।

नक्सलियों ने गुरुवार की दोपहर बीजापुर जिले के एक गांव में मोबाइल टावर में भी आगजनी की थी। जिससे उस क्षेत्र में नेटवर्क ठप हो गया। वहीं शाम को दो बस में आग लगाकर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है। एक दिन पहले बीजापुर-भैरमगढ़ के बीच भी नक्सलियों ने पेड़ काटकर मार्ग बाधित कर दिया था।

सांवले रंग के कारण पत्नी को नहीं करता था पसंद

पति की तलाक अर्जी को कोर्ट ने किया खारिज

बिलासपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने तलाक के एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए पति की याचिका खरिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि किसी भी पति को पत्नी से सिर्फ इसलिए अलग होने की छूट नहीं दी जा सकती, कि वह सांवले रंग के कारण पत्नी को पसंद नहीं करता।

दरअसल बलौदा बाजार जिले की फैमिली कोर्ट ने पति की तलाक की याचिका खारिज कर दी थी। इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट में अपील की थी। जस्टिस गौतम भादुड़ी व जस्टिस दीपक कुमार तिवारी की खंडपीठ ने कहा, सांवले रंग के मुकाबले गोरी त्वचा को प्राथमिकता देने की समाज की मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए पति को प्रोत्साहन नहीं दिया जा सकता। समाज में रंग के आधार पर महिलाओं के साथ भेदभाव खत्म करने की जरूरत है।

कोर्ट ने इस बात पर चिंता जताई कि सांवली महिलाओं को गोरी महिलाओं के मुकाबले कमतर आंका जाता है। पति की दलील थी कि पत्नी ने बिना कारण उसका घर छोड़ दिया और कई प्रयासों के बावजूद वापस नहीं आई। दूसरी तरफ पत्नी ने कोर्ट को बताया कि पति रंग को लेकर उसका मजाक उड़ाता था और उसके लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करता था। उसके अत्याचारों से त्रस्त होकर वह अलग रहने लगी। कोर्ट ने सांवली त्वचा के कारण पत्नी से तलाक की अर्जी पर सुनवाई के दौरान फेयरनेस क्रीम इंडस्ट्री को भी टारगेट किया।

साय कैबिनेट को मिले नौ मंत्री राज्यपाल ने दिलाई शपथ

पूर्व सीएम रमन सिंह ने दी बधाई

रायपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। आज छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय के नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। इस दौरान डिप्टी सीएम अरुण साव ने अमर उजाला से बातचीत के दौरान कहा कि एक बेहद संतुलित टीम बनी है। इसमें नए पुराने नेताओं का मिश्रण है। जहां अनुभवी और दिग्गज नेता शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर प्रतिभावान और ऊर्जावान युवाओं को मंत्रिमंडल में मौका दिया गया है। एक मजबूत टीम के रूप में काम करेंगे। छत्तीसगढ़ की जनता की आकांक्षा और उम्मीदों पर खरा उतरने का कार्य करेंगे। पीएम मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम करेंगे एक खुशहाल और समृद्ध छत्तीसगढ़ के लिए कार्य किया जाएगा। वहीं कैबिनेट विस्तार पर छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि सभी नौ मंत्रियों को बधाई। सभी अच्छा काम करेंगे और घोषणापत्र का क्रियान्वयन करेंगे। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मोदी की गारंटी को पूरा करने का कार्य किया जाएगा, जिस संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने चुनाव जीता है उसे पूरा करने के लिए कार्य किया जाएगा। आदिवासियों को लेकर बीजेपी की स्पष्ट नीति रही है। आदिवासी नेता को ही प्रदेश का सीएम बनाया गया है। पहली बार प्रदेश में किसी आदिवासी नेता को सीएम बनाया गया है। बृजमोहन अग्रवाल ने मंत्री पद की शपथ लेने के बाद कहा कि वह चार बार मंत्री रह चुके हैं और अपने सभी दायित्वों का पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ पूरा किया है।

कांके का न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री

रांची, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में ठंड का असर बरकरार है। सुबह और शाम ठंड लग रही है। कनकनी बरकरार है। इसी बीच मौसम करवट ले रहा है। राज्य में पश्चिमी विक्षोभ का असर हुआ है। इसी वजह से आसमान में बादल छाए हुए हैं। बादल छाने से आज से ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी। आसमान में छाए बादल की वजह से रांची का तापमान एक डिग्री चढ़ा है। अभी राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेसि दर्ज किया गया है। बीते दो दिनों से रांची का तापमान 9.4 डिग्री के आसपास रहा है। इसके बाद भी कांके का तापमान 4.2 डिग्री सेसि है। राज्य में पश्चिमी विकशॉप के असर की वजह से तापमान में बढ़ोतरी हुई है। राजधानी रांची समेत पूरे झारखंड में सुबह से ही आंशिक बादल छाए हुए हैं। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि अगले दो दिनों से तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की बढ़ोतरी होगी। संभावना है कि रात में उमस लग सकती है। मौसम विभाग के अनुसार दिसंबर के अंत और जनवरी में एक बार फिर कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। शीतलहर भी चल सकती है।

राजधानी रांची सहित आसपास के जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क बना रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री चाईबासा का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस गढ़वा का रिकार्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के मुताबिक रांची और आसपास के जिलों में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है।

26 से 31 दिसंबर तक सभी स्कूल रहेंगे बंद

रांची, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में बढ़ती ठंड और शीतलहरी को देखते हुए सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य में संचालित सभी कोटि के सरकारी, गैर सरकारी सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक स्कूल समेत सभी निजी स्कूल बंद रहेंगे।

जारी आदेश में कहा गया है कि 26 दिसंबर से 31 दिसंबर तक स्कूल बंद रहेंगे। वहीं, जारी आदेश में कहा गया है कि बोर्ड की परीक्षाओं को देखते हुए क्लास 10 से लेकर 12वीं तक की कक्षाएं स्कूल प्रबंधन संचालित करेंगे। इस आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। इस आदेश पर विभागीय सचिव के रवि कुमार ने अपना अनुमोदन दे दिया है।

आठ साल के बच्चे का शव बरामद

घर से चार किमी दूर जोरिया में औंधे मुंह पड़ा था शव, नौ दिनों से परिजन कर रहे थे तलाश

जामताड़ा, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जामताड़ा जिले के मिहिजाम थाना क्षेत्र के महुलबना गांव के नजदीक आठ साल से बच्चे का शव बरामद किया गया है। गांव से कुछ दूरी पर स्थित जोरिया के पानी में बच्चे का शव औंधे मुंह पड़ा हुआ था। बच्चे का नाम अर्जुन है। शव मिलने की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। बच्चा यहां तक कैसे पहुंचा। इसकी हत्या हुई या इसके पीछे की वजह क्या है, इसकी तमाम जानकारी पुलिस जुटाने में लगी है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए जामताड़ा भेज दिया गया है।

दिव्यांग था आठ साल का अर्जुन

परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक आठ साल का अर्जुन मूक-बधिर बच्चा था। वह बीते नौ- दस दिनों से लापता था। पुलिस तलाश कर रही थी। वहीं परिजन भी अपने स्तर से बच्चे की तलाश कर रहे थे, लेकिन बच्चा नहीं मिला। आज जोरिया के पास शव मिला है। बच्चे का घर घटना स्थल से चार किलोमीटर दूर मिहिजाम में रेलपार अंबेडकर नगर में है।

पुलिस छानबीन में जुटी

बच्चे का शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर आस-पास के लोगों को काफी भीड़ इकट्ठा हो गयी। बच्चा वहां कैसे पहुंचा पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। मौके पर पहुंची पुलिस के अधिकारी ब्रिजन राम ने बताया कि शव तीन-चार दिन पुराना है। पोस्टमॉर्टम के लिए जामताड़ा भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की असली वजह सामने आएगी।

बालोद में सड़क हादसा 3 लोगों की मौके पर मौत

बालोद/कांकेर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बालोद जिले के नेशनल हाईवे- 30 पर चारामा घाट में शुक्रवार सुबह साढ़े 10 बजे हुए सड़क हादसे में 3 लोगों की मौके पर मौत हो गई है। मरकाटोला घाट पर दुर्घटनाग्रस्त ट्रक से यात्री बस टकरा गई। हादसे में कई यात्री घायल भी हैं, जिन्हें कांकेर जिले के चारामा स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। मामला बालोद के पुरूर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, यात्री बस जगदलपुर से बैलाडीला की ओर जा रही थी। कांकेर के चारामा से 5 किलोमीटर दूर वो पहले से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 3 यात्रियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद लोगों में चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने बस में फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकाला और पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को नजदीकी कांकेर जिले के चारामा स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि हादसे में 12 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

पुलिस ने बताया कि मरकाटोला घाट पर मरम्मत कार्य के चलते रूट डायवर्ट किया गया था और सूचना का कोई बोर्ड भी नहीं लगाया गया था। तेज रफ्तार ट्रक जैसे ही मोड़ पर पहुंचा, रास्ता बंद देख चालक ने अचानक स्टीयरिंग घुमा दी, जिससे ट्रक पलट गया। हादसे में ट्रक ड्राइवर घायल हुआ था, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पन्नू केस, निखिल गुप्ता के संपर्क में भारत सरकार

विदेश मंत्रालय बोला– जेल में तीन बार हमारे राजनयिक उससे मिले, जरूरी सहयोग दे रहे

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश के आरोपी निखिल गुप्ता को तीन बार कॉन्सुलर एक्सेस दिया गया। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। निखिल गुप्ता फिलहाल चेक रिपब्लिक की जेल में बंद है। उसे प्राग के एक एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, जब किसी देश का व्यक्ति किसी दूसरे देश की जेल में बंद होता है तो कॉन्सुलर एक्सेस के तहत जेल में बंद व्यक्ति के देश के राजनयिक या अधिकारी को उस कैदी से मिलने की इजाजत दी जाती है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा- एक भारतीय नागरिक फिलहाल चेक अधिकारियों की हिरासत में है और उसके अमेरिका में प्रत्यर्पण की प्रक्रिया लंबित है। हमें तीन मौकों पर कॉन्सुलर एक्सेस मिला। हम जरूरत के मुताबिक उस व्यक्ति को कांसुलर असिस्टेंस भी दे कर रहे हैं। उन्होंने कहा- इस व्यक्ति के परिवार ने मदद के लिए हमारे सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। फिलहाल हम इस मामले पर कुछ नहीं बोलेंगे, हम सुप्रीम कोर्ट

की टिप्पणी का इंतजार करेंगे।

दरअसल, पिछले हफ्ते पन्नू की हत्या की साजिश के आरोपी निखिल गुप्ता की ओर से उसके परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की। इसमें आरोप लगाया गया कि निखिल को प्राग (चेक रिपब्लिक) की जेल में गैर कानूनी तरीके से कैद करके रखा गया है। जेल में उसे खाने के लिए जबरन सुअर और गाय का मीट दिया गया, जो हिंदू रीति रिवाजों के खिलाफ है। उसने अधिकारियों को इस बारे में बताया भी, लेकिन उसे शाकाहारी खाना नहीं मिला। प्राग के अधिकारियों ने उससे कहा था कि अमेरिका की इजाजत के बिना वह किसी को भी फोन नहीं कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निखिल को पहली बार 19 जुलाई को भारतीय अधिकारी से संपर्क करने की इजाजत दी गई। तब तक उसकी गिरफ्तारी को 20 दिन हो चुके थे। प्राग हाईकोर्ट के दखल के बाद ही उसे परिवार से बातचीत की इजाजत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट में निखिल के परिजन ने दावा किया है कि चेक रिपब्लिक में निखिल के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। साथ ही उसकी और उसके परिवार की जान को भी खतरा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मामले को संबंधित देश की अदालत में उठाने को कहा है। साथ ही याचिकाकर्ता को अगली सुनवाई से पहले सरकार के पास याचिका की कॉपी फाइल करने का आदेश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 4 जनवरी को होगी। अमेरिकी सरकार ने आरोप लगाया था कि न्यूयॉर्क में पन्नू पर जानलेवा हमले की साजिश रची गई थी। इसमें भारत का हाथ था। इस साजिश को नाकाम कर दिया गया। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि हमला किस दिन होने वाला था। जून 2023 में पीएम नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे के बाद ही अमेरिकी अधिकारियों ने भारत के सामने यह मुद्दा उठाया था। इस बात का खुलासा 22 नवंबर 2023 को पब्लिश हुई फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट में हुआ था। अमेरिका में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में 29 नवंबर को न्यूयॉर्क पुलिस की चार्जशीट सामने आई थी। इसमें भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप है। इसमें लिखा है- भारत के एक पूर्व सीआरपीएफ अफसर ने उसे पन्नू की हत्या की प्लानिंग करने को कहा था। चार्जशीट में लिखा है कि भारतीय अफसर के कहने पर निखिल ने एक अपराधी से पन्नू के मर्डर के लिए कॉन्टैक्ट किया, लेकिन असल में वह एक अमेरिकी एजेंट था।

जंग के दौरान गाजा में 40 वर्षों की सबसे बड़ी जनहानि

20 हजार की जान गई, 1200 इजरायलियों की भी मौत

यरुशलम, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हमास और इजरायल के बीच दो माह से अधिक समय से जंग जारी है। युद्ध में अब तक दोनों पक्षों के हजारों लोगों की मौत हो गई है। जहां इजरायल ने हमास को पूरी तरह खत्म करने का संकल्प लिया है। वहीं, अब आतंकी समूह भी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। फिलहाल न तो जंग की रफ्तार कम हो रही है और न ही लोगों की जान की परवाह की जा रही है। इस बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 10 हफ्ते से जारी इजरायल हमास युद्ध के दौरान मारे गए गाजा के निवासियों की संख्या ने 40 साल से अधिक वर्षों का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। यह संख्या 1948 में इजरायल की स्थापना के बाद से लेकर अबतक इस देश से भिड़ने वाले किसी भी अरब संघर्ष में मारे जाने वालों की संख्या पार कर गई है।

मरने वालों की गिनती करना चुनौतीपूर्ण

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि मरने वालों की संख्या 20 हजार के करीब हो गई है। यह संख्या 1982 में इजरायल के हमले में लेबनान में

मारे गए लोगों से काफी अधिक है। हालांकि, गाजा के अधिकारियों का मानना है कि मरने वालों की गिनती करना चुनौतीपूर्ण है। कुछ सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि अफगानिस्तान या इराक में अमेरिका के नेतृत्व में होने वाले युद्धों की तुलना में इस जंग में सबसे तेजी से लोग मारे गए।

गाजा के अनुसार, मारे गए 19,667 लोगों में से लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे हैं। गाजा के अधिकारियों ने कभी भी यह नहीं बताया कि मारे गए लोगों में से कितने लड़ाके हैं।

यह युद्ध पहले के किसी भी तुलना में

इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप थिंक टैंक के लिए गाजा विश्लेषक आजमी केशवी ने कहा कि यह युद्ध पहले के किसी भी तुलना में अधिक डरावना था। उन्होंने कहा कि जंग की शुरुआत होते ही वह और उनका परिवार उत्तरी गाजा में अपने घर से भाग गया था और अब तक छह बार वापस जा चुका है। हालांकि, अभी वे दक्षिणी शहर रफा में संयुक्त राष्ट्र के आश्रय के पास एक शिविर में रह रहे हैं।

इजरायली सेना गाजा पर शासन करने वाले सशस्त्र फलस्तीनी समूह हमास को खत्म करने के लिए एक गहन हवाई और जमीनी अभियान में लगी हुई है। गौरतलब है, सात अक्तूबर को हमास ने इजरायल पर हमला कर दिया था, जिसमें 250 से अधिक लोगों को आतंकी समूह ने बंधक बना लिया था। वहीं, 1200 से अधिक लोगों की जान गई थी। इसके जवाब में इजरायल ने हमास को खत्म करने के लिए हवाई और जमीनी अभियान चलाए। फिलहाल यह युद्ध थमता नहीं दिखाई दे रहा है।

गाजा के लोगों के पास बचने का विकल्प नहीं

गाजा में मरने वालों की संख्या साफ दर्शाती है कि इजरायल ने हजारों हवाई हमलों, भारी बमों और तोपखाने का इस्तेमाल करने का विकल्प चुना है। यह छोटा से क्षेत्र है, जो आम नागरिकों से भरा हुआ है और उनके पास भागने का भी रास्ता नहीं है। हालांकि, इजरायली सेना का भी लगातार कहना है कि आम नागरिकों की आड़ में हमास के आतंकी छिप रहे हैं। उसका कहना है कि हमास ने अपने लड़ाकों और हथियारों को बचाने के लिए सुरंग बनाई हैं।

अमेरिका में 5 साल से गायब भारतीय छात्रा

वॉशिंगटन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यू जर्सी राज्य में 2019 से गायब एक भारतीय छात्रा की जानकारी देने पर एफबीआई ने 10 हजार डॉलर (8.32 लाख) रुपए का इनाम रखा है। दरअसल, 29 साल की मायूशी भगत को आखिरी बार 29 अप्रैल 2019 को देखा गया था। उसने अपने पिता से आखिरी बार 1 मई को सोशल मीडिया पर बात की थी।

इसके बाद परिवार ने गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई थी। पिछले साल जुलाई में एफबीआई ने उसका नाम मोस्ट वॉन्टेड लोगों की लिस्ट में 'किडनैपिंग/गुमशुदा' वाले कॉलम में दर्ज किया था। गुजरात के वडोदरा की रहने वाली मायूशी 2016 से स्टूडेंट वीजा पर न्यूयॉर्क इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पढ़ाई कर रही थी। एफबीआई के मुताबिक, वो हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू भाषा बोल लेती है। एफबीआई ने उसकी जानकारी देने के लिए इमरजेंसी नंबर जारी किया है। मायूशी की लोकेशन या उसके गायब होने से जुड़ी कोई अहम जानकारी के बदले 10 हजार डॉलर तक का इनाम दिया जाएगा।

नरसंहार के खिलाफ निकाले जा रहे बलोच मार्च पर इस्लामाबाद पुलिस की बर्बरता

महिलाओं पर बरसाईं लाठियां

इस्लामाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बलोच नरसंहार के खिलाफ निकाले जा रहे लॉन्ग मार्च पर इस्लामाबाद पुलिस ने बर्बरता की और बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में ले लिया। अब हिरासत में ली गईं महिला प्रदर्शनकारियों को रिहा कर दिया गया है। हिरासत में ली गईं महिलाओं का दावा है कि हिरासत में उनका अपमान किया गया और उन्हें प्रताड़ित किया गया। लॉन्ग मार्च का आयोजन कर रही बलोच यकजहेती कमेटी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर महिलाओं की आपबीती के बारे में बताया और इस्लामाबाद पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए।

बता दें कि बलोचों का मार्च इस्लामाबाद पहुंचा था लेकिन इस्लामाबाद पुलिस इस शांतिपूर्ण मार्च से डर गई। पुलिस ने मार्च पर लाठीचार्ज की और महिलाओं, बुजुर्गों और मार्च में शामिल बच्चों को भी नहीं बख्शा। इसके बाद बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लिया गया था। महिला प्रदर्शनकारियों की रिहाई के बावजूद 200 से ज्यादा बलोच पुरुष प्रदर्शनकारी पुलिस हिरासत

में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, 162 प्रदर्शनकारियों को अदियाला जेल भेज दिया गया है और बाकी प्रदर्शनकारी इस्लामाबाद के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में बंद हैं। बलोच यकजहेती कमेटी ने बलोच नरसंहार और न्यायिक हिरासत में मौतों और अपहरण के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की बात कही है। बता दें कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का एक राज्य है लेकिन यहां के लोग अपनी पहचान पाकिस्तान से अलग मानते हैं। अंग्रेजी शासनकाल के दौरान बलूचिस्तान में चार राज्य थे, जिनमें से तीन का पाकिस्तान में विलय हो गया लेकिन कलात राज्य ने 1947 में ही खुद को आजाद घोषित कर दिया था, जिसके बाद पाकिस्तानी सेना ने यहां हमला बोलकर जबरन कलात पर कब्जा कर लिया था।

इसके बाद बलूचिस्तान में विरोध के सुर उठते रहते हैं और पाकिस्तान सेना अपनी दमनकारी नीति से उन्हें दबाने की कोशिश करती है। यही वजह है कि बलूचिस्तान में लोगों के लापता होने और पुलिस हिरासत में उनकी मौत की खबरें आम हैं।

इस्लामाबाद समेत पाकिस्तान के कई इलाकों में भूकंप

इस्लामाबाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के इस्लामाबाद, रावलपिंडी और आसपास के इलाकों में शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल में भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गई है। भूकंप के डर से लोग कलमा-ए- तैयबा पढ़ते हुए अपने घरों से निकले।

भूकंप के कारण इस्लामाबाद या रावलपिंडी में किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं दी गई है। पिछले महने गिलगिट में 3.3 की तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। अक्तूबर में 3.1 की तीव्रता से करांची के विभिन्न इलाकों में भूकंप आया था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र इस्लामाबाद के अनुसार इसकी गहराई 15 किमी दर्ज की गई, जिसका केंद्र कराची के कायदाबाद के पास था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को एक अज्ञात आतंकी ने पुलिस स्टेशन के निर्माण स्थल पर काम कर रहे छह मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना दक्षिण वजीरिस्तान के वाना की है।

ड्रैगन से रिश्ते सुधारने में जुटा अमेरिका, पर शक बरकरार!

पेंटागन को चीनी पोर्ट के इस्तेमाल से रोका

वॉशिंगटन, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका, चीन से अपने रिश्ते सुधारने की कवायद में जुटा है। इसके लिए बीते दिनों चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका का दौरा किया था और वहां अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से भी मुलाकात की थी। अब खबर आई है कि अमेरिका के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल सीक्यू ब्राउन जूनियर और उनके चीनी सहयोगी जनरल लिउ झेनिल गुरुवार को एक बैठक करेंगे। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी। अमेरिकी सेना के प्रवक्ता कैप्टन जेरियल डोर्सी ने बताया कि यह बैठक दोनों देशों के बीच विश्वास बढ़ाने, जिम्मेदाराना प्रतिस्पर्धा करने और दोनों देशों के बीच बातचीत की लाइनें खुली रखने को लेकर बात होगी। बता दें कि दोनों देशों के रिश्तों में तनाव है और साल 2022 में जब अमेरिका की तत्कालीन स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान का दौरा किया था तो उसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट आ गई थी।

अब उस कड़वाहट को कम करने की कोशिश की जा रही है और उसी के तहत लगातार शीर्ष स्तर पर बैठकें की जा रही हैं। हालांकि दोनों देशों के रिश्तों में अभी भी विश्वास की कमी साफ झलकती है। बता दें कि अमेरिकी कांग्रेस ने हाल ही में एक ऐसा प्रस्ताव पास किया है, जिसमें अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन को दुनिया में कहीं भी चीन के लॉजिस्टिक प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी गई है। अमेरिकी सांसदों का मानना है कि चीन अपने लॉजिस्टिक प्लेटफॉर्म की मदद से अमेरिका की सेना की सप्लाई चेन पर नजर रखता है और साथ ही अमेरिकी जहाजों की मूवमेंट की भी निगरानी करता है।

अमेरिका ने इस प्रतिबंध के लिए अपने कानून नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट में संशोधन किया है। हालांकि राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद भी इसे लागू होने में अभी छह महीने का वक्त लग सकता है। बता दें की चीन ने 60 देशों में 100 से ज्यादा बंदरगाहों में निवेश किया हुआ है, जहां चीन के लॉजिस्टिक प्लेटफॉर्म हैं।

जेफरी-एपस्टीन केस में अगले साल 150 से अधिक लोगों की पहचान होगी सार्वजनिक

न्यूयॉर्क, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी करोड़पति जेफरी एपस्टीन और ब्रिटिश महिला गिलैन मैक्सवेल से जुड़े मामले में 150 से अधिक लोगों के नाम अगले साल सार्वजनिक किए जाएंगे। यह आदेश एक संघीय न्यायाधीश ने कथित तौर पर दिया है। बता दें, जिनके नाम सामने आने हैं, उनमें यौन शोषण पीड़ित, गवाह, एपस्टीन के कर्मचारी और इस मामले से जुड़े लोग शामिल हैं। हालांकि, अगर यह लोग अपना नाम उजागर नहीं करना चाहते हैं तो ये न्यायाधीश लोरेटा ए. प्रेस्का के आदेश के खिलाफ एक जनवरी 2024 तक अपील कर सकते हैं। बता दें, एपस्टीन के मुकदमे में नामों का उल्लेख किया गया था। गौरतलब है, 2021 में, ब्रिटिश महिला गिलैन मैक्सवेल को किशोरियों को बहलाने-फुसलाने का दोषी ठहराया गया था। इन किशोरियों को बहला फुसला कर अमेरिकी करोड़पति और फायनेंसर जेफरी एपस्टीन के पास भेजा जाता था। अमेरिका की एक अदालत में करीब एक महीने तक चली सुनवाई के बाद इस फैसले ने 14 साल की उम्र में यौन शोषण का शिकार हुईं पीड़िताओं को न्याय दिलाया था। पिछले दिनों मामले से जुड़े कई अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक रूप से सामने आए थे। अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 150 नामों में से तीन अभी भी सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे। जिन तीन नामों को सील रखा जाएगा वो एपस्टीन से जुड़े नहीं थे। रिपोर्ट के अनुसार, न्यायाधीश प्रेस्का ने कहा कि सुनवाई के कुछ हिस्सों को गोपनीय रखा जाएगा। इनमें उन लोगों के नाम है, जो यौन उत्पीड़न का शिकार हुई थीं और अपनी पहचान उजागर नहीं करना चाहती हैं। इस मामले से जुड़े प्रमुख नामों में से एक ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू हैं। इन्हें कथित तौर पर एपस्टीन के सह-साजिशकर्ताओं में से एक माना जाता था। हालांकि, बाद में यह बेगुनाह साबित हुए। इनका कहना था कि वह एपस्टीन की आपराधिक गतिविधियों के बारे में कुछ नहीं जानते थे।

इस घटना का खुलासा चार महिलाओं ने किया था, जो 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क और न्यू मैक्सिको में एपस्टीन के महलनुमा घरों में यौन शोषण की शिकार हुई थीं। छह में से पांच मामलों में मैक्सवेल को साल 2021 में दोषी ठहराने से पहले न्यायाधीशों ने पूरे पांच दिनों तक विचार-विमर्श किया था। इन महिलाओं ने आरोप लगाया था कि एपस्टीन के पास भेजने के लिए मैक्सवेल उन्हें बहलाती-फुसलाती थी।

वैगनर समूह की ताकत बढ़ने से चिंतित थे पुतिन

इस आदमी को दिया था हत्या करने का आदेश, रिपोर्ट में दावा

मॉस्को, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दाहिना हाथ माने जाने वाले देश के सुरक्षा परिषद सचिव निकोलाई पत्रुशेव ने वैगनर समूह के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की हत्या का आदेश दिया था। एक अमेरिकी अखबार ने पश्चिमी खुफिया एजेंसी और रूस के एक पूर्व खुफिया अधिकारी के हवाले से खबर में यह दावा किया है।

यूक्रेन युद्ध के दौरान वैगनर समूह रूसी सेना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। लेकिन बाद में येवगेनी प्रिगोजिन और रक्षा मंत्री के बीच बयानबाजी बढ़ती गई। जिसके चलते इस समूह ने जून 2023 में रूस में एक विद्रोह का प्रयास किया गया। वैगनर समूह ने मॉस्को के लिए कथित

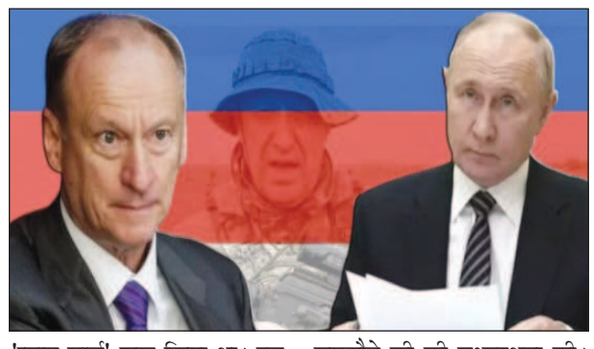

'न्याय मार्च' शुरू किया था। इस प्रयास ने क्रेमलिन की नींव को हिला दिया था। हालांकि, बाद में बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने प्रिगोजिन और उनके भाड़े के सैनिकों को अपने देश में आने की अनुमति दी और एक समझौते की की मध्यस्थता की। इसके बाद वैगनर समूह ने अपना न्याय मार्च अचानक खत्म कर दिया था। प्रिगोजिन और वैगनर समूह के अन्य शीर्ष कमांडर अगस्त में उस वक्त मारे गए थे, जब उनके विमान में विस्फोट हुआ। वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) की खबर में दावा किया गया है कि निकोलाई पत्रुशेव ने विद्रोह से पहले भी येवगेनी प्रिगोजिन को एक खतरे के रूप में देखा था। पत्रुशेव वैगनर समूह के प्रमुख द्वारा रूस के शीर्ष सैन्य अधिकारियों को खुली आलोचना को पसंद नहीं करते थे और इस बात से चिंतित थे कि उन्होंने बहुत अधिक ताकत हासिल कर ली है। इसमें दावा किया गया है कि पत्रुशेव ने विद्रोह के बाद येवगेनी प्रिगोजिन को सजा देने का फैसला किया। खबर में आगे कहा गया है कि व्लादिमीर पुतिन ने इस फैसले पर कोई आपत्ति नहीं जताई।

पाकिस्तान में अंजू के लिए 'संकट' बन गई थी सीमा हैदर

नसरुल्ला संग गुजारने पड़े 3 महीने, खुद बताई पूरी कहानी

इस्लामाबाद/नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अंजू इस साल जुलाई में अपने प्रेमी नसरुल्ला से मिलने के लिए भारत से पाकिस्तान चली गई थीं। वह करीब सवा चार महीने का समय वहां गुजारने के बाद 29 नवंबर को भारत लौटी है। भारत आने के बाद उसने लगातार यही दोहराया है कि वह बच्चों से मिलने के लिए लौटी है क्योंकि उसे बच्चों की याद सता रही थी। उसने ये भी बार-बार कहा कि वह मर्जी से गई थी और जब तक मन किया वह पाकिस्तान में रुकी। हालांकि अब अंजू ने बताया है कि उसके पाकिस्तान में इतने लंबे समय रहने की एक बड़ी वजह सीमा हैदर भी बनी। पाकिस्तान की रहने वाली सीमा नाम की महिला इसी साल भारत आ गई थी। सीमा

गैर कानूनी तरीके से नेपाल के जरिए नोएडा अपने प्रेमी से मिलने आई थी। उसकी गिरफ्तारी भी हुई और ये मामला काफी चर्चा में रहा। इसके बाद जब अंजू पाकिस्तान गई तो सोशल मीडिया में इसे सीमा हैदर के बदले की तरह से पेश किया गया। कई लोगों ने कहा कि सीमा यहां आई तो पाकिस्तान ने साजिश रचके अंजू को बुला लिया। इससे अंजू के पाकिस्तान जाने को काफी ज्यादा चर्चा मिल गई। अंजू ने टीडब्ल्यूडब्ल्यू नाम के यूट्यूब चैनल से बात करते हुए कहा, मैं एक महीने का वीजा लेकर गई थी। एक महीने बाद मेरा पाकिस्तान से लौटने का इरादा था लेकिन सीमा हैदर का मामला हुआ और तरह-तरह की बातें होनी लगीं। कई लोग इसमें साजिश और कई तरह की बातें करने लगे तो मुझे माहौल ठीक नहीं लगा। ऐसे में मैंने वीजा को बढ़वाने का फैसला लिया। इसी के चलते फिर मैं करीब सवा चार महीने तक पाकिस्तान में रही।

अंजू ने कहा है कि मेरा सीमा से कोई कनेक्शन नहीं था लेकिन उसके मसले की वजह से पाकिस्तान से आने में देरी जरूर हुई। अंजू ने ये भी बताया है कि उनकी अपने बेटे से भी मुलाकात हो गई है। भारत लौटने के करीब 20 दिन बाद वह अपने बेटे एरोन से मिली हैं। अंजू ने बताया है कि उनके भारतीय पति अरविंद ने ही बेटे को उनके पास भेजा है।

इजराइल को ब्लैकमेल करना चाहता है हमास

तेल अवीव, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। बंधकों के मुद्दे पर हमास अब इजराइल को ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहा है। हमास के एक नेता ने 'अल जजीरा' टीवी चैनल से कहा- हम सात दिन का सीजफायर नहीं चाहते, क्योंकि इसमें बंधकों को रिहा नहीं किया जा सकेगा। हमें ज्यादा वक्त चाहिए। दूसरी तरफ, इजराइल डिफेंस फोर्सेस के एक अफसर ने इजराइली अखबार 'हेयोम' से कहा- हमें ब्लैकमेल नहीं किया जा सकता। हमास को पता है कि उसका खात्मा करीब है। इसलिए वो ब्लैकमेलिंग पर उतर आया है। इस बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दामाद जेरार्ड कुशनर और उनकी पत्नी इवांका गुरुवार को इजराइल पहुंचे।

युद्ध के डर से उबारने में मदद करेगा मारिजुआना

यूक्रेन में दवा के रूप में इस्तेमाल वैध घोषित

कीव, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को दो साल होने जा रहे हैं। इस बीच, यूक्रेन की संसद ने पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) और युद्ध से होने वाली बीमारियों के इलाज के लिए जंगली घास मारिजुआना को वैध बनाने के लिए एक नया कानून अपनाया है। मारिजुआना को यूक्रेन में दवा के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। यूक्रेन की संसद की आधिकारिक वेबसाइट वेरखोवना राडा के हवाले से यह जानकारी दी गई है। बताया गया है कि विधेयक के पक्ष में 248 वोट पड़े। वहीं इसका 16 लोगों ने विरोध किया, जबकि 33 सदस्यों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया और 40 लोगों ने वोट नहीं किया। बता दें, नया

कानून छह महीने बाद लागू किया जाएगा। गौरतलब है, मारिजुआना के इस्तेमाल की हाल ही में ज्यादा चर्चा हो रही है। युद्ध से उपजी बीमारियों के इलाज के लिए इसे काफी फायदेमंद माना जाता है। कानून के अनुसार, इसका इस्तेमाल युद्ध से उत्पन्न होने वाली ऑन्कोलॉजिकल रोगों और पोस्ट-ट्रॉमेटिक तनाव विकारों के आवश्यक उपचार के लिए किया जाएगा। संसद के अध्यक्ष रुसलान स्टीफनचुक का कहना है कि कैनबिस दवाओं के उपयोग की शर्तों और तरीकों की सूची स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित की जाएगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस साल जून में मारिजुआना को उपचार के तौर पर इस्तेमाल करने की बात संसद में रखी थी। लगातार मांग को देखते हुए आखिरकार कानून बनाने का फैसला ले ही लिया गया। जेलेंस्की ने कहा, 'हमें वाकई में उचित वैज्ञानिक रिसर्च और नियंत्रित यूक्रेनी उत्पादन के साथ उन सभी के लिए कैनबिस-आधारित दवाओं को वैध बनाना चाहिए, जिन्हें उनकी आवश्यकता है।'

सरपंच को एक पैर पर खड़ा रख हुक्का-पानी बंद किया

बोले- तेरे भाई ने मर्डर किया, गांव-समाज में रहना है तो 5 लाख दो

नागौर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। नागौर जिले के दांतीणा ग्राम पंचायत के सरपंच का हुक्का-पानी बंद करने वाली पंचायत का वीडियो सामने आया है। यह पंचायत दांतीणा गांव में 9 दिसंबर को हुई थी। ग्राम पंचायत दांतीणा के सरपंच श्रवण राम मेघवाल (35) के भाई मूलाराम पर हत्या का आरोप लगाकर पूर्व सरपंच, पंच व 50 से ज्यादा ग्रामीणों ने यह मीटिंग की थी। इसके बाद 12 दिसंबर को सरपंच ने पाचौड़ी थाना में मामला दर्ज कराया था।

इस पंचायत में पूर्व सरपंच व अन्य पंचों ने मिलकर तुगलकी फरमान जारी कर दिया था। इस पंचायत में जबरन सरपंच को बुलाया गया। उसे एक पैर पर खड़े होने को मजबूर किया गया और गांव समाज से बहिष्कृत कर 5 लाख का जुर्माना लगा दिया गया। पीड़ित सरपंच श्रवण राम मेघवाल पुत्र मुलतानाराम ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया कि उनके परिवार का गांव रहना मुश्किल हो गया है।

से ज्यादा लोग पंचायत में जुटे

थाने में दर्ज रिपोर्ट में श्रवण राम ने बताया- 9 दिसंबर को दांतीणा ग्राम पंचायत में गांव के लोग जुटे। इसमें सभी समाज व जाति के लोग शामिल थे। पूर्व सरपंच शेराराम, उप सरपंच भगवत सिंह सांखला, रामूराम, पंच उमाराम, लूणाराम, किशनाराम, श्रवण राम, जोराराम, उमाराम, उमाराम, प्रताप राम, प्रहलाद राम व अन्य 50 लोग पंचायत में शरीक हुए थे।

पंचायत में पहुंचने के लिए सरपंच श्रवण राम को बार बार फोन किया गया। सरपंच ने कहा कि पंचायत में उसका क्या काम है। इस पर आरोपियों ने कहा कि आप वर्तमान सरपंच हो, आपके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे। आपके भाई मूलाराम ने जीतू सिंह की हत्या की है। इस कारण आपके खिलाफ पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा। आपको और आपके परिवार को गांव समाज से बहिष्कृत करेंगे और हुक्का-पानी बंद करेंगे। हम पंच जो फैसला करेंगे वही होगा।तब सरपंच श्रवण राम मेघवाल ने कहा कि उसका जीतू सिंह की हत्या से कोई लेना देना नहीं है। अगर उसका भाई मूलाराम दोषी है तो पुलिस उसे गिरफ्तार करेगी और कोर्ट सजा देगा। इसके बावजूद उन्होंने बार-बार फोन कर श्रवण राम को पंचायत में आने को मजबूर किया। सरपंच ग्राम पंचायत के परिसर में पहुंचे। वहां काफी संख्या में लोग जुटे थे। सरपंच के साथ उनके काका पदमाराम, आसुराम, भाई दुर्गाराम, शैतानाराम आदि भी थे।

बोले- पंचों का खौफ होता है, एक पैर पर खड़े हो जाओ

सरपंच श्रवण राम ने आरोप लगाया कि पंचायत में शेराराम, भगवत सिंह, रामूराम, उमाराम, जोराराम, लूणाराम, किशनाराम, श्रवणराम, उमाराम, प्रतापराम, प्रहलाद राम ने कहा कि हम सभी लोग अपने आप में स्वयंभू पंच हैं। पंचों का खौफ होता है। उन्होंने सरपंच श्रवण राम से कहा कि हाथ जोड़ कर एक पैर पर खड़े हो जाओ, तुम्हें सरपंच किसने बनाया है। हम तुम्हें हटा कर रहेंगे। सरपंच पंचायत में एक पैर पर खड़े रहे।

सरपंच ने आरोप लगाया कि सभी ने उसे बहुत तंग और परेशान किया। सभी ने गाली गलौज कर शारीरिक व मानसिक कष्ट दिया। उन्हें व उनके परिवार को गांव समाज से बहिष्कृत करने का फरमान भी जारी कर दिया। कहा कि इनके परिवार को गांव से निकालना है। इनके परिवार का हुक्का पानी बंद करना है। कोई भी गांव का दुकानदार इन्हें किराने का सामान नहीं देगा। सरपंच के घर किसी का आना-जाना नहीं होगा। उसके घर कोई खाना-पीना नहीं करेगा। खुलेआम यह ऐलान किया गया।

5 लाख दो वरना गांव समाज से बाहर रहो

सरपंच श्रवणराम ने कहा- उन्होंने कहा कि हमारा फैसला पुलिस और कोर्ट से ऊपर है। बचना है तो 5 लाख रूपए दंड देना होगा। वरना पंचायत व गांव से बाहर रहेगा। मैंने कहा कि मेरे पास इतने रुपए नहीं हैं। आप दंड लगाने वाले कौन हो। तो उन्होंने मुझे डराया धमकाया और मेरे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले आए। मेरे परिवार का जीना दुश्वार हो गया है।

मामले को लेकर पांचौड़ी पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। मामले की जांच की जा रही है। सभी आरोपी पांचोड़ी ग्राम पंचायत के निवासी हैं।

राजस्थान के 5 शहरों में बारिश का अलर्ट

आज 16 घंटे की रात, साल का सबसे छोटा दिन; न्यूनतम तापमान 2 डिग्री गिरा

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मौसम में आज बदलाव हुआ है। जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर, पाली में सुबह से हल्के बादल छाए हैं। इन क्षेत्रों में तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हुई है। इससे लोगों को गलन भरी सर्दी से थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग ने आज जोधपुर, बीकानेर के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी होने की भी संभावना जताई है। मौसम का ये बदलाव 23 दिसंबर को भी बना रहने की संभावना है।

राज्य में आज ठिठुरन भरी सर्दी से थोड़ी राहत रही। बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर समेत कई शहरों में आज मिनिमम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। बीकानेर में गुरुवार जो तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस पर था। वो आज बढ़कर 10 पर आ गया। यही स्थिति जैसलमेर में रही। हालांकि, कश्मीर में आज से चिल्लई कलां (तेज सर्दी वाले दिन) की शुरुआत हो रही है। जिसका असर राजस्थान सहित कई इलाकों में दिख सकता है।

इस कारण से बढ़ा तापमान बाड़मेर में भी आज न्यूनतम तापमान में करीब 2 डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हुआ। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के रूकने और अरब सागर से गुजरात तक बनी ट्रफ लाइन के कारण बादलों के समूह के आने से मौसम में ये बदलाव देखने को मिला है।

आबू में सबसे कम तापमान

राज्य में आज न्यूनतम तापमान सबसे कम माउंट आबू में दर्ज हुआ है। यहां आज का तापमान एक डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सीकर के फतेहपुर में भी आज मिनिमम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। इधर चूरू में लगातार चौथे दिन तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। चूरू के साथ गंगानगर, जयपुर, उदयपुर, कोटा और अजमेर में भी न्यूनतम तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव रहा।

वैर विधायक का मजाकिया अंदाज वायरल

बयाना (भरतपुर), 22 दिसंबर (एजेंसियां)। अपने बयानों को लेकर चर्चाओं में रहने वाले वैर (भरतपुर) के नवनिर्वाचित विधायक बहादुर सिंह कोली का विडियो सामने आया है। इसमें वे ग्रामीणों को अपने पास समस्या लेकर आने के लिए बोल रहे हैं। विधायक ने गांव वालों से कहा- मैं कोई पंडित थोड़े ही हूं, जो पतड़ा (पंचांग) देखकर यह पता लगा लूं कि ग्रामीणों की क्या समस्याएं हैं। इसके साथ ही वे गुर्जर समाज के आमंत्रण को उनका लट्ठ यानी लाठी बता रहे हैं। विधायक कोली के इस मजाकिया अंदाज पर मौजूद ग्रामीण ठहाके लगाकर हंस पड़े।

विधायक बहादुर सिंह कोली तीन दिन पहले वैर विधानसभा क्षेत्र और बयाना उपखंड में आने वाले गांव ध्वजा मोरोली में एक सामाजिक कार्यक्रम में आए थे। कार्यक्रम में मौजूद ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक कोली ने कहा- आज आवास पर काफी संख्या में लोग मिलने आए थे, लेकिन गुर्जर समाज के लोगों का फोन आया कि मुझे उनके गांव ध्वजा मोरोली में सामाजिक कार्यक्रम में आना है।

लोगों के ज्यादा जोर डालने पर उन्होंने कहा- भैया बिल्कुल आऊंगा गुर्जरों का लट्ठ है, झेलेंगे। यानी उनकी बात माननी पड़ेगी। विधायक ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने लोक देवता टोंटा बाबा मंदिर पर दर्शन कर आशीर्वाद लेने का वादा किया था। जिसे वह पूरा करने आए हैं।

इसी के साथ विधायक कोली ने आगे कहा कि ग्रामीण जो भी इस एरिया की समस्या हो, उसे लिखित में देकर समय-समय पर बताते रहें। शादी-ब्याह और सामाजिक कार्यक्रमों में बुलाते रहें, क्योंकि अगर आप कहेंगे नहीं तो मुझे कैसे मालूम पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब बीजेपी की हमारी सरकार बन गई है। जनहित के सारे काम पूरे सिस्टम के साथ होंगे।

खुद को स्टाफ बताकर दिखाया रौब परेशान कंडक्टर ने बनाया वीडियो

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर सिटी बस में कंडक्टर और पुलिसकर्मी के बीच बहस का एक वीडियो सामने आया है। इसमें पुलिसकर्मी स्टाफ बताकर सिटी बस का टिकट खरीदने से मना कर रहा है। वहीं, कंडक्टर किराया मांग रहा है। पुलिसकर्मी अपना रोब दिखाते हुए खुद को स्टाफ बता रहा है। दरअसल, जयपुर सिटी में चलने वाली जेसीटीएसएल की लो-फ्लोर बसों में पुलिसकर्मियों के लिए निशुल्क सुविधा नहीं हैं। बसों में साफ-साफ हिंदी में लिखा है कि बस में पुलिसकर्मी अगर सवारी करता है। वह किराया देगा। अन्यथा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कंडक्टर ने आए दिन होने वाली बहस से खुद को बचाने के लिए वीडियो बनाना शुरू कर दिया हैं। ऐसा ही 20 दिसंबर का एक वीडियो सामने आया है। टोंक रोड पर चल रही बस के कंडक्टर ने एक वीडियो बनाकर अपने सीनियर अधिकारियों को भेजा है। उसके बाद भी इस परेशानी का समाधान नहीं हो रहा हैं।

वीडियो में जेसीटीएसएल बस का कंडक्टर पुलिसकर्मी से किराया मांगता दिख रहा है। पुलिसकर्मी स्टाफ कह देता हैं। इस पर कंडक्टर मोहन ने पुलिसकर्मी को एमडी जेसीटीएसएल के आदेश दिखाए। इसके बाद भी पुलिसकर्मी बस से नहीं उतरा। कंडक्टर मोहन ने दो बार बस को रुकवाया। पुलिसकर्मी से पैसा मांगा। इसके बाद पुलिसकर्मी ने पैसा दिया जब बस चली। एसी-1 रूट के ड्राइवर मुकेश ने बताया- यह बस सांगानेर से कूकस चलती है। आए दिन इस तरह की परेशानी का सामना करना पकड़ता है। अगर रास्ते मे फ्लाइंग मिलती है तो चालान बना देती है। ऐसे में एमडी साहब से आदेश हैं कि जेसीटीएसएल की बसों में पुलिसकर्मियों को फ्री में नहीं बिठाना। उसके बाद भी ये लोग बैठते हैं। इसलिए यह वीडियो बनाया था। वहीं, एक दूसरा वीडियो भी सामने आया है। जो जयपुर सिटी का है। चांदपोल के पास बस में बैठे व्यक्ति ने खुद को पुलिसकर्मी बताया। किराया देने से इनकार किया। इस बहस के दौरान कंडक्टर और पुलिसकर्मी के बीच में अच्छी खासी बहस हुई।

झील के बीच बनी होटल में बीजेपी विधायक-आईएएस ने लिये फेरे

उदयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर शुक्रवार को एक और रॉयल वेडिंग का गवाह बन गया। हरियाणा में भाजपा के विधायक भव्य बिश्नोई और राजस्थान से आईएएस परी बिश्नोई शादी के बंधन में बंध गए । उदयपुर के राफेल्स होटल में गुरुवार रात को संगीत समारोह को लेकर भी आयोजन हुआ।

हरियाणा के हिसार जिले की आदमपुर सीट से भव्य बिश्नोई एमएलए है। शादी के बाद पहला रिसेप्शन 24 दिसंबर को पुष्कर (अजमेर) में होगा और उसके बाद 26 दिसंबर को आदमपुर में प्रतिभोज कार्यक्रम है। 27 दिसंबर को नई दिल्ली में ग्रैंड रिसेप्शन होगा। भव्य बिश्नोई हरियाणा के पूर्व सीएम भजनलाल के पोते हैं।

हरियाणा के पूर्व सीएम चौधरी भजनलाल के पोते और आदमपुर विधायक भव्य बिश्नोई की 1 मई को परी बिश्नोई के साथ सगाई हुई थी। परी बिश्नोई 2020 बैच की आईएएस अफसर हैं, जिन्हें सिक्किम कॉडर मिला हुआ है, जहां पर वे सब मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात है। शादी के लिए उन्होंने अपना कॉडर चेंज करवाया है अब

उन्हें हरियाणा कार्डर का एनओसी भी मिल गया है। साल 2022 में आदमपुर विधानसभा उपचुनाव में भव्य बिश्नोई पहली बार विधायक बने। उनके पहले इस सीट पर उनके पिता कुलदीप बिश्नोई विधायक थे, उनके इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हुई थी। इसमें भाजपा ने भव्य को अपना प्रत्याशी उतारा था। परी का जन्म बीकानेर जिले में हुआ। परी के पिता मनीराम एक वकील हैं और उनकी मां सुशीला अजमेर में जीआरपी पुलिस अधिकारी हैं। परी के पिता अपने गांव के 4 बार सरपंच रह चुके हैं। परी की शिक्षा सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल से हुई है। इसके बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन के दौरान ही सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी। ग्रेजुएशन के बाद परी ने एमडीएस यूनिवर्सिटी, अजमेर से पॉलिटिकल साइंस में पीजी किया। यूपीएससी की तैयारी के दौरान परी ने नेट जेआरएफ भी पास किया।

सेना भर्ती एग्जाम में 17 मुन्ना भाई पकड़े

अंबाला, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में डिफेंस सिविल की भर्ती के लिए एग्जाम देने आए 17 मुन्ना भाइयों को पेपर सॉल्व करते हुए पकड़ा है। भर्ती सेना के खड्गा स्टेडियम में चल रही थी। सेना ने पहले एक कैंडिडेट को किसी से बात करते हुए पकड़ा था, जब उन्होंने सभी कैंडिडेट की तलाशी ली तो 16 अन्य कैंडिडेट डिवाइस के जरिए पेपर सॉल्व करते हुए पकड़े गए। पकड़े गए अधिकतर कैंडिडेट हरियाणा, यूपी व राजस्थान के बताए गए हैं।

पुलिस सभी आरोपी कैंडिडेट को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अंबाला कैंट थाने की तोपखाना बाजार चौकी की पुलिस ने सूबेदार अखिलेश्वर कुमार की शिकायत पर धोखाधड़ी व धारा 120बी के तहत केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सेना के सूबेदार अखिलेश्वर कुमार ने बताया कि गुरुवार सुबह साढ़े 10 से दोपहर साढ़े 12 बजे तक ग्रुप कमांड लेवल के लिए डिफेंस सिविल की भर्ती खड्गा स्टेडियम अंबाला कैंट में चल रही थी। वह एग्जाम के दौरान बतौर निरीक्षक सेवाएं दे रहा थे।

ड्यूटी के दौरान देखा कि रोल नंबर-6256 चौब सिंह मोबाइल से किसी से बात कर रहा था। जांच के दौरान पाया गया कि एक कैंडिडेट किसी से बात करके पेपर सॉल्व कर रहा था। इसके बाद टीम ने अन्य कैंडिडेट की तलाशी ली तो 16 अन्य कैंडिडेट भी नकल करते हुए पकड़े गए।

हरियाणा, यूपी, राजस्थान समेत देशभर से आए थे कैंडिडेट

खड्गा स्टेडियम में ग्रुप-डी के विभिन्न पदों के लिए हरियाणा, पंजाब, यूपी, राजस्थान समेत देशभर से 2 हजार कैंडिडेट एग्जाम देने के लिए आए थे। भारतीय सेना द्वारा कुक से लेकर फोरमैन सहित करीब 30 पदों पर परीक्षा आयोजित करा रही थी। कैंडिडेट को सुबह साढ़े 6 बजे परीक्षा सेंटर में एंट्री दी गई, लेकिन एग्जाम साढ़े 10 से दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक हुआ।

जयपुर में पाइपलाइन से गैस सप्लाई जल्द शुरू होगी

जयपुर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। घरों की रसोइ में अब घरेलू गैस की सप्लाई सिलेंडर की जगह पाइपलाइन से होने जा रही है। इसके लिए पहले फेज का काम पूरा हो चुका है। अभी राजधानी के कुछ इलाकों जयसिंहपुरा, महापुरा, पत्रकार कॉलोनी, महिंद्रा एसईजेड और अलवर के नीमराना में 7000 से अधिक घरों में पीएनजी (पाइप्ड प्राकृतिक गैस) की सप्लाई शुरू हो चुकी है। हर घर में पाइप के साथ मीटर लगेंगे, जो यह बताएंगे कि आपने कितनी गैस खर्च कर दी है। जितनी रीडिंग होगी उतना बिल बनेगा। कपंनी ने सुरक्षा के लिहाज से पाइपलाइनों में हर 3 किलोमीटर के अंतराल पर एक सेफ्टी वॉल भी लगाया है, ताकि लीकेज की स्थिति में जल्द काबू पाया जा सके।

40 हजार से अधिक घरों में गैस सप्लाई जल्द ही शुरू कर दी जाएगी। वर्तमान में घरेलू गैस के लिए उपयोग में लिए जा रहे एलपीजी सिलेंडरों की कीमत 906.50 है। वहीं, घरेलू गैस 52.50 प्रति एससीएम (स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर) में मिलेगी। पीएनजी कनेक्शन लेने के बाद लोगों को 15 से 20 प्रतिशत तक की बचत होगी। साथ ही एलपीजी की तुलना में ये गैस अधिक सुरक्षित और इकोफ्रेंडली है।

सांवरा सेठ को चढ़ाई अमेरिकी डॉलर लगी पोशाक

चित्तौड़गढ़, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मेवाड़ के कृष्ण धाम श्री सांवलिया जी में भगवान सांवरा सेठ को डॉलर लगी हुई पोशाक पहनाई गई। पोशाक को बनाने में 70 अमेरिकी डॉलर का यूज किया गया। चित्तौड़गढ़ के ही एक ज्वेलर भक्त की मन्नत पूरी होने पर उसने सांवलिया जी के ही एक टेलर से यह पोशाक बनवाई है। इससे पहले भी कई भक्त अलग-अलग तरह की आकर्षक पोशाक यहां भेंट कर चुके हैं।

करोड़ों रुपए मिलते हैं दान में

मंडफिया स्थित श्री सांवलिया जी में दूर-दूर से कई भक्त अपने अटके हुए कामों को पूरा करने के लिए मन्नत मांगने आते हैं। मन्नत पूरी हो जाने पर सांवरा सेठ को भक्त अपने मन से चढ़ावा चढ़ाते हैं। माना जाता है कि सांवरा सेठ के दर पर जो भी आता है, वह खाली हाथ नहीं जाता। इसीलिए हर महीने करोड़ों रुपए के सोने-चांदी और करोड़ों रुपए की दान राशि मिलती है। चित्तौड़ के ही रघु सोनी (22) पुत्र योगेश सोनी ने अपनी मन्नत पूरी होने पर सांवरा सेठ को अमेरिकी डॉलर लगी हुई पोशाक भेंट की।

रघु सोनी कहते हैं- बिजनेस का मेरा पैसा कहीं अटका हुआ था। इसके लिए श्री सांवलिया जी से मन्नत मांगी थी। मन्नत मांगने के कुछ समय बाद अटका हुआ पैसा भी आ गया। जब मन्नत पूरी करने की बात आई तो मुझे कुछ अलग करना था। इसलिए मैंने अमेरिकी डॉलर की पोशाक बनवाने की सोची। अमेरिकी डॉलर लेने के लिए मैं बैंक भी गया, लेकिन वहां ज्यादा डॉलर नहीं मिल पाए। फिर मैंने अपने कुछ दोस्तों की मदद ली। दोस्तों से लगभग 70 डॉलर एकत्रित कर सांवलिया जी के ही पंकज टेलर से यह डॉलर लगी पोशाक बनवाई।

मासूम को 1 मिनट तक पागल कुत्ता नोंचता रहा

मां पैर खींचती रही, 10 लोग भी नहीं छुड़वा पाए, कई बच्चे शिकार; बोल भी नहीं पा रहे

अलवर, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। मेरा बेटा और बेटी दोनों साथ में थे। एक पागल कुत्ता पहले बेटी की तरफ लपका, फिर बेटे पर हमला कर दिया। मैं पैर खींचती रही, लेकिन छुड़ा नहीं पाई। एक मिनट बाद जब बेटे का चेहरा देखा तो उसकी हालत देखने लायक नहीं थी।

ये दर्द एक मां का है, जिसके बेटे को एक पागल कुत्ते ने बुरी तरह से काट लिया। इसी पागल कुत्ते ने डेढ़ घंटे में 15 बच्चों को अपना शिकार बनाया। हालात ये है कि इन बच्चों के चेहरे अब पहचान में भी नहीं आ रहे हैं।

मामला अलवर के रामगढ़ व बड़ौदामेव के लाड़पुर, जुगरावर, नशोरपुर, बेड़ा, शीतल व मूनपुर गांव का है। ये सभी गांव 1 किलोमीटर के दायरे में हैं। बुधवार दोपहर तीन बजे से शाम साढ़े चार बजे तक पागल कुत्ते ने जमकर आतंक मचाया।

इनमें से 5 बच्चों को जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में रेफर किया गया है, जबकि तीन बच्चे अलवर के जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्ड में भर्ती हैं। तीनों बच्चे न खा पा रहे हैं और न बोल पा

रहे हैं। ये तीनों बच्चे रेबीज की कैटेगरी थर्ड में हैं। यानी इन्हें इस वायरस के संक्रमण से जानलेवा खतरा है। हालांकि दावा किया जा रहा है कि इनका समय पर इलाज शुरू कर दिया था।

पीछे से आकर हमला कर दिया

ढाई साल का दिलीप सर्जिकल वार्ड में भर्ती है। सिर, मुंह और होंठ का एक हिस्सा पट्टी से बंधा हुआ था। इससे पहले जब बुधवार को उसे हॉस्पिटल लाया गया था तो पूरा चेहरा एक बार के लिए ढक दिया गया था।

परिवार शीतल गांव में रहता है। मां बार-बार अपने बेटे के सिर पर हाथ रखते हुए उसका हाल पूछती रहती है। दिलीप दर्द के मारे बार-बार रो रहा है। न बोल पा रहा है और न कुछ खा पा रहा है।

मां ने बताया- दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वह गोबर थापने के लिए जा रही थी। दिलीप और उसकी एक बेटी भी साथ में थी। पागल कुत्ता पीछे से आया और पहले बेटी और इसके बाद दिलीप पर झपट्टा मारा। मैं कुछ समझ पाती, इससे पहले मेरे सामने ही कुत्ते ने बेटे का चेहरे अपने मुंह में दबा लिया।

मैं दौड़ी और बेटे को बचाने के लिए कुत्ते का पैर खींचने लगी, लेकिन कुत्ता बेटे का मुंह जकड़ा हुआ था। दिलीप के रोने की आवाज सुन आस-पास के लोग भी आ गए। करीब 10 लोगों ने छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन वह उसका मुंह नोंचता रहा। इसके बाद मैंने गोबर थापने वाली तगारी कुत्ते के मुंह पर मारी। उसके बाद वह भागा। जब बेटे की हालत देखी तो मेरे होश उड़ गए। उसके चेहरे के एक तरफ की चमड़ी लटक रही थी। इसके बाद वह आगे गया और एक बच्चे पर और हमला कर दिया।

एक गाल पूरा लटका हुआ, 13 टांके लगे

मां-बाप जब दिलीप को हॉस्पिटल लेकर पहुंचे तो दायीं तरफ वाला गाल लटक रहा था। लगातार खून बह रहा था। इसके बाद तुरंत दिलीप का इलाज शुरू किया गया।

दिसंबर में तेलंगाना में भी एक चमत्कार हुआ : रेवंत

क्रिसमस समारोह में मुख्यमंत्री ने भाग लिया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने याद दिलाया कि दिसंबर के महीने में तेलंगाना राज्य में एक चमत्कार होगा। सीएम रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को एलबी स्टेडियम में तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित क्रिसमस समारोह में भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिसंबर दुनिया के लिए एक चमत्कारिक महीना है, जैसा कि बताया गया है, दिसंबर में तेलंगाना में भी एक चमत्कार हुआ। ईसाई और अल्पसंख्यक एक नई सरकार चाहते थे वे जैसी चाहते थे वैसी ही नई सरकार ले आए। उन्होंने कहा कि बीते दिनों कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश में आज तेलंगाना में धर्मनिरपेक्ष सरकार बनी है। आप पर एक और बड़ी जिम्मेदारी है। सीएम रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस से अगले संसद चुनाव में पूरे देश में आने की अपील की। देश में मणिपुर की घटना भाजपा के वर्तमान रवैये को दर्शाती है। उन्होंने मणिपुर की घटनाओं पर ध्यान दिए बिना चुनाव में डूबे रहने के लिए भाजपा सरकार की आलोचना की। अगर राहुल गांधी मणिपुर के पीड़ितों से मिलने की कोशिश करते हैं तो उन्हें रोक दिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना देश के लोगों की जिम्मेदारी है कि मणिपुर जैसी घटनाएं देश में कहीं भी न हों। हमारी सरकार का मिशन असहायों की मदद करना है। हमारी सरकार का मिशन योग्य लोगों को अवसर प्रदान करना है।

मैं आपको इस मंच पर अपना वचन देता हूं कि तेलंगाना में इंदिराम्मा का राज्य बना और गरीबों का विकास करेगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कल्याणकारी योजनाएं हर गरीब व्यक्ति तक पहुंचे। हम शासक नहीं सेवक हैं। यीशु मसीह हमारा उदाहरण है। आइए जिम्मेदारी को भूले बिना काम करते हुए आगे बढ़ें। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को मुख्यमंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधान सभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद, बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, डीजीपी रवि गुप्ता, पूर्व मंत्री शब्बीर अली, अंजन कुमार यादव, संपत कुमार, ईसाई धर्मगुरु, पालक और अधिकारी शामिल हुए।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव में निष्पक्षता का नया मानदंड स्थापित

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने हाल ही में राज्य विधानमंडल का समापन किया। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव, क्षेत्र में एक ऐतिहासिक क्षण का प्रतीक है। सावधानीपूर्वक योजना, सक्रिय उपाय और अटूट निष्पक्षता के प्रति प्रतिबद्धता ने एक नया मानदंड स्थापित किया और व्यापक प्रशंसा अर्जित की। राज्य चुनाव आयोग द्वारा प्रतिबद्ध स्वतंत्र, निष्पक्ष और घटना-मुक्त चुनाव का संचालन कमिश्नर ने बीते 5 अक्टूबर को हैदराबाद में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही थी। हाल ही में तेलंगाना राज्य के चुनाव संपन्न हुए। इस सफलता का केंद्र था

सभी राजनीतिक दलों के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किए गए समान अवसर, शिकायतों का वास्तविक समय पर निवारण, प्रलोभनों पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय उपाय, और राजनीतिक दलों की बहुमूल्य प्रतिक्रिया ने चुनाव की मजबूती में योगदान दिया। जनता को संबोधित करने में सक्रिय दृष्टिकोण उनकी असाधारण विशेषताओं में से एक थी। मतदान दिवस और रणनीतिक से कुछ सप्ताह पहले प्रमुख अधिकारियों के फेरबदल ने एक माहौल सुनिश्चित करते हुए जनता की राय को सकारात्मक रूप से नया आकार दिया।

प्रवर्तन एजेंसियों की कार्रवाइयों में प्रलोभन 1000 से ज्यादा की फाइलिंग, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले और 12000 मामले जब्ती से संबंधित, नकदी और शराब ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की, जो पिछली उपलब्धि से कहीं अधिक थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार शाम बोलारम में राष्ट्रपति आवास पर एक घरेलू कार्यक्रम आयोजित किया। एट होम कार्यक्रम में राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी दंपति, मंत्री और अन्य लोग शामिल हुए।

प्रियदर्शनी कॉलेज में श्रीनिवास रामानुजन जयंती मनाई गई

खम्मम, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रियदर्शिनी महिला इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्राओं ने शुक्रवार को यहां विश्व प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 136वीं जयंती मनाई। कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. कटेपल्ली नवीन बाबू, अकादमिक निदेशक अटलुरी वेंकटरमण और इसके प्राचार्य डॉ. बी गोपाल ने रामानुजन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि रामानुजन को गणितीय प्रतिभा के धनी के रूप में जाना जाता था और उन्होंने अपनी बुद्धिमत्ता से भारत का नाम रोशन किया। नवीन बाबू ने कहा कि भारत सरकार ने रामानुजन के जन्मदिन को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' के रूप में घोषित किया और उनके 75 वें जन्मदिन को मनाने के लिए 1962 में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को उनके कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। वेंकटरमन ने बताया कि रामानुजन ने 13 साल की उम्र में त्रिकोणमिति, कठिन प्रमेय, ज्यामिति और अनंत श्रृंखला खुद ही सीख ली थी और गणितीय समस्याओं को अपने अंदाज में हल करते थे। 1729 को रामानुजन संख्या कहा जाता था क्योंकि उन्होंने इसके महत्व को समझाया था। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गोपाल ने कहा कि गणित तकनीकी प्रगति की रीढ़ है। मशीन लर्निंग और डेटा विश्लेषण काफी हद तक गणितीय मॉडल और सांख्यिकी पर निर्भर थे, साइबर सुरक्षा और क्रिप्टोग्राफी भी विभिन्न गणितीय विषयों पर निर्भर थे। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर विज्ञान डेटा संरचनाओं और कंप्यूटर एल्गोरिदम को विकसित करने के लिए विभिन्न गणितीय तर्क और संख्या सिद्धांत का उपयोग करता है। गणित इंजीनियरिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने में मदद करता है। प्रत्येक छात्र को गणित के प्रति जुनूनी होना चाहिए।

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा हेतु 11000 हनुमान चालीसा पाठ का संकल्प

मुंबई , 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा हेतु 11000 हनुमान चालीसा पाठ का संकल्प व्यास कलाकार पंडित शिवसागर मिश्रा ने किया है। इसका शुभारंभ मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर से किया गया। यह हनुमान चालीसा पाठ मुंबई, ठाणे स्थित कई धार्मिक स्थान पर किया जायेगा। 21 जनवरी को हनुमान चालीसा पाठ समापन होगा। इस मौके पर मुंबई भाजपा के प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, समाजसेवी मनोज नाथानी, प्रदीप पांडेय, अरविंद मिश्र, रमेश मिश्र, अतुल मिश्र, गोपाल पांडेय, अनिल पांडेय उपस्थित थे। हनुमान चालीसा पाठ के बाद सभी ने श्री सिद्धिविनायक गणेश जी के दर्शन लिए।

ट्रैफिक चालान पर 80 प्रतिशत की छूट

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना लगाने वाले मोटर चालकों के लिए एक अच्छी खबर में, तेलंगाना यातायात पुलिस ने शुक्रवार को लंबित चालान पर भारी छूट की घोषणा की। छूट 26 दिसंबर से 10 जनवरी तक रहेगी। जहां दोपहिया और तिपहिया वाहनों के चालान पर 80 फीसदी की छूट मिलेगी, वहीं चारपहिया और भारी वाहनों के चालान पर 60 फीसदी की छूट मिलेगी। इसी तरह की मुहिम में तेलंगाना पुलिस ने पिछले साल भी बड़ी रियायतें दी थीं।

विकास के लिए समन्वित प्रयास किया जाना चाहिए : जिला कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि कोलम, तोटी और पीवीटीजी के विकास के लिए अधिकारियों को समन्वय बनाकर काम करना चाहिए। जिला अतिरिक्त कलेक्टर दीपक तिवारी, दसारी वेणु, जिला आदिवासी विकास विभाग अधिकारी रमा देवी ने तहसीलदारों, मंडल परिषद विकास अधिकारियों, जिला कल्याण, चिकित्सा स्वास्थ्य, मिशन भगीरथ, बिजली, वन विभाग, आई.के.पी. के साथ प्रधान के प्रबंधन पर समीक्षा की। केंद्र सरकार द्वारा इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों के साथ मंत्री जन मन योजना की शुरुआत की गई। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गयी प्रधानमंत्री जन मन योजना के तहत जिले में 149 पीवीटीजी का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि गांवों में होने वाले पक्के मकानों, सड़कों, इंटरनेट सेवाओं, बिजली, मीठे पानी की आपूर्ति, अंगम वाड़ी केंद्रों की स्थापना, उपकेंद्र भवनों और स्कूल भवनों के निर्माण के लिए आवश्यक रिपोर्ट शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत की जाएं।

उन्होंने कहा कि गांवों में बहुउद्देश्यीय केन्द्रों की स्थापना के लिए ऐसी विवादों से मुक्त 1000 वर्ग गज भूमि चिन्हित कर जनसंख्या के आधार पर निर्माण कार्य कराया जाए। अधिकारियों को पीवीटीजी के लिए जनधन बैंक खाता खोलने के लिए कदम उठाना चाहिए और तैयार रहना चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री 15 जनवरी, 2024 को लाभार्थियों से बात करेंगे। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

सराफा बाजार मंदिर में धनुर्मास उत्सव हुआ प्रारंभ

निर्मल, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के भैंसा नगर स्थित श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर श्री महालक्ष्मी सराफा बाजार में धनुर्मास उत्सव हुआ प्रारंभ यह धनुर्मास उत्सव लक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में रविवार 14 जनवरी तक भव्यता से आयोजित किया जाएगा। मंदिर समिति सदस्य ने बताया कि 23 दिसंबर शनिवार को मुक्कोटि एकादशी (वैकुंठ एकादशी) को ब्रह्म मूहर्त में 4.05 बजे श्री स्वामी का क्षीराभिषेक किया जाएगा और 5.00 बजे उत्तरद्वार दर्शन शुरू होगा। दिनांक 30 दिसंबर शनिवार को 11.00 बजे से उत्सव मूर्तियों का अभिषेक व पूजा (तिरुमंजन) शाम 6.00 बजे सहस्र दीप अलंकार सेवा की जाएगी। दिनांक 31 रविवार से 2 जनवरी मंगलवार तक प्रतिदिन सुबह 5:30 बजे से महाभिषेक (नम्मलवार थिरुमंजन) शाम 6.00 बजे से पारंपरिक उत्सव होगा। दिनांक 12 जनवरी शुक्रवार शाम 6.05 बजे से महात्सव होगा। दिनांक 14 जनवरी रविवार को धनुर्मास (भोगी उत्सव) के अवसर पर अर्चक स्वामी द्वारा "श्री गोदा रंगनाथ स्वामी कल्याणोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा कहा।

जिला कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी एकीकृत जिला पदाधिकारी कार्यालय भवन परिसर में शुक्रवार को बैठक हुई। जिला उद्योग तीर्थ में जिला कलेक्टर भारती होलिकेरी की अध्यक्षता में बैठक हुई। पदोन्नति समिति, टीएस आई-पास की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि टी-प्राइड के अंतर्गत अनुसूचित जाति लाभार्थियों को सब्सिडी प्रोत्साहन प्रदान करने वाली योजनाएं समान रूप से निर्धारित हैं। आदिवासियों एवं दिव्यांगों को दी जाने वाली योजनाओं की समीक्षा की गयी। टी-आइडिया योजनाओं के तहत अनुसूचित जाति के लाभार्थियों की श्रेणी में परिवहन क्षेत्र से संबंधित प्राप्त आवेदन, साथ ही एस.सी. अनुसूचित जनजाति समिति ने श्रेणी के तहत प्राप्त आवेदनों को अनुमति दे दी है। ऐसे में जिन लाभार्थियों को योजनाओं के तहत यूनिटें मिल गई हैं, वे इन्हें लगातार चला सकें। बैठक में जिला उद्योग प्रबंधक राजेश्वर रेड्डी, संबंधित विभाग के अधिकारी अन्य लोगों ने भाग लिया।

सभी वर्गों के लिए काम रहे है पीएम मोदी : मेराज

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष जौनपुर, यूपी मेराज हैदर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूपी की योगी सरकार समाज के सभी वर्गो के लिए काम कर रही है। सभी योजनाओं का लाभ सभी धर्मो, जातियों को बिना भेदभाव मिल रहा है। हैदराबाद में एक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे मेराज हैदर ने कहा कि जाति जनगणना आदि के मुद्दों पर विपक्षी दल जनता को गुमराह करने में लगे हुए है। भारतीय जनता पार्टी सिर्फ देश के विकास को अहम मानकर चल रही है। भाजपा सत्ता के लिए नहीं लोगों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज यूपी की कानून-व्यवस्था की चर्चा देश-विदेश में हो रही है। आज यूपी में भारी संख्या में निवेशक आ रहे है। पहले सपा-बसपा और कांग्रेस के शासन के दौरान यूपी में लोग उद्योग लगाने से डरते थे। आज यूपी का चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष मुस्लिमों को डरानें में लगा हुआ है। जबकि आज मुस्लिम समाज के युवाओं को रोजगार मुहैया कराने का काम यूपी सरकरा कर रही है।

गणित दिवस मनाया गया

भैंसा, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री सरस्वती शिशु मंदिर गुजरी गली स्कूल, चैतन्य, वासवी, वेधम, सर्वेश्वर, यशोदा, गौतमी, विकास, नारायण और अल्फोर्स स्कूलों में शुक्रवार को श्रीनिवास रामानुजन जयंती और गणित दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गणितीय मॉडल एवं प्रस्तुतिकरण दिए। बाद में गणित शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरीगली शिशु मंदिर स्कूल के प्राचार्य गंगाधर, श्रीनिवास रेड्डी, रामदास सहित अन्य ने भाग लिया।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला ने स्वेटर वितरण किया

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शाखा मंत्री शीतल जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शाखा अध्यक्ष रक्षा जैन की अध्यक्षता में वेस्ट मेट्रेडपल्ली स्थित में हेल्पिंग हैंड्स हयुमिनिटी में बढ़ती हुई सर्दी को देखते हुए बच्चों को स्वेटर एवं मंकी कैप वितरण किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा उपाध्यक्ष शशि नाहर,शाखा सह मंत्री सुमन घोड़ेला, रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा, लाड़ देवी,रतन गांधी , पुष्पा कोठारी, मंजू गांधी, संतोष गजरानी, सोनल जैन, सुनीता जैन, कविता मांडण,शीतल मंणोत, मेघा सिंघी बबीता घोड़ेला का सराहनीय योगदान रहा। शाखा कोषाध्यक्ष कल गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एमजीयू गणित विभाग ने श्रीनिवास रामानुजन की जयंती मनाई

नलगोंडा, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के गणित विभाग ने गणित विभाग के प्रमुख की अध्यक्षता में शुक्रवार को श्रीनिवास रामानुजन की जयंती मनाई। महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति चोलेटी गोपाल रेड्डी मुख्य अतिथि थे। वीसी ने छात्रों व शिक्षकों को विज्ञान, अर्थशास्त्र, वाणिज्य व अन्य क्षेत्रों में गणित की भूमिका समझाते हुए कई सुझाव दिये। श्रीनिवास रामानुज जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय गणित महोत्सव में निबंध और लेखन प्रतियोगिताओं में विजेता छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। सभी विद्यार्थियों को गणित में प्रदान की गई सेवाओं को उदाहरण के रूप में लेकर अपना भविष्य संवारने का सुझाव दिया गया।

साइंस कॉलेज की प्राचार्य प्रो अन्नपूर्णा आरएस बुट्टी ने कहा कि गणित सभी विज्ञानों का प्रमुख है और दोहराया कि गणित मानव स्वभाव से जुड़ा हुआ है। गणित विभाग के प्रमुख डॉ. पी मैडिलेटी ने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया और उन्हें समाज में गणित के बारे में भय और गलत धारणाओं को दूर करने और छात्र स्तर से गणित को प्रोत्साहित करने की सलाह दी। इसी प्रकार, छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए श्रीनिवास रामानुजन की ऐतिहासिक फिल्म "द मैन हू नोज़ इनफिनिटी" को स्कूलों और कॉलेजों में प्रदर्शित किया जाना चाहिए। इस अवसर पर बोर्ड ऑफ स्टडीज के अध्यक्ष डॉ. उपेन्द्र रेड्डी ने कहा कि प्रत्येक छात्र को श्रीनिवास रामानुजन को याद करना चाहिए और अनुशासन के साथ अपने भविष्य के लिए रास्ता बनाना चाहिए। कार्यक्रम में व्याख्याता डॉ हैमावती, डॉ ए श्रीनिवास और डॉ किरण कुमार थे, कार्यक्रम में छात्रों ने भाग लिया।

श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के अवसर पर जियागुडा स्थित श्री श्लोका दि स्कूल में मैथ प्रदर्शनी में भाग लेते हुए, निहारिका सिंह, खुशी, समृधि, खूशबू, नंदिनी, रणवीर, आशुष सिंह आदि छात्र-छात्राएं।

मानसिक तनाव को दूर करता है खेल : कलेक्टर

निर्मल, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को निर्मल के एनटीआर स्टेडियम में राज्य स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला कलक्टर आशीष सांगवान ने मशाल जलाकर किया। इससे पहले विद्यार्थियों ने झंडे को फहराकर सलामी दी। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कामना की कि हैदराबाद, नलगोंडा, खम्मम, वारंगल, महबूबनगर, मेडक, रंगारेड्डी, करीमनगर, निज़ामाबाद और आदिलाबाद के दस जिलों के खिलाड़ी राज्य स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिताओं में जीत हासिल करें और राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि बच्चों के मानसिक तनाव को दूर करने और मानसिक स्थिरता में सुधार के लिए खेल बहुत उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रतियोगिताएं कल तक आयोजित की जायेंगी। उन्होंने बताया कि सॉफ्टबॉल अंडर 17 बालक एवं बालिका प्रतियोगिताएं 10 जिलों की 10 टीमों द्वारा आयोजित की जाएंगी, विजेता राजस्थान बिकनूर होगी, इन प्रतियोगिताओं में 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया।इसके बाद उन्होंने सॉफ्टबॉल खेलना शुरू कर बच्चो के मनोबल को बढ़ाया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष ईश्वर, डी वाई एस ओ नाफिया, खान, एसीजी पद्मा, डीपीआरओ तिरुमाला, जिला सॉफ्ट बॉल अध्यक्ष दशरथ, सचिव अन्नपूर्णा, रमना और अन्य ने भाग लिया।

जीएचएमसी जामबाग के पाषर्द राकेश जायसवाल ने समाजसेवी शीलवती बाई जायसवाल की पुण्यतिथि के मौके पर पुलतीबावली जंक्शन, गौलागुड़ा में जरूरतमंद लोगों को कंबल व ऊनी कपड़े वितरित किए। इस अवसर मयूर कालेकर, कलाल, वैयक्का, प्राची, संगीता, रामकृष्ण, राजू, नरसिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

रेसलर बजरंग ...

आपको पता होगा कि इसी साल जनवरी महीने में देश की महिला पहलवानों ने कुश्ती संघ पर काबिज बृजभूषण सिंह पर सेक्शुअल हैरेसमेंट के गंभीर आरोप लगाए थे। जब उन महिला पहलवानों ने अपना आंदोलन शुरू किया तो मैं भी उसमें शामिल हो गया था। आंदोलित पहलवान जनवरी में अपने घर लौट गए, जब उन्हें सरकार ने ठोस कार्रवाई की बात कही।

लेकिन 3 महीने बीत जाने के बाद भी जब बृजभूषण पर एफआईआर तक नहीं की, तब हम पहलवानों ने अप्रैल महीने में दोबारा सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया, ताकि दिल्ली पुलिस कम से कम बृजभूषण पर एफआईआर दर्ज करे। लेकिन फिर भी बात नहीं बनी तो हमें कोर्ट में जाकर एफआईआर दर्ज करवानी पड़ी।

बृजभूषण के दबाव में 12 महिला पहलवान पीछे हटीं :

जनवरी में शिकायतकर्ता महिला पहलवानों की गिनती 19 थी, जो अप्रैल तक आते-आते 7 रह गई थी। यानी इन 3 महीनों में अपनी ताकत के दम पर बृजभूषण ने 12 महिला पहलवानों को अपने न्याय की लड़ाई में पीछे हटा दिया था। आंदोलन 40 दिन चला। इन 40 दिनों में एक महिला पहलवान और पीछे हट गईं। हम सब पर बहुत दबाव आ रहा था। हमारे प्रदर्शन स्थल को तहस-नहस कर दिया गया और हमें दिल्ली से बाहर खदेड़ दिया गया और हमारे प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी।

संसद भवन अयोध्या...

इसके बाद कंट्रोल रूम के अधिकारियों ने प्रभारी एडिशनल डीसीपी को जानकारी दी। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश बिश्नोई को जानकारी दी गई। मैसेज की बारीकी से जांच की गई। जिस नम्बर से मैसेज आया वह भरतपुर का निकला। भरतपुर एसपी से जानकारी शेयर की गई। सभी जिलों की पुलिस, एटीएस-एसओजी को अलर्ट रहने के लिए कहा गया।

मैसेज की जानकारी मिलने पर भरतपुर पुलिस शाम 4 बजे मोबाइल नम्बर जिसका था, उस तक पहुंची। जिसका नंबर था, वह युवती निकली। पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू की। इसके बाद युवती ने बताया, उस ने इस तरह का कोई मैसेज नहीं किया। इसके बाद युवती के मोबाइल और नम्बर की जांच की गई। पता चला कि उसका मोबाइल हैक कर लिया गया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर क्राइम कैलाश बिश्नोई ने बताया, युवती से पूछताछ में सामने आया कि उसी का दोस्त फोन हैक कर इस तरह के मैसेज कर रहा है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण अफ्रीका से अचानक भारत लौटे कोहली ऋतुराज गायकवाड़ टेस्ट सीरीज से क्यों हुए बाहर?

26 दिसंबर से पहला टेस्ट

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम फिलहाल दक्षिण अफ्रीकी दौरे पर है। टी20 सीरीज और वनडे सीरीज के बाद अब दोनों टीमें दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। हालांकि, इससे पहले भारत के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ दोनों टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। वहीं, विराट कोहली अचानक दक्षिण अफ्रीका से मुंबई लौट आए हैं।

विराट फिलहाल तीन दिवसीय इंट्रा स्क्वॉड मैच में हिस्सा नहीं ले रहे हैं, जो कि अभी प्रिटोरिया में खेला जा रहा है। अगर वह सीरीज के लिए वापस नहीं लौटते हैं तो टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका होगा। हालांकि, बीसीसीआई ने इसको लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहला टेस्ट 26 दिसंबर से सेंचुरियन में खेला जाएगा।

कोहली टीम मैनेजमेंट और बीसीसीआई से अनुमति मिलने के बाद तीन दिन पहले ही मुंबई के लिए रवाना हुए थे और उन्होंने प्रिटोरिया में तीन दिवसीय अभ्यास मैच में हिस्सा नहीं लिया। फैमिली इमरजेंसी इसके पीछे की वजह बताई जा रही है। बीसीसीआई सूत्रों का कहना है कि वह 26 दिसंबर से सेंचुरियन में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए समय पर जोहानिसबर्ग लौट जाएंगे। कोहली के शुक्रवार (22 दिसंबर) को लौटने की उम्मीद है।

ऋतुराज की अंगुली में चोट लगी

बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार, युवा सलामी बल्लेबाज ऋतुराज अंगुली की चोट से उबर नहीं पाए हैं। उन्हें दक्षिण अफ्रीका में भारतीय टीम मैनेजमेंट ने रिलीज कर दिया है। गायकवाड़ को 19 दिसंबर को पोर्ट एलिजाबेथ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान अंगुली में चोट लगी थी।

उन्होंने कहा, 'वह दूसरे वनडे में फील्डिंग करते हुए चोट लगा बैठे थे और उससे पूरी तरह नहीं उबर पाए हैं। तीसरे वनडे में भी ऋतुराज नहीं खेले थे और बीसीसीआई ने कहा था कि वह मेडिकल टीम की निगरानी में हैं। वहीं अब यह सामने आया है कि दोनों टेस्ट मैचों में से किसी से भी पहले उनके ठीक होने की कोई संभावना नहीं है। टीम मैनेजमेंट ने बीसीसीआई से बातचीत करने के बाद उन्हें तुरंत रिलीज करने का फैसला किया है। उनके शनिवार तक भारत पहुंचने की उम्मीद है।

इंट्रा स्क्वॉड प्रैक्टिस मैच में शानदार प्रदर्शन

इस बीच शुक्रवार को समाप्त होने वाले अभ्यास मैच में ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन ने मौके का पूरा फायदा उठाया, जबकि कप्तान रोहित शर्मा, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर प्रभावी दिखे।

आईसीसी ने उस्मान ख्वाजा के खिलाफ उठाया यह कदम

पर्थ टेस्ट में बांधी थी काली पट्टी

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान काली पट्टी पहनकर मैदान पर उतरे थे। इस कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उनके ऊपर नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। ख्वाजा इजराइल-हमास संघर्ष के कारण पीड़ित लोगों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए ऐसे जूते पहनना चाहते थे जिन पर ₹सभी का जीवन समान हैं₹ और ₹स्वतंत्रता एक मानव अधिकार हैं₹ लिखा हो। आईसीसी ने ऐसा करने की स्वीकृति नहीं दी थी। ख्वाजा ने पर्थ में टेस्ट मैच के दौरान हाथ पर काली पट्टी बांधकर उतरे थे।किसी विशेष अवसर को चिह्नित करने के लिए खिलाड़ियों द्वारा काली पट्टी पहनी जाती है। इसके लिए आईसीसी से अनुमति की आवश्यकता होती है। आईसीसी के एक प्रवक्ता ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया, ₹उस्मान ख्वाजा पर कपड़े और उपकरण नियमों के क्लॉज एफ का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है।

क्या है आईसीसी का नियम?

उन्होंने कहा, उस्मान ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान एक व्यक्तिगत संदेश (आर्म बैंड) प्रदर्शित किया, जिसे प्रदर्शित करने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और आईसीसी की पूर्व अनुमति नहीं ली गई, जैसा कि व्यक्तिगत संदेशों के लिए नियमों में आवश्यक है। यह एक श्रेणी के तहत उल्लंघन है। अन्य उल्लंघन और पहले अपराध के लिए सजा के रूप में फटकार लगाई जाती है।

ख्वाजा ने लोगों को कहा शुक्रिया

इससे पहले ख्वाजा ने इंस्टाग्राम पर अपने समर्थन में आने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाना जारी रखेंगे। ख्वाजा ने लिखा, "उन सभी को धन्यवाद जिन्होंने इस सप्ताह मेरा समर्थन किया और मुझे प्यार दिया। इस पर किसी का ध्यान नहीं गया। वहां बहुत सारे दयालु लोग हैं। कुछ भी सार्थक आसान नहीं है। इतिहास गवाह है कि हम अपने अतीत की गलतियों को दोहराने के लिए अभिशप्त हैं, लेकिन साथ मिलकर हम बेहतर भविष्य के लिए लड़ सकते हैं।"

अफ्रीका में दूसरी बार वनडे सीरीज जीता भारत मेजबान को 78 रन से हराया, सैमसन का शतक

पार्ल, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने साउथ अफ्रीका टूर की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। टीम ने तीसरे और निर्णायक मुकाबले में मेजबान टीम को 78 रन से हराया। टीम इंडिया ने अफ्रीकी सरजमीं पर दूसरी बार वनडे सीरीज जीती है। टीम ने 2018 में विराट कोहली की कप्तानी में पहली बार वनडे सीरीज जीती थी। पार्ल के बोलैंड पार्क स्टेडियम में भारतीय टीम ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 296 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 45.2 ओवर में 218 रन पर ऑलआउट हो गई। संजू सैमसन ने 108 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि अर्शदीप सिंह ने 4 विकेट लिए। आवेश खान और वॉशिंगटन सुंदर को 2-2 विकेट मिले।अब टीम इंडिया 26 दिसंबर से 2 टेस्ट की सीरीज खेलने उतरेगी। पहला मैच सेंचूरियन के मैदान पर खेला जाएगा। टीम इंडिया वहां अब तक टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है।

डेथ ओवर्स की 35 बॉल में अफ्रीका ने गंवाए 3 विकेट

मिडिल ओवर्स में बैटिंग ऑर्डर बिखरने के बाद टेल एंडर्स पारी संभाल नहीं सके। टीम ने आखिरी 35 बॉल में 20 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए। इनमें अर्शदीप ने 2 विकेट झटके। उनके मैच में 4 विकेट हो गए।

मिडिल ओवर्स में साउथ अफ्रीका के 6 विकेट गिरे

साउथ अफ्रीका ने मिडिल ओवर्स की शुरुआत में अच्छी बैटिंग की, लेकिन बाद में लगातार विकेट गंवाए। 15वें ओवर में अक्षर पटेल ने रासी वान डर डसन का विकेट लिया। यहां मार्करम और जॉर्जी की अर्धशतकीय साझेदारी ने संभाला। इस साझेदारी को 26वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने तोड़ा। यहां से भारतीय गेंदबाज लगातार विकेट लेते चले गए। 30वें, 33वें और 34वें ओवर में विकेट मिले और साउथ अफ्रीका के लिए मैच मुश्किल हो गया। बीच के 30 ओवर में साउथ अफ्रीका ने 136 रन बनाने के 6 विकेट गंवा दिए। आगे मिडिल ओवर्स की हाईलाईट्स

डी जॉर्जी ने 17वें ओवर में अर्धशतक पूरा किया साउथ अफ्रीका के ओपनर टोनी डी जॉर्जी ने वनडे करियर का पहला अर्धशतक लगाया। उन्होंने कुल 81 रन की पारी खेली।

मुकेश कुमार ने 25वें ओवर में डी जॉर्जी का कैच छोड़ा मुकेश कुमार ने 25वें ओवर में टोनी डी जॉर्जी को जीवनदान दिया। तब जॉर्जी 68 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे।

जॉर्जी-मार्करम की फिफ्टी पार्टनरशिप डी जॉर्जी और एडन मार्करम के बीच चौथे विकेट के लिए 67 बॉल पर 65 रन की पार्टनरशिप हुई। इसमें मार्करम ने 36 और जॉर्जी ने 28 रन बनाए। साई सुदर्शन का कमाल का कैच साउथ अफ्रीकी पारी के 33वें ओवर में साई सुदर्शन ने हेनरीक क्लासन का शानदार कैच पकड़ा। साई ने मिडऑफ पर फ्लाइंग कैच लपका। क्लासन 21 रन बनाकर पवेलियन लौटा।

संजू और तिलक की पारी से भारत 296/8

भारतीय टीम ने पार्ल के बोलैंड पार्क स्टेडियम में टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में

8 विकेट पर 296 रन बनाए। संजू सैमसन ने 114 बॉल पर 108 रन की पारी खेली। उन्होंने 6 चौके और 3 छक्के जमाए। यह संजू के वनडे करियर का पहला शतक है। तिलक वर्मा ने 52 रन की पारी खेली। उन्होंने वनडे करियर का पहला अर्धशतक जमाया। रिंकू सिंह ने 27 बॉल पर 38 रन की पारी खेली।

डेथ ओवर में भारत ने 93 रन बनाने में गंवाए 5 विकेट

डेथ ओवर में भारतीय बल्लेबाजों ने 93 रन बनाए, लेकिन टीम को 5 झटके भी लगे। आखिर के 10 ओवर्स में संजू सैमसन ने वनडे करियर की पहली सेंचुरी पूरी की, जबकि तिलक वर्मा ने पहला अर्धशतक जमाया। रिंकू सिंह ने 27 बॉल पर 38 रन जोड़े। अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर खास प्रदर्शन नहीं कर सके। पावरप्ले में दो विकेट गंवाने के बाद संजू सैमसन ने अहम पारी खेली।

उन्होंने केएल राहुल के साथ 52 और तिलक वर्मा के साथ शतकीय साझेदारी करके स्कोर 200 के पार पहुंचा दिया। मिडिल ओवर में टीम इंडिया ने 144 रन बनाने में सिर्फ एक विकेट गंवाया। 40वें ओवर के बाद टीम इंडिया का स्कोर 59/3 रहा।

सनराइजर्स हैदराबाद ने पैट कमिंस को खरीदने के लिए क्यों लुटाए 20.5 करोड़? अनिल कुंबले ने बताई वजह

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान और कोच अनिल कुंबले का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप विजेता कप्तान पैट कमिंस को उनके कैप्टेंसी स्किल के लिए आईपीएल नीलामी में इतनी भारी राशि मिली है। सनराइजर्स हैदराबाद ने कमिंस को 20.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। कमिंस के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के अलावा मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स ने भी बोली लगाई थी। इसी वजह से बोली इतनी ऊपर पहुंची।

कुंबले ने कहा, 'यह सच में बहुत ज्यादा कीमत है। 20 करोड़ रुपये के पार बोली जाने की उम्मीद नहीं थी। हमें पता था कि वह अधिक कीमत में बिकेंगे, लेकिन 20 करोड़ रुपये पाकर उन्होंने रिकॉर्ड बनाया है।' कमिंस आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे बिकने वाले खिलाड़ी बन गए थे, लेकिन जल्द ही उन्हें हमवतन मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ दिया। स्टार्क को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24.75 करोड़ रुपये में आईपीएल नीलामी में खरीदा।

उन्होंने कहा, 'सनराइजर्स को शायद कप्तान की तलाश है और यही कारण हो सकता है कि कमिंस को खरीदने के लिए बेताब दिखे। शायद आरसीबी भी लंबे समय से कप्तान की तलाश में थी। पैट कमिंस को शुभकामनाएं। तीन ट्राफियां, लेकिन यह उन सब में सबसे बेहतरीन चीज रही।

विश्व कप विजेता कप्तान इयोन मॉर्गन का मानना है कि कमिंस को ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय टीम के कप्तान के रूप में हाल में मिली सफलता का श्रेय मिला है। मॉर्गन ने कहा, 'पैट कमिंस जिस तरह के गेंदबाज हैं और पिछले डेढ़ साल में उन्हें जो सफलता मिली है, वह शानदार है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाली टीम की कप्तानी करने के अलावा एक गेंदबाज के तौर पर इंग्लैंड में एशेज बरकरार रखने में उन्होंने मदद की। फिर ऑस्ट्रेलियाईटीम को एक और वनडे विश्व कप दिलाया।

मॉर्गन ने कहा, 'कमिंस को इतनी बड़ी राशि उनके हालिया फॉर्म और आत्मविश्वास को देखकर भी मिली है। यह डिमांड-सप्लाई का भी मुद्दा है। कुछ टीमें न केवल कप्तान के रूप में बल्कि चेंजिंग रूम में भी लीडरशिप रोल की तलाश में हैं। इसलिए पैट कमिंस पूरी तरह से अपनी कीमत को सही ठहराते हैं।' फिलहाल सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान एडेन मार्करम हैं। हालांकि, उनकी टीम का पिछले सीजन प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। टीम 14 मैचों में चार जीत और 10 हार के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर रही थी।

बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज नहीं खेलेंगे विलियमसन और जेमिसन

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन और तेज गेंदबाज काइल जेमिसन बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ इस महीने के अंत में खेली जाने वाली तीन मैचों की सीरीज से नाम वापस ले लिया है। इन दोनों खिलाड़ियों की जगह रचिन रवींद्र और जैकब डफी को टीम में शामिल किया गया है।विलियमसन की गैरमौजूदगी में मिचेल सैंटनर टीम की कमान संभालेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा, यह फैसला मेडिकल सलाह और आगामी कार्यक्रम को देखते हुए लिया गया है, जहां टीम को गर्मियों में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में घुटना चोटिल होने के बाद विलियमसन इस साल की शुरुआत में सात महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा, 'हाल ही में भारत और बांग्लादेश में खेलने के बाद विलियमसन रिहैब से गुजरेंगे।' 'जेमिसन को हैमस्ट्रिंग की दिक्कत है और वह रिहैब पर हैं, उन्हें भी फरवरी में साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए तैयार रहना है।' वह बांग्लादेश के अलावा जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। वह हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज में भी नहीं खेले थे। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टिड ने कहा, 'हम केन और काइल दोनों को साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज में खेलते देखना चाहते हैं। मेडिकल स्टाफ और खिलाड़ियों से बातचीत के बाद फैसला किया गया है कि वे दोनों रिहैब पर रहेंगे। जैकब एक अनुभवी टी-20 क्रिकेटर हैं। वहीं रचिन भी तीनों फॉर्मेट में खुद को साबित करना चाहते हैं।' तीन मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मैच 27 दिसंबर को नेपियर में खेला जाएगा। वहीं दूसरा 29 और 31 दिसंबर को खेला जाएगा। ये दोनों मैच माउंट मोनगानुई में होंगे।

वेस्टइंडीज ने आखिरी टी-20 में इंग्लैंड को हराया कैरेबियाई टीम ने सीरीज पर 3-2 से किया कब्जा

त्रिनिदाद, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड को वेस्टइंडीज दौरे पर गुरुवार को खेले गए आखिरी और निर्णायक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही वेस्टइंडीज ने 5 टी-20 मैचों की सीरीज को 3-2 से जीत लिया है। त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए निर्णायक मैच में वेस्टइंडीज ने शाई होप की नाबाद 43 रन की बदौलत इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया। इससे पहले दोनों टीमों 2-2 मुकाबले जीत कर सीरीज में बराबर पर थीं। फिल सॉल्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। उन्होंने इंग्लैंड के लिए सीरीज में 331 रन बनाए।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड132 रन ही बना पाई। उधर कैरेबियाई टीम ने जीत का टारगेट 4 विकेट शेष करते 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर हासिल कर लिया।

इंग्लैंड की ओर से फिल सॉल्ट और लियाम लिविंगस्टन के अलावा कोई भी बल्लेबाज 15 रन से ऊपर नहीं बना सका। सॉल्ट ने 38 और लिविंगस्टन ने 28 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोती ने 4 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट लिए। आंद्रे रसेल ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट और अकील हुसैन ने 4 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट लिए।

साई होप और रदरफोर्ड ने पारी संभाली

133 रन के आसान टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वेस्टइंडीज को पहला झटका 20 रन पर लगा। ओपनर ब्रैंडन किंग रीस टॉप्ले की गेंद पर जोस बटलर को कैच देकर पवेलियन लौट गए उन्होंने 5 गेंदों पर 3 रन बनाए। वहीं दूसरे ओपनर जॉनसन चार्ल्स ने 22 गेंदों पर 26 रन बनाकर आउट हो गए।

वेस्टइंडीज को तीसरा झटका 54 रन पर लगा। विकेटकीपर निकोलस पूरन भी 6 गेंदों पर 10 रन बनाकर आउट हो गए। उसके बाद साईं होप ने शेरफन रदरफोर्ड के साथ मिलकर 38 गेंदों पर 41 रन की पार्टनरशिप की। रदरफोर्ड ने 24 गेंदों पर 30 रन बनाए। वहीं होप ने 43 गेंदों पर 43 रन की पारी खेली।

भारत-द. अफ्रीका के टॉप मोमेंट्स : संजू सैमसन ने बाइसेप्स दिखाए : केशव महाराज जब-जब स्ट्राइक पर आए, तब-तब मैदान पर राम सिया राम, गाना बजा

नई दिल्ली, 22 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने वनडे सीरीज के तीसरे और निर्णायक मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 78 रन से हराया। इसी के साथ टीम इंडिया ने अफ्रीकी सरजमीं पर दूसरी बार वनडे सीरीज जीत ली है। गुरुवार को पार्ल के बोलैंड पार्क स्टेडियम में भारतीय टीम ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 8 विकेट पर 296 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 45.2 ओवर में 218 रन पर ऑलआउट हो गई।

इस सीरीज डिसाइडर मुकाबले के दौरान कई रोचक मोमेंट्स देखने को मिले। भारतीय बल्लेबाज संजू सैमसन (108 रन) ने वनडे करियर का पहला शतक जमाने के बाद अपने बाइसेप्स दिखाकर जश्न मनाया। तो आवेश खान की बॉल पर साई सुदर्शन ने मिडऑफ पर फ्लाइंग कैच पकड़ा। वहीं, साउथ अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज ने तिलक वर्मा का विकेट लेकर सबको शांत रहने का इशारा दिया। इसके बाद वे जब-जब स्ट्राइक करने आए, तब-तब मैदान पर राम सिया राम... गाना बजा।

शुरुआत भारतीय पारी के मोमेंट्स से... डेब्यूटांट रजत पाटीदार बोल्ड हुए

भारत के लिए डेब्यू मैच खेल रहे मध्यप्रदेश के बैटर रजत पाटीदार बोल्ड हो गए। वे चोटिल गायकवाड की जगह ओपन करने उतरे। 5वें ओवर में साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर गेंदबाजी कर रहे थे। ओवर की पहली बॉल पर पाटीदार ने सिक्स लगाया, फिर तीसरी बॉल पर उठाकर चौका लगाया। चौथी बॉल को भी पाटीदार हिट करना चाहते थे, लेकिन बर्गर ने फुलर लेंथ फेंकी जिस पर वे बीट होकर बोल्ड हो गए।

पहली सेंचुरी के बाद सैमसन का बाइसेप सेलिब्रेशन

भारतीय बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपना पहला इंटरनेशनल शतक लगाया और इसका सेलिब्रेशन भी अनोखे अंदाज में किया। 44वें ओवर की आखिरी बॉल पर केशव महाराज के

सामने सैमसन ने लॉन्ग ऑफ पर सिंगल लेकर अपना शतक पूरा किया। सैमसन ने अपना बाइसेप्स दिखाकर मेडन सेंचुरी सेलिब्रेट की।

2021 में भी सैमसन ने IPL के दौरान बाइसेप सेलिब्रेशन किया था। जब उनसे उनके 'बाइसेप्स' सेलिब्रेशन के बारे पूछा गया था तब उन्होंने कहा था, 'मैं सिर्फ खुद को अपना नाम याद दिला रहा था, सैमसन दुनिया का सबसे मजबूत आदमी है।'

केशव महाराज ने शांत रहने का इशारा किया

केशव महाराज को मैच में इकलौता विकेट तिलक वर्मा का मिला। 42वें ओवर की दूसरी बॉल पर तिलक वर्मा ने आउटसाइड ऑफ की ओर स्लॉग स्वीप खेला। फील्डिंग कर रहे वायन मुल्डर ने उनका कैच लपक लिया और महाराज को विकेट मिला। उन्होंने मुंह पर उंगली रख कर तिलक का विकेट सेलिब्रेट किया।

यहां से साउथ अफ्रीकी पारी... मुकेश कुमार ने एक बॉल पर 7 रन आए, 2 नो बॉल

साउथ अफ्रीका की पारी के तीसरे ओवर में मुकेश कुमार ने लगातार 2 बॉल में 2 बार नो-बॉल फेंकी। ओवर की तीसरी बॉल पर मुकेश का पांव क्रीज के बाहर चला गया था। अंपायर ने इसे नो-बॉल करार दिया। जॉर्जी ने इस गेंद पर 2 रन लिए।

अगली फ्री हिट बॉल पर मुकेश ने वाइड यॉर्कर गेंद फेंकी। बॉल के दौरान फिर मुकेश का पैर बाहर था। इस पर 1 रन आया और अंपायर ने फिर नो बॉल का इशारा किया। अगली बॉल पर भी फ्री हिट लागू थी, डी जॉर्जी ने इस मौके का फायदा उठाकर चौका लगा दिया।

डी जॉर्जी के कंधे पर लगा साई का थ्रो

साउथ अफ्रीका के ओपनिंग बैटर डी जॉर्जी के कंधे पर रनिंग के दौरान बॉल लग गई। 23वें ओवर में अक्षर पटेल की गेंद पर जॉर्जी ने शॉर्ट मिड ऑफ की दिशा में शॉट खेला और एक रन के लिए दौड़े। फील्डिंग कर रहे साई सुदर्शन ने जॉर्जी को आउट करने के लिए बॉलर्स एंड की ओर थ्रो फेंका जो जॉर्जी के कंधे पर लगा।

थ्रो लगने के बाद जॉर्जी दर्द में दिखे, जिसके बाद टीम के फिजियों ने उनहें फर्स्ट एड देकर मदद की।

मुकेश से छूटा कैच

25वें ओवर में मुकेश कुमार से साउथ अफ्रीका के ओपनर टोनी डी जॉर्जी का कैच छूट गया। 24वें ओवर में अक्षर पटेल की तीसरी बॉल पर जॉर्जी ने रिवर्स स्वीप खेला। बॉल उनके बल्ले से लग कर शॉर्ट थर्ड में गई, जहां मुकेश फील्डिंग कर रहे थे। बॉल मुकेश के मुंह पर लगी और फिर हवा में गई। मुकेश ने डाइव लगा कर कैच लपकने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे।

साई सुदर्शन ने लपका क्लासन का फ्लाइंग कैच

साई सुदर्शन ने साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासन का डाइविंग कैच लपककर उन्हें चलता कर दिया। 33वें ओवर में आवेश खान की दूसरी बॉल पर क्लासन ने मिड ऑफ की तरफ ड्राइव किया। यहां फील्डिंग कर रहे साई सुदर्शन ने रनिंग करते हुए आगे की ओर छलांग लगाकर कैच लपक लिया।

राजनीति को पैसे से जोड़ने का विचार किनारे रखें : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि लोगों को राजनीति को पैसे से जोड़ने के विचार को अलग रखना चाहिए और इंदिराम्मा हाउस में रहने वाला एक आम आदमी कांग्रेस पार्टी में विधायक बन सकता है। शुक्रवार को यहां बाघलिंगमपल्ली में डॉ.बी.आर. अंबेडकर लॉ कॉलेज के पूर्व छात्रों की बैठक और स्नातक दिवस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति उन लोगों की सेवा करके राजनीति में सफल हो सकता है जो निश्चित रूप से उन लोगों को समर्थन देते हैं जो ईमानदारी से समाज की सेवा करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तेलंगाना के लोगों के आशीर्वाद और बेरोजगारों के संघर्ष से राज्य में सत्ता में आई है। रेवंत रेड्डी ने कहा, "मैंने चार करोड़ तेलंगाना लोगों के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली है। कई नेताओं से मुख्यमंत्री पद के लिए भारी प्रतिस्पर्धा के बावजूद मुझे मौका देने के लिए मैं हमेशा कांग्रेस सुप्रीमो सोनिया गांधी को धन्यवाद देता हूं।" उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य को सभी पहलुओं में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है और वह धैर्य और दृढ़ संकल्प के साथ तेलंगाना को देश में एक रोल मॉडल के रूप में बढ़ावा देने के प्रयास कर रही है। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए बीआरएस विधायक गद्दाम विवेक और विनोद के भाइयों की सराहना की और उन्हें लव और कुश, जुड़वां भाई कहा, जो महाकाव्य रामायण में भगवान राम की संतान थे। यह इस बारे में नहीं है कि हम कितना कमाते हैं। काका के नाम से लोकप्रिय दिवंगत कांग्रेस नेता जी वेंकटस्वामी की सामाजिक जिम्मेदारी के साथ समाज में योगदान देने की नीति उत्कृष्ट है। यह एक महान अवसर है कि वेंकटस्वामी की पुण्य तिथि को स्नातक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। रेवंत रेड्डी ने कहा, काका ने पिछले 50 वर्षों से कई छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने और राष्ट्र निर्माण में सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का श्रेय अर्जित किया है। उन्होंने आगे कहा कि काका परिवार ने बिना किसी लाभ के उद्देश्य से गरीब छात्रों को शिक्षा प्रदान करने का सम्मान अर्जित किया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बीआर अंबेडकर कॉलेज के छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हर तरह की मदद का आश्वासन दिया। रेवंत रेड्डी ने सलाह दी, "मैं राज्य में शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए प्रयास करूंगा। छात्रों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और कॉलेज के दिनों का आनंद लेने के अलावा उज्ज्वल भविष्य के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।"

केवाईसी अपडेट से गैस सब्सिडी का कोई लेना-देना नहीं

सरकार से 500 रूपए गैस देने वाले मामले पर कोई निर्देश नहीं

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी वादे में कहा था कि सत्ता में आने के बाद एलपीजी सिलेंडर रियायती कीमत 500 रूपए में उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य में पार्टी की सरकार बने लगभग 20 दिन हो गए हैं, लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई घोषणा नहीं की गई है. इस बीच, ऐसी अफवाहें हैं कि गैस सब्सिडी केवल उन ग्राहकों को दी जाएगी जिनके पास अपने संबंधित वितरकों के साथ केवाईसी विवरण अपडेट है। इसके साथ ही लोग अपने केवाईसी विवरण को अपडेट करने के लिए गैस एजेंसियों पर भीड़ लगा रहे हैं। राज्य भर में एजेंसियों के सामने बड़ी भीड़ की कतारें लगने की घटनाएं, यहां तक कि कोई आधिकारिक बयान दिए बिना भी, लोगों के बीच भ्रम की तस्वीर पेश करती हैं। हालांकि, हैदराबाद गैस डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार ने खुलासा किया कि राज्य सरकार ने गैस सब्सिडी पर किसी भी नीति के संबंध में गैस एजेंसियों को निर्देश नहीं दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान में कोई सच्चाई नहीं है कि केवल केवाईसी अपडेट करने वाले ही सब्सिडी वाली गैस का लाभ उठा पाएंगे। अशोक कुमार ने यह भी कहा कि केवाईसी अपडेट केंद्र सरकार के निर्देशानुसार नवंबर से किया जा रहा है और इसका राज्य सरकार से कोई लेना-देना नहीं है।

दो अंतरराज्यीय तस्कर एमडीएमए ड्रग के साथ गिरफ्तार

राचकोंडा एसओटी की ड्रग माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) ने वनस्थलीपुरम पुलिस के साथ मिलकर गुरुवार को ऑटो नगर में बेंगलुरु से हैदराबाद तक एमडीएमए (मेथिलीनडाइऑक्सीमेथामफेटामाइन) की तस्करी करने वाले दो अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को पकड़ा और 30 ग्राम एमडीएमए जब्त किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान शेखपेट के वीरम नागेश्वर (24) और आंध्र प्रदेश के राजमंड्री के मूल निवासी, के. जितेंद्र (25) के रूप में की गई, जो तेलुगु फिल्मों के लिए काम करने वाले जुबली हिल्स के एक डबिंग साउंड इंजीनियर और सूर्यापेट जिले के मूल निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी करीबी दोस्त हैं और साइकोट्रोपिक नशीली दवाओं के सेवन के आदी हैं। नागेश्वर बेंगलुरु के एक नाइजीरियाई ड्रग तस्कर के संपर्क में आया और उसने आसान पैसे के लिए ड्रग्स बेचने का फैसला किया और जितेंद्र को इसमें शामिल कर लिया। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने कहा, 'दोनों ने बेंगलुरु से 2,000 रुपये से 4,000 रुपये प्रति ग्राम के बीच एमडीएमए खरीदा और उसे हैदराबाद में उपभोक्ताओं को 8,000 रुपये से 10,000 रुपये प्रति ग्राम के बीच बेचने के फिराक में थे।' चार दिन पहले, दोनों निजी ट्रैवल बस के माध्यम से बेंगलुरु गए, ज्ञात स्रोत से एमडीएमए दवा खरीदी और हैदराबाद लाए। वे इसे बेचने के अवसर की प्रतीक्षा कर रहे थे। एक गुप्त सूचना के बाद, दोनों को ऑटो नगर के मोहन कांटा में उस समय पकड़ा गया जब वह ड्रग्स बेचने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

बिग बॉस विजेता पल्लवी प्रशांत को जमानत मिली

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिग बॉस तेलुगु सीजन 7 की विजेता पल्लवी प्रशांत, जिन्हें पुलिस द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने और सार्वजनिक उपद्रव के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

उनकों आज नामपल्ली अदालत ने जमानत दे दी है। कोर्ट ने पल्लवी प्रशांत और उनके भाई को सशर्त जमानत दे दी। नामपल्ली कोर्ट ने पल्लवी प्रशांत को कहीं भी बैठक न करने और मीडिया से बात न करने का निर्देश दिया है। पल्लवी प्रशांत फिलहाल चंचलगुडा जेल में बंद हैं।

आरजीआईए ने छुट्टियों के मौसम से पहले यात्री सलाह जारी की

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (आरजीआईए) ने छुट्टियों के मौसम के दौरान यात्रा में आगामी उछाल की प्रत्याशा में शुक्रवार को एक यात्री सलाह जारी की है। यात्री यातायात में अपेक्षित वृद्धि के साथ, अधिकारियों ने यात्रियों से हवाई अड्डे के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने का आग्रह किया है।

हवाईअड्डे के अधिकारियों द्वारा जारी एक सलाह में, यात्रियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया कि वे सुगम यात्रा अनुभव के लिए सभी आवश्यक और वैध दस्तावेज साथ रखें। इस व्यस्त अवधि के दौरान परेशानी मुक्त यात्रा की सुविधा के लिए हवाई अड्डे के कर्मचारियों के साथ सहयोग का अनुरोध किया गया। छुट्टियों के मौसम के कारण, हम यात्री यातायात में वृद्धि की आशा करते हैं। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे हवाईअड्डे के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले ही बना लें।''

इसके अलावा, यात्रियों से आवश्यक जानकारी, उड़ान अपडेट और हवाईअड्डा सेवाओं तक सुविधाजनक और आसान पहुंच के लिए डिजीयात्रा एप्लिकेशन का उपयोग करने का आग्रह किया गया।

खनिज अन्वेषण में उभरती प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला आयोजित

जीएसआई ने कार्यशाला की मेजबानी की

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने शुक्रवार को एम एस कृष्णन ऑडिटोरियम, जीएसआई प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद में 'खनिज अन्वेषण में उभरती प्रौद्योगिकियों' पर एक कार्यशाला की मेजबानी की। कार्यशाला का उद्घाटन वी.एल. कांता राव, सचिव, खान मंत्रालय, भारत सरकार ने की। जीएसआई महानिदेशक जनार्दन प्रसाद ने हमारे देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में खनिज अन्वेषण की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। जीएसआई ने अधिक कुशल और सटीक खनिज पूर्वेक्षण के लिए ड्रोन, एआई और एमएल जैसी उन्नत तकनीकों को तैनात करने की योजना बनाई है, जिससे छिपे हुए भंडार को उजागर करते हुए मूल्यवान समय और संसाधनों की बचत होगी। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्यशाला में ऑयल इंडिया लिमिटेड के सीएमडी रंजीत रथ, आईआईटी बॉम्बे के डॉ. आलोक पोरवाल ने व्यावहारिक संबोधन दिया। केमिकल लैब, दक्षिणी क्षेत्र, जीएसआई हैदराबाद में ग्रेफाइट ट्यूब एटमाइजर (एएएस-जीटीए) के साथ परमाणु सोखना स्पेक्ट्रोमीटर का भी जीएसआई प्रशिक्षण संस्थान परिसर के मुख्य द्वार पर हाई मास्ट राष्ट्रीय ध्वज के साथ उद्घाटन किया गया। विभिन्न सरकारी एजेंसियों और निजी हितधारकों के बीच पैनल चर्चा और इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किए गए। कार्यशाला ने अन्वेषण के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए जीएसआई की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया और खनिज अन्वेषण में सहयोगात्मक और तकनीक-संचालित भविष्य के लिए मंच भी तैयार किया।

दर्शन पर प्रतिबंध लगाए जाने से तिरुमाला में तनाव

तिरुमला, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) अधिकारियों द्वारा बिना टोकन वाले भक्तों के लिए सर्व दर्शन कतारों तक पहुंच प्रतिबंधित करने के बाद तिरुमाला में तनाव फैल गया। यह निर्णय चल रहे वैकुंठ एकादशी उत्सव के लिए तिरुमाला आने वाले तीर्थयात्रियों की भारी आमद के प्रबंधन के बारे में चिंताओं से उपजा है। इससे पहले, टीटीडी ने घोषणा की थी कि बिना टिकट वाले भक्तों को सर्व दर्शन, मुफ्त दर्शन कतार की अनुमति दी जाएगी। हालाँकि, वैकुंठम क्यू कॉम्प्लेक्स -2 और नारायणगिरि शेड भक्तों से भरे हुए हैं। अधिकारियों को वैकुंठ द्वार दर्शन, वैकुंठ एकादशी के दौरान एक विशेष दर्शन, में अव्यवस्था की आशंका है। परिणामस्वरूप, उन्होंने सर्व दर्शन कतारों में बिना टिकट वाले भक्तों के लिए प्रवेश बंद कर दिया। इस अचानक बदलाव से टीटीडी सतर्कता कर्मचारियों और कुछ भक्तों के बीच झड़प शुरू हो गई, जो बिना टिकट आए थे और दर्शन की उम्मीद कर रहे थे। हालांकि, अधिकारियों ने दोहराया कि केवल वैध दर्शन टिकट वाले भक्तों को ही कतारों में जाने की अनुमति दी जाएगी। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि टीटीडी ने वैकुंठ एकादशी के लिए तीर्थयात्रियों की उच्च मात्रा की आशंका को देखते हुए, गुरुवार रात से ही सर्व दर्शन के लिए दर्शन टोकन जारी करना शुरू कर दिया था। इन टोकन वाले भक्तों को अभी भी मूल योजना के अनुसार दर्शन की अनुमति दी जाएगी।

नए कोरोनोवायरस जेएन.1 स्ट्रेन से घबराने की जरूरत नहीं : जगन

अमरावती, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों के इनपुट का हवाला देते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि कोरोनोवायरस के जेएन.1 स्ट्रेन के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, जिसे पूरे भारत में मामलों में वृद्धि का कारण माना जाता है। उन्होंने यह बयान वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक के बाद जारी किया जहां उन्होंने उन्हें निवारक कदम उठाने के लिए आगाह किया। निवारक कदमों के लिए गाँव और वार्ड सचिवालय प्रणाली और गाँव क्लिनिक प्रणाली को सचेत करें। रेड्डी ने एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ग्राम क्लिनिक के कर्मचारियों को नए संस्करण के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों के बारे में अवगत कराया जाना चाहिए। अधिकारियों के अनुसार, नए कोविड वैरिएंट से घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि संक्रमित व्यक्ति बिना किसी 'जटिलता' के ठीक हो रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि संक्रमित लोग अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता के बिना ठीक हो रहे हैं और जेएन.1 वैरिएंट इसके जैसा नहीं है। डेल्टा संस्करण, जिसके लिए कई रोगियों को अस्पताल की देखभाल की आवश्यकता होती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि नया स्ट्रेन तेजी से फैल रहा है, प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है। इसके अलावा, अधिकारियों ने रेड्डी को सूचित किया कि सरकारी अस्पतालों में रोगसूचक रोगियों का परीक्षण किया जा रहा है और सकारात्मक नमूनों को आगे के विश्लेषण के लिए विजयवाड़ा में जीनोम प्रयोगशाला में भेजा जा रहा है। इसी तरह, उन्होंने सीएम को अवगत कराया कि अस्पतालों में व्यक्तिगत देखभाल किटों के साथ-साथ वार्ड और ग्राम सचिवालयों में तेजी से परीक्षण किटों का भंडार रखा जा रहा है। दवाओं को स्टैंडबाय पर रखने के अलावा, अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि ऑक्सीजन का बुनियादी ढांचा भी तैयार किया जा रहा है और 57,000 ऑक्सीजन बेड तैयार रखे गए हैं।

सांसदों के निलंबन के खिलाफ कांग्रेस ने विरोध- प्रदर्शन किया

उप मुख्यमंत्री भट्टी समेत कई मंत्रियों ने लिया भाग

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संसद में सुरक्षा उल्लंघन और लोकसभा और राज्यसभा दोनों से सांसदों के निलंबन की निंदा करते हुए, कांग्रेस ने शुक्रवार को यहां धरना चौक, इंदिरा पार्क में धरना दिया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री श्रीधर बाबू, पोन्नम प्रभाकर और जुपल्ली कृष्ण राव, विधायक राज ठाकुर, नागराजू और विजया रमण राव, कांग्रेस नेता वी हनुमंत राव और मल्लू रवि, सीपीआई विधायक कुनामनेनी संबाशिवराव राव, टीजेएफ अध्यक्ष कोदंडाराम और अन्य उपस्थित थे। धरने को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने संसद पर आतंकवादियों के हमले पर सदन में बहस की मांग करने वाले सांसदों को अलोकतांत्रिक तरीके से निलंबित करने की निंदा की। उन्होंने कहा कि संसद पर हमले को संविधान पर हमले के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''यह शर्म की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकतंत्र के मंदिर माने जाने वाली संसद पर हमले पर बिना कोई जवाब दिए विपक्षी सांसदों को संसद से निलंबित कर दिया है।''भट्टी विक्रमार्का ने कहा, देश की जनता को एक बार सोचना चाहिए कि संसद पर हमले से दुनिया में भारत की छवि कैसे खराब हुई है। उन्होंने लोकतंत्रवादियों और प्रगतिवादियों सहित जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों से भारतीय लोकतंत्र को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी के संघर्ष में भाग लेने की अपील की। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, सुरक्षा उल्लंघन पर सवाल उठाने के लिए विपक्षी सांसदों को संसद से निलंबित करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार संसद को सुरक्षा प्रदान करने की स्थिति में नहीं है और सवाल उठाया कि वह कैसे करेगी? उन्होंने याद दिलाया कि पिछले दिनों बीआरएस सरकार ने अधिनायकवाद के साथ धरना चौक को हटा दिया था, लेकिन उच्च न्यायालय ने धरना चौक को अनुमति दे दी थी। आख़िरकार जनता ने तेलंगाना में अधिनायकवादी सरकार को हटा दिया।

स्वास्थ्य विभाग ने कोविड से निपटने के लिए कमर कसी

करीमनगर, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ताजा कोविड मामलों की रिपोर्ट के मद्देनजर, जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मामलों के प्रकोप से निपटने के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। देश के अलग-अलग राज्यों में ओमीक्रॉन के सब-वेरिएंट जेएन1 के मामले सामने आए हैं। हालांकि पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया था, लेकिन चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी वायरस से सफलतापूर्वक निपटने के लिए तैयारी कर रहे हैं क्योंकि आने वाले दिनों में मामले सामने आने की संभावना है। तेलंगाना में अस्पताल के कर्मचारियों से मास्क लगाने और सैनिटाइजेशन करने का आग्रह किया गया

पीएचसी और सीएचसी के स्टाफ को अलर्ट करने के साथ ही अस्पतालों में संक्रमित लोगों को इलाज मुहैया कराने के लिए आइसोलेशन वार्ड भी तैयार किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जेएन 1 के लक्षण वाले लोगों पर कोरोना परीक्षण करने का भी निर्देश दिया गया।

आइसोलेशन वार्ड, जिनका उपयोग पहले कोविड रोगियों को उपचार प्रदान करने के लिए किया जाता था, का उपयोग सामान्य रोगियों को उपचार प्रदान करने के लिए किया जा रहा है क्योंकि पिछले दो वर्षों के दौरान कोरोना के मामले सामने नहीं आए हैं। ताजा मामलों के मद्देनजर आइसोलेशन वार्ड तैयार किए जा रहे हैं. दवाएं, इंजेक्शन और अन्य उपकरण भी तैयार रखे जा रहे हैं। पहले के प्रकोप के दौरान, कोविड की पहली और दूसरी लहर के दौरान पर्याप्त ऑक्सीजन की आपूर्ति की कमी के कारण कई कोरोना रोगियों की मृत्यु हो गई थी। ऐसी स्थिति दोबारा न हो, इसके लिए सभी बेड पर ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। राजन्ना-सिरसिला जिले के अधिकारियों ने पहले ही सिरसिला और वेमुलावाड़ा अस्पतालों में दस आइसोलेशन बेड की व्यवस्था कर ली है। 100 आइसोलेशन बेड, जो पहले करीमनगर जिला मुख्यालय अस्पताल में कोविड रोगियों के लिए इस्तेमाल किए जाते थे, तैयार किए जा रहे हैं। अस्पताल में 21,000 लीटर क्षमता के तरल ऑक्सीजन टैंक के अलावा दो ऑक्सीजन सांद्रक उपलब्ध हैं। 32 बेडसाइड कंसन्ट्रेटर और 40 वेंटिलेटर भी उपलब्ध हैं। अस्पताल के अधिकारी किसी भी तरह की स्थिति का सामना करने का विश्वास व्यक्त कर रहे हैं क्योंकि वे पूरी तरह से तैयार हैं। इसके अलावा, दवाओं, ऑक्सीजन और अन्य उपकरणों की कोई कमी नहीं थी।

हैदराबाद में अपराध दर दो प्रतिशत बढ़ी

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी और महिलाओं के खिलाफ अपराध में भारी वृद्धि के साथ शहर में अपराध दर में पिछले वर्ष की तुलना में केवल दो प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालाँकि, अधिकारी इस वृद्धि का कारण शहर में जनसंख्या में वृद्धि को मानते हैं। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त के श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि विभाग शहर में अपराध दर की जांच करने के लिए नए पुलिस स्टेशन स्थापित करने में सफल रहा है। साथ ही, अपराध की रोकथाम और पता लगाने के लिए कुछ विशेष टीमों का गठन किया गया है। 2023 में, पिछले वर्ष के 21,795 की तुलना में कुल मामले 24,821 दर्ज किए गए। हैदराबाद सीपी ने कहा कि शारीरिक अपराध के मामलों में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसका एक कारण चुनाव भी है। उन्होंने कहा कि अपराध की रिपोर्टिंग के अवसरों में वृद्धि के साथ पुलिसिंग पहलुओं का भी यह सकारात्मक पक्ष है। साथ ही, संपत्ति संबंधी अपराधों का पता लगाने और संपत्ति की वसूली में भी वृद्धि हुई है। पॉक्सो के मामलों में भी गिरावट आई।

14 महीने का बच्चा कोविड-19 से संक्रमित मिला

हैदराबाद, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोरोना महामारी एक बार फिर बढ़ रही है। गुरुवार को यहां सरकारी नीलोफर अस्पताल में एक 14 महीने के शिशु का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया। अस्पताल अधीक्षक उषा रानी ने कहा कि लड़के की हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि बच्चे को निमोनिया के कारण 18 दिसंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उसमें खांसी, सर्दी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखे थे। उन्होंने कहा कि निमोनिया के सभी मामलों के लिए कोरोना परीक्षण किया जा रहा है और लड़के का भी कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। नमूने बुधवार को परीक्षण के लिए भेजे गए और गुरुवार को इसका सकारात्मक परीक्षण किया गया। हालांकि, लड़के के माता-पिता में कोरोना वायरस के कोई लक्षण नहीं थे।

मोदी सरकार को सबक सिखाएं: डीसीसी प्रमुख

नलगोंडा, 22 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीसी अध्यक्ष केतावत शंकर नाइक ने आज कहा कि मोदी सरकार सांसदों को संसद में सार्वजनिक मुद्दों पर बात करने से रोककर उनका गला घोंट रही है। मोदी सरकार द्वारा भारत गठबंधन से जुड़े सांसदों को संसद से निलंबित करने के विरोध में शुक्रवार को नलगोंडा में सेव डेमोक्रेसी नाम से मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के आवास से एनटीआर की प्रतिमा तक सड़क पर रैली निकाली गई। उन्होंने मोदी सरकार के खिलाफ नारे लगाए। इस मौके पर शंकर नाइक ने कहा कि मोदी सरकार ने संसद में सांसदों को सवाल पूछने के अधिकार के बिना ही निलंबित कर दिया है। उन्होंने भाजपा सरकार पर धर्म और जाति के नाम पर गरीबों और कमजोर वर्गों पर अत्याचार करने का आरोप लगाया।

उन्होंने निजीकरण के लिए सरकारी क्षेत्र की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार को वैसे ही बाहर करने की जरूरत है, जैसे राज्य में तानाशाह के रूप में शासन करने वाले केसीआर को घर लाया गया था। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के दौरान विपक्षी विधायकों को चुप करा दिया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार आने के बाद विधानसभा में हर कोई खुलकर अपनी बात रख रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी संयुक्त नलगोंडा जिले की सभी सीटें जीतेगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.